सेंसेक्स	~	83,755.87
निफ्टी	~	25,549.00
सोना	~	98,950
चांदी	~	1,08,000
डॉलर	~	85.68

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
शुक्रवार 27 जून 2025
आषाढ़ शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 272
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

आप विधायक का सभी पदों से इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात में बोटाद सीट से आम आदमी पार्टी विधायक उमेश मकवाना ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मकवाना ने कहा- मैंने 20 साल तक भाजपा में अलग-अलग पदों पर काम किया। उस समय जब गुजरात में आप को कोई पहचानता भी नहीं था, तब मैंने सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी छोडक़र आम आदमी पार्टी जॉइन की थी।

अब मुझे लगता है कि आप पार्टी अंबेडकर के सिद्धांतों से भटक रही है। यही कारण है कि मैंने आम आदमी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मैं पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करना जारी रखूंगा। मैं बोटाद के लोगों के बीच जाऊंगा। फिर उनकी राय लूंगा। 3 दिन पहले गुजरात की विसावदर सीट पर हुए उपचुनाव में आप कैंडिडेट गोपाल इटालिया 17554 वोटों से जीते थे।

जवानों ने 2 वर्दीधारी महिला नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में जवानों ने दो वर्दीधारी महिला नक्सली को मार गिराया है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। साथ ही 315 बोर राइफल और अन्य हथियार भी बरामद हुए हैं। मामला कोहकामेटा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि कोहकामेटा इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी है। इसी सूचना के आधार पर नारायणपुर से डीआरजी और कोंडागांव से एसटीएफ के जवानों को नक्सल ऑपरेशन पर निकाला गया था। बुधवार की रात जब जवान नक्सलियों के ठिकाने पर पहुंचे तो नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। वहीं सुबह जब जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया तो 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए। आज सुबह भी गोलीबारी हुई है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग जारी है।

राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल मामले की सुनवाई अब 28 जुलाई को

हाथरस । यूपी के हाथरस के एसीजेएम एमपी-एमएलए कोर्ट में लोकसभा सांसद एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दाखिल हुआ था। न्यायालय में परिवादी की ओर से दो गवाहों के बयान हो चुके हैं। 26 जून को न्यायालय में अधिकारी के अवकाश पर होने की वजह से सुनवाई नहीं हो पाई। न्यायालय में इस मामले में सुनवाई के लिए 28 जुलाई की तिथि नियत की गई है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि थाना चंदपा क्षेत्र के एक गांव निवासी रामकुमार उर्फ रामू की ओर से राहुल गांधी के खिलाफ परिवाद दाखिल किया गया था।

दो गांवों में एनआईए की रेड

यमुनानगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार सुबह यमुनानगर के दो गांवों चंदाखेड़ी और खारवन में छापेमारी की। सुबह करीब 4 बजे शुरू हुई इस कार्रवाई में एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस बल के साथ मिलकर दो संदिग्धों के घरों पर रेड डाली। एनआईए की टीम सबसे पहले गांव चंदाखेड़ी पहुंची, जहां जॉनी नामक व्यक्ति के घर पर छापा मारा गया। सूत्रों के अनुसार, जॉनी का विदेश में बैठे एक संदिग्ध व्यक्ति के साथ कई बार वित्तीय लेन-देन और फोन पर बातचीत होने की जानकारी मिली थी। जांच के दौरान सभी पारिवारिक सदस्यों से भी से गहन पूछताछ की गई।

बारिश, बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन से बिगड़े हालात...

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। मानसून देश के ज्यादातर हिस्सों को कवर कर चुका है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात हैं। अहमदाबाद में बारिश के पानी के बहाव में आकर एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। 9 घंटे बाद उसका शव बरामद किया गया। सूरत का गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगडऩे के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। वहीं वडोदरा में भारी बारिश के चलते अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर 15 किमी लंबा जाम लग गया। उधर हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के होरनगढ़ गांव में बादल फटने के एक दिन बाद राहत कार्य जारी है। यहां कई गाडिय़ां मलबे में दब गईं। गुजरात के अहमदाबाद में पिछले 12 घंटे से तेज बारिश हो रही है। इससे अहमदाबाद शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। पूर्वी क्षेत्र के मणिनगर, वटवा, सिटीएम, हाटकेश्वर, निकोल ओधव और विराट नगर समेत कई इलाकों में पानी भर गया है। बारिश के पानी के बहाव में एक बाइक सवार ड्रेनेज लाइन में फंस गया। दमकल विभाग ने 9 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रेनेज लाइन से 200 फीट दूर उसका शव बरामद किया। इस सीजन में अब तक शहर में 6"03 इंच बारिश हो चुकी है। सूरत में भी लगातार तीसरे दिन गुरुवार को बाढ़ के हालात हैं। गीतानगर इलाका 3 से 4 फीट पानी में डूबा हुआ है। यहां तबीयत बिगडऩे के बाद एक गर्भवती महिला को फायर ब्रिगेड टीम ने रेस्क्यू किया और अस्पताल पहुंचाया। इससे पहले, हिमाचल प्रदेश में कुल्लु जिले में पिछले 24 घंटों में जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटा। इसके चलते अचानक आई बाढ़ में 9 से ज्यादा लोग बह थे। इसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में 5 लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। धर्मशाला के खनियारा से लापता एक मजदूर को आज सुबह सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं, कुल्लू में 2 हजार टूरिस्ट फंस गए हैं। डैम से पानी छोडऩे का अलर्ट जारी किया गया है। इधर, राजस्थान में मानसून की बारिश जारी है। बांसवाड़ा में एक दिन में सबसे ज्यादा 8 इंच पानी बरसा।

9 लोग लापता

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा नदी में ट्रैवलर गिर गई। हादसा घोलतीर में बद्रीनाथ हाईवे पर हुआ। ट्रैवलर में 20 लोग सवार थे, इनमें से 3 की मौत हो गई है, जबकि 8 घायल हैं। वहीं, 9 लोग अभी भी लापता हैं। ट्रैवलर में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के यात्री बैठे थे। ट्रैवलर सवार 20 लोगों के नाम, पता जारी किए गए हैं। तीन मृतकों में से 2 की पहचान मप्र के राजगढ़ निवासी विशाल सोनी (42) और गुजरात में आईमाता चौक सूरत निवासी ड्रिमी (17) के रूप में हुई है। ड्राइवर सुमित ने बताया कि वह यात्रियों को केदारनाथ से दर्शन कराकर बद्रीनाथ धाम ले जा रहे थे। इस बीच रुद्रप्रयाग में घोलतीर के पास एक ट्रक ने पीछे से ट्रैवलर को टक्कर मार दी। इससे मिनी ट्रैवलर अलकनंदा में जा गिरी। सुमित हरिद्वार के रहने वाले हैं। इन्हें भी गंभीर चोट आई है। इनका इलाज रुद्रप्रयाग अस्पताल में किया जा रहा है।

रायसेन में सुल्तानपुर रोड बंद हुआ

रायसेन के बेगमगंज का सुल्तानपुर रोड बंद हो गया है, जिससे 50 गांवों का शहर से संपर्क टूट गया है। पानी के तेज बहाव के कारण पुल की मिट्टी बह गई है। यहां पुलिस तैनात की गई है। रायसेन जिले में बेगमगंज के ग्राम वीरपुर में भारी बारिश से एक कच्चा मकान गिर गया। परिवार के पांच लोग मलबे में दब गए। लोगों ने तुरंत सभी को मलबे से बाहर निकाला।

राजौरी में बाढ़, दो बच्चों की मौत

जम्मू-कश्मीर में राजौरी जिले की कालाकोट तहसील के सियालसुई इलाके में अचानक आई बाढ़ में दो बच्चों की मौत हो गई। एक अन्य बच्चे को बचा लिया गया। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में तीनों बच्चे बह गए थे। पुलिस और स्थानीय लोगों के साथ एक बचाव दल ने तुरंत बचाव ऑपरेशन शुरू किया लेकिन दो बच्चो को बचाया नहीं जा सका।

मप्र में आफत की बारिश

मप्र में तेज बारिश का दौर गुरुवार को भी जारी रहा। इंदौर में दोपहर में ही काले घने बादल छा गए और तेज बारिश होने लगी। गाडिय़ों की लाइट जलानी पड़ी। विदिशा में थोड़ी देर हुई बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया। जबलपुर में भी कई जगह घरों में पानी घुस गया। सतना में कलेक्ट्रेट रोड पर एक पेड़ पर बिजली गिरने का वीडियो सामने आया है। इधर, रायसेन के बेगमगंज में भारी बारिश से कच्चा मकान गिर गया। परिवार के पांच लोग मलबे में दब गए। लोगों ने तुरंत सभी को बाहर निकाला। दंपती और तीन बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। बेगमगंज का सुल्तानपुर रोड बंद होने से 50 गांवों का शहर से संपर्क टूट गया है। मांडू में गुरुवार को 5 घंटे में डेढ़ इंच बारिश हुई। यहां अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.5 डिग्री दर्ज किया गया। रानी रूपमती के महल पास धुंध छाई रही। रतलाम में गुरुवार सुबह से मौसम खुला रहा, धूप भी निकली। शाम 4 बजे बाद बारिश होने लगी। खंडवा में गुरुवार दोपहर तक उमस रही। इसके बाद तेज बारिश होने लगी। इस बारिश ने समय से पहले बोवनी कर चुके किसानों को राहत दिलाई हैं। इधर, मोरटक्का और आसपास के क्षेत्र में मानसून की पहली बरसात हुई हैं।

छिंदवाड़ा में 2 घंटे भारी बारिश

छिंदवाड़ा में दोपहर करीब 2 घंटे तेज बारिश हुई। इससे शहर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। धार जिले के पीथमपुर में दोपहर 2 बजे के बाद तेज बारिश शुरू हो गई। यहां 1 जून से अब तक कुल 99 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। 26 जून को कुल 4 मिलीमीटर बारिश हुई है।

गूगल के वाइस प्रेसिडेंट ने एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति। गूगल के वाइस प्रेसिडेंट थोटा चंद्रशेखर ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीपी) के अंतर्गत संचालित एसवी प्रणदान ट्रस्ट को 1 करोड़ रुपये का दान दिया है। यह दान गुरुवार को तिरुमला में टीटीपी अध्यक्ष बी. आर. नायडू को चेक सौंपकर किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार एसवी प्रणदान ट्रस्ट, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम का एक धर्मार्थ ट्रस्ट है। यह ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को मुफ्त या रियायती दरों पर मेडिकल सुविधा देता है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की मदद करता है। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम यानी टीटीडी ने इस दान के लिए चंद्रशेखर की सराहना की और इसे समाजिक कार्यों के लिए जरूरी बताया। चंद्रशेखर की इस पहल को टीटीडी अधिकारियों ने कृतज्ञता के साथ स्वीकार किया। अध्यक्ष नायडू ने चंद्रशेखर को धन्यवाद देकर कहा कि यह दान न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि समाज के जरूरतमंदों के प्रति जिम्मेदारी का भी उदाहरण है। तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर कहा जाता है, दुनियाभर में हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।यह मंदिर विश्व के सबसे समृद्ध मंदिरों में से एक है और हर साल करोड़ों श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं।

कांग्रेस ने आयोग से महाराष्ट्र चुनाव में वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी मांगी

गड़बड़ी के आरोपों के चलते ईसी ने राहुल गांधी को चर्चा के लिए बुलाया गया था

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग को लेटर लिखा है। यह लेटर चुनाव आयोग का राहुल गांधी को भेजे लेटर का जवाब है। दरअसल 12 जून को चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को लेटर लिखा था, जिसमें राहुल गांधी को विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था।

13 दिन बाद राहुल गांधी तो आयोग से मिलने नहीं गए लेकिन कांग्रेस की तरफ से जवाबी खत भेजा गया, जिसमें मांग की गई है कि उन्हें महाराष्ट्र चुनाव में वोटर्स लिस्ट की डिजिटल कॉपी दी जाए। साथ ही मतदान के दिन की वीडियोग्रॉफी उपलब्ध कराई जाए। कांग्रेस ने कहा कि अगर एक हफ्ते के अंदर चुनाव आयोग उन्हें डेटा भेज देता है तो वह उसकी जांच-पड़ताल करके आयोग से चर्चा करने के लिए तैयार हैं। चुनाव आयोग ने कहा था कि देश में चुनाव पारदर्शी होते हैं। चुनाव आयोग ने 12 जून को राहुल गांधी को भेजे लेटर में लिखा था कि भारत की संसद के पारित इलेक्टोरल लॉ, उसके नियमों और समय-समय पर आयोग के निर्देशों के जरिए बहुत सख्ती से देश में चुनाव कराए जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सेंट्रलाइज्ड तरीके से आयोजित की जाती है।

इसमें ईसी के नियुक्त 1,00,186 से ज्यादा बीएलओ, 288 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 139 जनरल ऑब्जर्वर, 41 पुलिस ऑब्जर्वर, 71 खर्च ऑब्जर्वर और 288 रिटर्निंग अधिकारी और महाराष्ट्र में राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के नियुक्त 1 लाख 8 हजार 26 बूथ स्तरीय एजेंट शामिल होते हैं। इनमें कांग्रेस के 28,421 एजेंट शामिल हैं।

आप विधायक का सभी पदों से इस्तीफा

अहमदाबाद। गुजरात में बोटाद सीट से आम आदमी पार्टी विधायक उमेश मकवाना ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मकवाना ने कहा- मैंने 20 साल तक भाजपा में अलग-अलग पदों पर काम किया। उस समय जब गुजरात में आप को कोई पहचानता भी नहीं था, तब मैंने सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी छोडक़र आम आदमी पार्टी जॉइन की थी। अब मुझे लगता है कि आप पार्टी अंबेडकर के सिद्धांतों से भटक रही है। यही कारण है कि मैंने आम आदमी पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मैं पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर

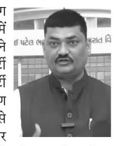

काम करना जारी रखूंगा। मैं बोटाद के लोगों के बीच जाऊंगा। फिर उनकी राय लूंगा। 3 दिन पहले गुजरात की विसावदर सीट पर हुए उपचुनाव में आप कैंडिडेट गोपाल इटालिया 17554 वोटों से जीते थे।

जवानों ने 2 वर्दीधारी महिला नक्सली मार गिराए

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में जवानों ने दो वर्दीधारी महिला नक्सली को मार गिराया है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। साथ ही 315 बोर राइफल और अन्य हथियार भी बरामद हुए हैं। मामला कोहकामेटा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि कोहकामेटा इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी है।

540 करोड़ का ड्रग-मनी लॉन्ड्रिंग मामला

सात दिन के रिमांड पर बिक्रम मजीठिया

चंडीगढ़(ईएमएस)। पंजाब विजिलेंस ने 540 करोड़ के ड्रग व मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को अमृतसर से गिरफ्तार किया था। मजीठिया को गुरुवार को मोहाली कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने मजीठियो को सात दिन के रिमांड पर भेजा है।

गौरतलब है कि बुधवार को मजीठिया की पत्नी विधायक गनीव कौर के चंडीगढ़ स्थिति आवास पर भी विजिलेंस की टीम ने दबिश दी। शिरोमणि अकाली दल ने इस कार्रवाई का विरोध किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कहा कि सरकार ने बदले की राजनीति के तहत इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। जानकारी के अनुसार विजिलेंस की टीम ने मजीठिया के आवास पर सुबह साढ़े छह बजे से साढ़े बारह बजे तक सर्च अभियान चलाया। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठे किए। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद विजिलेंस के एआईजी स्वर्णदीप सिंह की अगुआई में टीम मजीठिया को मोहाली लेकर पहुंची। जांच टीम ने बताया कि मजीठिया के स्टाफ और मजीठा हलके से विधायक उनकी पत्नी गनीव कौर ने पुलिस को किसी तरह का सहयोग नहीं दिया। मजीठिया के खिलाफ मोहाली विजिलेंस थाने में आमदनी से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान एसआईटी को मजीठिया के खिलाफ ड्रग मनी और हवाला कारोबार करने के सुबूत मिले हैं।

यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग करने की न्यूनतम आयु सीमा 16 साल

मुंबई। गूगल अब यूट्यूब पर बच्चों और किशोरों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर एक बड़ा बदलाव करने वाला है। 22 जुलाई 2025 से यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग करने की न्यूनतम आयु सीमा 13 साल से बढ़ाकर 16 साल हो जाएगी। यानी अब 16 वर्ष से कम उम्र के यूजर्स अकेले लाइव स्ट्रीम नहीं कर सकते है। यूट्यूब का कहना है कि यह बदलाव बच्चों को अनजान और बड़ी ऑनलाइन ऑडियंस के साथ जुड़ने से जुड़े जोखिमों से बचाने के लिए जरूरी है। हालांकि, कुछ विशेष परिस्थितियों में नाबालिग अब भी लाइव स्ट्रीम का हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए सख्त शर्तें होंगी।

यह नई नीति यूट्यूब की चाइल्ड प्रोटेक्शन पहल का हिस्सा है, इसमें पहले से ही सुपरवाइज्ड अकाउंट, बच्चों के लिए बनाई गई कंटेंट कैटेगरी और चैट मॉडरेशन टूल्स शामिल हैं। कंपनी यूजर्स को लगातार यह सलाह भी देती है कि वे कैमरे पर निजी जानकारी साझा न करें और बातचीत के दौरान सावधानी बरतें। इस साल की शुरुआत में गूगल ने मशीन लर्निंग का सहारा लेकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की थी कि नाबालिग यूजर्स अपनी उम्र को लेकर झूठ न बोल सकें। नए नियम उसी दिशा में एक और कदम माने जा रहे हैं।

उधमपुर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी, बसंतगढ़ क्षेत्र में सेना ने घेरा इलाका

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ उस समय शुरु हुई जबकि सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन के लिए सांझी नाला इलाके में पहुंची थी। यहां पर गोलीबारी की आवाज सुरक्षाबलों ने सुनी तो उन्होंने इलाके को चारों ओर से घेर लिया। इसके साथ ही अतिरिक्त बलों को मौके पर भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार, सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम पिछले एक माह से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों के एक सक्रिय मॉड्यूल को तलाश करने में जुटी हुई थी। बसंतगढ़ की ऊंचाई वाले और घने वन क्षेत्रों में इनके छिपे होने का संदेह व्यक्त किया गया था। इसके चलते गुरुवार को जैसे ही सुरक्षाबल सर्च ऑपरेशन के तहत आगे बढ़े, आतंकियों की ओर से गोलीबारी शुरू कर दी गई। जवाबी कार्रवाई में सेना ने मोर्चा संभाला और मुठभेड़ अब भी जारी है।

किश्तावाड़ में भी तलाशी अभियान जारी

किश्तवाड़ के जंगलों में भी संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद से सुरक्षाबलों ने वहां भी सघन तलाशी अभियान छेड़ा हुआ है। पूरे इलाके को हाई अलर्ट पर रखा गया है और ड्रोन व स्निफर डॉग्स के जरिए तलाशी अभियान जारी है। इस संबंध में सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा, कि आतंकियों को जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए पूरा अभियान रणनीतिक रूप से संचालित किया जा रहा है। सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है और इलाके में आम लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है।

भारत का संविधान सबसे ऊपर हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग इसके अधीन- सीजेआई

अमरावती। भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा है कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है।

चीफ जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। किसी जज को इस बात को लेकर नहीं चलना चाहिए कि लोग उनके फैसलों के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे।

चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी फैसले लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता। सीजेआई ने कहा कि मैंने हमेशा अपने फैसलों और काम को बोलने दिया और हमेशा संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ खड़ा रहा। बुलडोजर न्याय के खिलाफ अपने फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है।

अरे ये क्या हुआ.....पीएम मोदी से बंद कमरे में शशि थरुर की मुलाकात, फिर सीधे रुस रवाना

मोदी सरकार ने फिर थरुर को किसी विशेष काम से मॉस्को भेजा

नई दिल्ली। इनदिनों कांग्रेस पार्टी से नाराज चल रहे शशि थरूर मॉस्को पहुंचे हैं और अचानक ये सबकुछ हुआ है। एक घंटे तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मीटिंग होती है और फिर थरूर अचानक मॉस्को के लिए रवाना होते हैं। उन्होंने मॉस्को में बड़े बड़े नेताओं से मुलाकातों का दौर भी शुरू कर दिया है। अब इसके बाद में चर्चा तेज हो चली है कि आखिर प्रधानमंत्री मोदी ने अचानक ये कौन सी जिम्मेदारी देकर कांग्रेस नेता थरुर को रूस भेज दिया। इसके पहले पीएम मोदी ने थरूर को ऑपरेशन सिंदूर के डेलीगेशन में भेजा था। लेकिन फिर से थरूर को रूस भेजा है। ये सबकुछ इतना भी सरल नहीं लग रहा है।

दरअसल गौर करने वाली बात है कि कांग्रेस के दिग्गज नेता थरूर को अचानक पीएम मोदी बुलाते हैं। फिर बंद कमरे में दोनों नेताओं के बीच कुछ बात होती है। इस मुलाकात के दौरान तीसरे किसी शख्स की मौजूदगी नहीं होती है। फिर पीएम मोदी की ओर से निर्देश मिलता हैं, कि आप तुरंत ही रूस के लिए फ्लाइट पकड़ लो।

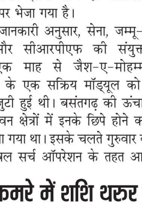

पीएमओ से निकलकर कांग्रेस नेता थरुर थोड़ी देर के लिए अपने घर गए और उसके बाद फ्लाइट पकड़ कर मॉस्को निकल गए। मॉस्को पहुंच उन्होंने सबसे पहले एंड्री डेनिसोव से मुलाकात की है। एंड्री डेनिसोव संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के एंबेसडर हैं। इससे पहले वे चीन में एंबेसडर रह चुके हैं।

चीन के साथ इनके बेहतर संबंध हैं। आप देख सकते हैं कि चीन में ही अभी एससीओ की बैठक जारी है, जिसमें अजित डोभाल और राजनाथ सिंह मौजूद हैं। सारा कुछ एससीओ की बैठक को लेकर हो रहा है। कुछ अंदर ही अंदर खिचड़ी पक रही है। भारत, चीन और रूस आपस में कुछ तय कर रहे हैं। ये मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि इस बार की एससीओ की बैठक का चेयरमैनशिप रूस के पास है। जिस तरह से शशि थरूर विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव या चीन और संयुक्त राष्ट्र संघ में रूस के एंबेसडर से मुलाकात हुई है। ये बहुत हाई प्रोफाइल मीटिंग है। पहले से प्लानिंग के बिना ये हो नहीं सकता था।

सामूहिक विवाह से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के लिए भटक रहे नवयुगल जोड़े

4 महीने बाद भी नहीं मिली मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत दिए जाने वाली राशि , हितग्राही विभाग के लगा रहे चक्कर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका द्वारा 7 फरवरी को जिला मुख्यालय में अलग-अलग तहसीलों के हितग्राहियों की मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत सामूहिक विवाह करवाया गया था । आज 4 से 5 महीने बीत जाने के बाद भी हितग्राहियों को योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि नहीं दी गई है । जिसके लिए हितग्राही अब नगर पालिका के साथ-साथ संबंधित विभाग के चक्कर लगा रहे हैं । हितग्राहियों का मानना है कि उनकी शादी बाद में हुए ,सामूहिक विवाह की राशि हितग्राही को दे दी गई है किंतु उनसे पहले होने वाले सामूहिक विवाह की राशि अभी तक उनके खातों में नहीं आयी हैं ।

आपको बता दे कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल 10 कन्याओं को अभी तक प्रोत्साहन राशि नहीं मिली है। इसको लेकर विवाहित कन्याओं के परिजनों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और अति शीघ्र आर्थिक सहायता राशि दिलाने की मांग की। परिजनों ने आवेदन में बताया कि विवाह कार्यक्रम को सम्पन्न हुए 4 महीने से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज तक कन्या विवाह प्रोत्साहन राशि खातों में जमा नहीं की गई है। जिससे नवविवाहित बेटियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके बाद में हुए सामूहिक विवाह में मिलने वाली हितग्राहियों को राशि मिल गई है। लेकिन उनसे पहले हुए सामूहिक विवाह में हितग्राहियों को राशि नहीं दी गई है । जबकि वह नगर पालिका सहित संबंधित विभाग के अनेको बार चक्कर लगा चुके हैं। किंतु सभी यही कह रहे हैं कि उन्हें जल्द ही राशि दी जाएगी, लेकिन अभी तक उनके खातों में राशि नहीं आई है वही जब हमारे द्वारा नगर पालिका में यह काम देख रही नुपुर से इस विषय को लेकर दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं की गई ।

अभी तक हितग्राहियों के खातों में राशि नहीं गई है - गोकुल प्रसाद

परिजन गोकुल प्रसाद मडावी बताते हैं कि 7 फरवरी को नगर पालिका में सामूहिक विवाह हुआ था । उसकी राशि अभी तक हितग्राहियों के खातों में नहीं डाली गई है ,

उन्होंने बताया कि यह पूरा मामला जनपद पंचायत बालाघाट का है उन्होंने यह भी बताया कि शादी 4 महीने पहले हो चुकी है , जबकि अभी तक राशि डल जानी थी , किंतु अभी तक खातों में राशि नहीं आई उनका कहना है कि कुछ हितग्राहियों को राशि मिली है लेकिन वह राशि आने का इंतजार ही कर रहे हैं।

एक विभाग से दूसरे विभाग ही भेज रहे हैं - मोनिका मर्सकोले

हितग्राही मोनिका मर्सकोले बताती है कि वह मोहगांव रहती है । उनकी 7 फरवरी को सामूहिक विवाह में शादी हुई थी, किंतु आज 4 महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत मिलने वाली राशि नहीं मिली है , वहीं उन्होंने यह भी बताया कि जब वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क करते हैं तो वह उन्हें एक विभाग से दूसरे विभाग पुनः फॉर्म भरने को कह रहे हैं, तो वहीं कुछ प्रक्रिया ऐसी भी बता रहे हैं जिससे उन्हें और परेशान होना पड़ेगा।

इन्हे नही मिली हैं राशि

नगरपालिका बालाघाट की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह में राजेश्वरी पिता चंदन मात्रे ग्राम बटुआ, नीता उइके पिता लखन उइके ग्राम कटेगांव, पुस्तकला यादव पिता पुनउ यादव ग्राम बटुआ, संतोषी इंगोले पिता प्रेमलाल इंगोले ग्राम बटुआ, अनुसुइया पिता लखनलाल इंगोले ग्राम बटुआ, रोशनी पिता संतोष पांचे ग्राम बटुआ, उमा पांचे पिता कपूरचंद पांचे ग्राम बटुआ, सीता नेती पिता सेवक नेती ग्राम बरखेड़ा, नीरमिला परते पिता बीपरू परते ग्राम बटुआ, मोनिका मर्सकोले पिता चैनलाल मर्सकोले ग्राम सकरी, पो. देवसर्रा आदि शामिल हैं।

उपचुनाव में जीत का आम आदमी पार्टी ने मनाया जश्न

नगर में निकाला विजय जुलूस,मिठाइयां बांटकर दी बधाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । पिछले दिनों देश के चार राज्यों की पांच विधानसभा सीटों में हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को दो सीटों पर भारी बहुमतों से विजय हासिल हुई है। जहां गुजरात की विसावदर और पंजाब के लुधियाना सीट पर आम आदमी पार्टी को मिली इस जीत का, आम आदमी पार्टी जिला इकाई ने गुरुवार को नगर में जमकर जश्न मनाया। जहां उन्होंने दोनों राज्यों के उपचुनाव में मिली जीत का श्रेय आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देते हुए नगर में विजय जुलूस निकाला, तो वहीं पार्टी की शान में जमकर नारेबाजी की ।इसके अलावा जगह-जगह एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाइयां दी। आपको बताएं कि हाल ही में पंजाब, पश्चिम बंगाल और केरल राज्य की एक-एक सीट और गुजरात दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे। जिसमें से भाजपा का गढ़ माने जाने वाली गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना सीट में आम आदमी पार्टी को जीत हासिल हुई है। जिसका जश्न पूरे देश के साथ-साथ बालाघाट नगर में भी आम आदमी पार्टी द्वारा मनाया गया है

ये अरविंद केजरीवाल की नीतियों की जीत है- जायसवाल

आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष शिव जायसवाल ने बताया कि गुजरात की विसावदर और पंजाब की लुधियाना सीट पर मिली जीत ने यह साबित कर दिया है कि जनता भाजपा व कांग्रेस दोनों की अवसरवादी राजनीति से ऊब चुकी है ।ये पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की नीतियों की जीत है। जहां सत्ता होती है वहां अपने प्रत्याशी को जिताना आसान बात है। लेकिन गुजरात में बीजेपी की सरकार है वहां मोदी और अमित शाह गढ़ है ।उनके जबड़े से चुनाव जीत कर लाना यह बहुत बड़ी बात है ।आज पूरे देश में संदेश जा रहा है कि आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली के बाद गुजरात में पंजाब में अपना परचम लहरा रही है। वही आम आदमी पार्टी का जनमत लगातार बढ़ रहा है लोग पार्टी की नीतियों को पसंद कर अपना बहुमत दे रहे हैं। यह उसी का जश्न मनाया जा रहा है ।इस दौरान आप पदाधिकारी रजनीश नायडू, अनिल ब्रम्हे, शरद जैन, सादिक कुरैशी, दीपक राहंगडाले, गोरेलाल राहंगडाले, सुरेश सिंघारे, रामचंद्र सिहोरे, दिलीप वराडे, प्रीति ब्रम्हे, शिवशंकर यादव दुर्गा प्रसाद कटरे, मस्तराम डहारे, फिरोज नियाजी, ओमप्रकाश जायसवाल, अधि.शंकर कंसरे, आरिफ खान, मनोज पमनानी, ज्ञानेश राणा, प्रेम सोनवाने, सखाराम सराटे, रेखलाल पिछोड़े रामप्रसाद बहेटवार, प्रदीप नागेश्वर, देवी प्रसाद, श्यामशंकर लिल्हारे, प्रदीप देवसरे, पीयूष मंडलेकर और शंकर सुलाखे सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य व आप कार्यकर्ता प्रमुख रूप की उपस्थित रहे।

जिले में फिर छाया उर्वरक खाद का संकट

डीएपी खाद के लिए तरस रहे जिले के किसान, जिले में नही हो रही डीएपी की आपूर्ति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक ओर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने और किसानों की हर संभव मदद किए जाने के कसीदे गढ़े जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर केंद्र व राज्य सरकार सहित स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी किसानों को लगातार परेशान करने का काम कर रहे हैं। जिनका किसानों की विभिन्न समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं है बात अगर खरीब सीजन की करें तो जिला मुख्यालय सहित तहसीलो व अन्य ग्रामीण अंचलों में खरीब के सीजन में डीएपी उर्वरक खाद का संकट गहराया हुआ है जहां सोसाइटी के माध्यम से किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। जिसको लेकर किसान काफी परेशान हैं ।बताया जा रहा है कि शासन की तरफ से जिले को खरीब सीजन में डीएपी उर्वरक खाद प्राप्त नहीं हुई है जिसके चलते वारासिवनी, गर्रा ,लांजी सहित जिले के अन्य गोदाम खाली हैं वही सोसायटी द्वारा भेजी गई उर्वरक खाद की डिमांड भी पूरी नहीं हो पा रही है ।जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है ।बताया जा रहा है कि जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों द्वारा कई बार उर्वरक खाद के लिए आरओ काटकर वरिष्ठ अधिकारियों को दिया गया है लेकिन खाद की आपूर्ति न होने के कारण अधिकारी भी समिति को खाद नहीं भेज रहे हैं ।उधर विभिन्न गांवों के किसानों ने डीएपी खाद सोसाइटी में उपलब्ध कराने की मांग की है ।

किसी भी सोसाइटी में नहीं है डीएपी खाद

बालाघाट जिला कृषि प्रधान जिला है ।लेकिन इसे जिले की बदनसीबी ही कहेंगे कि जिले में खाद का संकट हमेशा बना रहता है

जहां एक ओर जिले के विभिन्न शासकीय गोदामों और सोसायटीयो में खाद नहीं रहती तो वहीं दूसरी ओर सोसाइटी में खाद ना होने के चलते जिले के किसानों को मजबूरन दूसरी खाद खरीदनी पड़ती है ।जिले में पिछले कई वर्षों से चली आ रही यह परंपरा अब भी कायम है सवाल यह है कि जिन किसानों को आत्मनिर्भर किसान बनाने का सरकार दावा कर रही है उन किसानों को डीएपी की जगह दूसरा खाद खरीदने के लिए क्यों मजबूर किया जा रहा है। सवाल यह भी है कि इस व्यवस्था से किसानों की आय दुगनी कैसी होगी और सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस व्यवस्था से किसान आत्मनिर्भर कैसे बनेंगे। यही सभी सवाल सरकार की मंशा और उसकी कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल उठाती है।

तो क्या जानबूझकर डीएपी खाद नहीं पहुंचा रही सरकार

जिले में गहराए खाद संकट को देखते हुए अब जहन में कई सवाल उठने लगे हैं जानकारों के मुताबिक सरकार जानबूझकर डीएपी खाद मुहैया नहीं करा रही है ज्ञात हो कि इसके पूर्व डीएपी खाद के दाम 1200रु से बढ़ाकर 1950 में किए गए थे उस समय प्रदेश में जमकर बवाल मचा था जहां किसानों के आक्रोश को देखते हुए सरकार ने डीएपी मूल्य का करीब 800 रु का अंतर स्वयं वहन करने की घोषणा की थी इसके मुताबिक डीएपी खाद की एक बोरी भी यदि किसान सोसाइटी से लेता है तो प्रत्येक बोरी के पीछे सरकार को 800 रुपए वहन करना पड़ रहा था ।इसी वजह से सरकार केवल जिले ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में डीएपी की आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं कर रही है ।जिसके चलते बालाघाट जिला सहित प्रदेश की तमाम सोसायटीयो व सरकारी संस्थाओं में डीएपी खाद का टोटा बना हुआ है।

डीएपी मांगो तो 20-20-13 लेकर जाओ बोलते हैं- भजनलाल

डीएपी खाद को लेकर की गई चर्चा के दौरान किसान भजनलाल ने बताया कि खरीब सीजन शुरू हो चुका है ।हमने बोनी भी कर लिए हैं लेकिन सोसायटी से डीएपी खाद नहीं मिल रहा है। जब भी सोसाइटी में जाओ और डीएपी खाद मांगो तो बोलते हैं की डीएपी नहीं है। उसके बदले में 20-20 13 लेकर जाओ ।पिछले वर्ष भी डीएपी खाद के लिए हमें परेशान होना पड़ा था ।लेकिन कई चक्कर काटने के बाद बड़ी मुश्किल से डीएपी मिल गया था लेकिन इस बार नहीं मिल रहा है। 20-20-13 खाद में भी उतना मजा नहीं है जो डीएपी में है। क्योंकि डीएपी खाद डालने से फसलों की मोटाई बढ़ती है पौधा जल्दी बड़ा होता है ।मजबूती भी आती है। लेकिन डीएपी खाद ही नहीं मिल रही है ।केवल हम ही नहीं बल्कि क्षेत्र के सभी किसान परेशान है।

ऊपर से ही डीएपी नहीं आ रहा है- सुरेंद्र बिसेन

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सेवा सहकारी समिति जागपुर के प्रभारी प्रबंधक सुरेंद्र बिसेन ने बताया कि सभी किसानों को खाद का नियमित वितरण किया गया है। एडवांस खाद हमें मार्च महीने में ही मिल गया था, उसके बाद भी गोदाम से खाद मिला है। लेकिन डीएपी खाद जिले में ही उपलब्ध नहीं है तो हम किसानों को कैसे दें। हमने डीएपी के लिए उच्च स्तर पर बात किया तो बोले कि डीएपी की आपूर्ति नहीं हो रही है। 20-20 13 खाद ही मिलेगा। लेकिन अभी 20-20-13 खाद भी खत्म हो चुका है, जो वारासिवनी गोदाम में भी नहीं है। उच्च अधिकारी बोल रहे हैं कि जागपुर समिति को 25 टन का खाद पहले ही दिया गया था अब जब अगली रैक आएगी तब खाद दिया जाएगा। अग्रिम खाद में यूरिया, सुपरफास्ट 20-20 13 का उठाव किसानों ने पूर्व में कर लिया है लेकिन ऊपर से ही डीएपी खाद नहीं आ रहा है यदि हमारे पास खाद आता, तो हम किसानों को देते ।उधर किसान भी डीएपी खाद मांगते हैं जब ऊपर से खाद ही नहीं आ रही है तो फिर हम किसानों को कहा से लाकर दे दे।

कलेक्टर ने की खाद्य आपूर्ति विभाग के कार्यों की समीक्षा

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग रोकने सख्त कार्यवाही के निर्देश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 26 जून को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी रविकांत ठाकुर, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार एवं सभी विकासखंडों के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की ई-केवायसी की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि बालाघाट जिले में 13 लाख 64 हजार 14 हितग्राहियों की ई-केवायसी करने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य के लिये अब तक 12 लाख 79 हजार 881 हितग्राहियों की ई-केवायसी की जा चुकी है। इस प्रकार जिले में 94 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवायसी की जा चुकी है और 87 हजार 133 हितग्राहियों की ई-केवायसी किया जाना शेष है। कलेक्टर श्री मीणा ने निर्देश दिये कि शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी 30 जून तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर दी जाये। विकासखंड किरनापुर में 11 हजार 887, लांजी में 11 हजार 134 एवं बालाघाट विकासखंड में 10 हजार 93 हितग्राहियों की ई-केवायसी शेष रहने पर नाराजगी जाहिर की गई और निर्देशित किया गया कि समय सीमा में ई-केवायसी का कार्य पूर्ण नहीं होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही की जाये। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप उचित मूल्य दुकानों से हितग्राहियों को माह जून, जुलाई एवं अगस्त का खाद्यान्न एक साथ प्रदाय किया जा रहा है। जिले के 03 लाख 50 हजार 592 कॉर्ड धारक परिवारों को खाद्यान्न का वितरण किया जाना है। अब तक 02 लाख 04 हजार 223 परिवारों को खाद्यान्न का वितरण किया जा चुका है। कलेक्टर श्री मीणा ने हितग्राहियों को 03 माह का खाद्यान्न शीघ्रता से वितरित करने के निर्देश दिये। उन्होंने हितग्राहियों की मोबाईल सीडिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान बताया गया कि जिले के खाद्यान्न प्राप्त करने वाले 03 लाख 47 हजार 780 परिवारों की मोबाईल सीडिंग की जा चुकी है। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2025 में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में जॉच के दौरान जिले में घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग पाये जाने पर 42 प्रकरण दर्ज किये गए है और 66 गैस सिलेण्डर जब्त किये गए है। कलेक्टर श्री मीणा ने घरेलू गैस सिलेण्डर के व्यवसायिक उपयोग के विकासखंड किरनापुर एवं परसवाड़ा में मात्र 02-02 प्रकरण एवं विकासखंड बिरसा व लांजी में एक भी प्रकरण नहीं बनाये जाने पर नाराजगी जाहिर की और निर्देशित किया कि होटल, जलपान गृह एवं अन्य प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जॉंच की जाए और वहां पर घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग पाए जाने पर अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किये जाए। कलेक्टर श्री मीणा ने उचित मूल्य दुकानों का नियमित रूप से निरीक्षण करने एवं गड़बड़ी पाए जाने पर दुकान संचालक के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। विकासखंड लांजी,वारासिवनी, बैहर एवं बिरसा में एक भी दुकान पर निरीक्षण नहीं किया गया है। इसके लिये इन विकासखंड के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। बैठक में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों का तत्परता के साथ और संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने के निर्देश दिये गए।

धपेरा (मो) स्वच्छ सुजल गॉव घोषित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के विकासखंड लालबर्रा के ग्राम पंचायत धपेरा (मो) को स्वच्छ सुजल गॉव घोषित किया गया है। इस गॉव को हर घर जल प्रमाणीकरण एंव शत प्रतिशत ओडीएफ प्लस (स्वच्छ भारत मिशन) के अंतर्गत स्वच्छ सुजल गांव घोषित किया गया है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत इस गॉव में प्रत्येक घर में नल से शुद्ध जल मिल रहा है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत इस गॉव के प्रत्येक घर में पक्के शौचालय बन चुके है और ग्रामीण उनका उपयोग भी कर रहें है।

मेगा जॉब भर्ती

गोंदिया, भंडारा, नागपुर के लिये
रिसेप्सिनिष्ट, टेलीकालर, कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाईजर, गार्ड, सेल्समेन, आई.टी.आई, नर्स, डिलेवरी ब्वाय एवं सभी प्रकार की जॉब के लिये संपर्क करें
सैलरी- 8000 से 20000 तक
योग्यता-10वीं,12वीं, ग्रेज्युएट, आईटीआई एवं अन्य डिप्लोमा
लड़के/लड़कियां दोनों आवेदन कर सकते है
संपर्क करें
8432210177, 8087109101

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

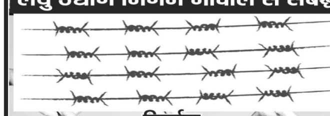

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

छोटा हाथी की ठोकर से 4 वर्षीय मासूम बच्ची घायल

बस स्टैंड में ऑटो और छोटे वाहक वाहकों की बढ़ रही है घुसपैठ, रात्रि में बनती है जाम की स्थिति

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय बस स्टैंड में ऑटो और छोटे माल वाहक वाहन की बढ़ती आवाजाही के चलते एक चार वर्षीय मासूम बच्ची, छोटा हाथी नामक वाहन की चपेट में आने से घायल हो गई। घायल बच्ची धान्या पिता धनराज बाहेश्वर 4 ग्राम बेलगांव थाना लालबर्रा निवासी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बेलगांव निवासी धनराज बाहेश्वर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में पत्नी मीना बाहेश्वर और तीन बेटी है। 26 जून को धनराज बाहेश्वर की पत्नी मीना बाहेश्वर अपनी तीन बेटी सुजल धान्या और भूमि को लेकर बेलगांव से बस में बैठकर अपनी बहन के घर उकवा जाने के लिए बालाघाट बस स्टैंड पहुंची थी। 12ः00 बजे करीब बालाघाट बस स्टैंड में मीना बाहेश्वर अपने तीन बच्चियों के साथ बस से उतरी और तीनों बच्चियों को लेकर वह उकवा जाने वाली बस तरफ जा रही थी। सुजल और धान्या दोनो हाथ पकड़ कर चल रहे थे। तभी वहा से तेज रफ्तार से गुजर रहे छोटा हाथी नामक वाहन ने धान्या को चपेट में ले लिया। छोटा हाथी की ठोकर से धान्या गिर गई और उसके बाएं पैर घुटने सर में चोटें आई। छोटा हाथी की ठोकर से घायल 4 वर्षीय मासूम बच्ची धान्या को उसकी मां मीना बाहेश्वर ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंची। जिला अस्पताल में इस मासूम बच्ची को भर्ती कर उसका इलाज किया जा रहा है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने घायल बच्ची धान्या की मां मीना बाहेश्वर का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

ज्ञात हो की इन दिनों स्थानीय बस स्टैंड में ऑटो और छोटे माल वाहक वाहनों की घुसपैठ के चलते यहां की यातायात व्यवस्था, अव्यवस्था में बदल चुकी है। जब चाहे तब बस स्टैंड में ऑटो और अन्य फोर व्हीलर वाहनो के घुसने के कारण यहा बस से उतरने, बस में चढ़ने और बस के लिए जाने वाले यात्रियों को परेशानी तो होती है किंतु ऐसे वाहनों से दुर्घटना होने की संभावना भी बनी रहती है। पिछले वर्षों में इस बस स्टैंड में ऑटो सहित अन्य फोर व्हीलर वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। किंतु अब ऐसे वाहन बेधड़क बस स्टैंड में घूमते देखे जा सकते हैं। रात्रि के समय बस स्टैंड में ऐसे वाहनों के प्रवेश होने पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। ऑटो चालक यात्रियों के लिए अपने ऑटो को बस के पास खड़ी कर देते हैं। जिसके कारण यहा से अन्य वाहन गुजर नहीं पाते और यातायात पूरा अवरोध हो जाता है। यह स्थिति प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात्रि 10 बजे तक देखी जा सकती है। यातायात पुलिस चौकी में कभी कभार ही पुलिस कर्मचारी देखे जाते हैं किंतु वे इस स्थिति को देखते हुए मूक दर्शक बने रहते हैं। पिछले वर्ष कलेक्टर और एस पी ने इस स्टैंड की व्यवस्था को सुधारने का भरकश प्रयास किये। किंतु सुधार नहीं हो पाया और अव्यवस्था का आलम छाया हुआ है। इसी अव्यवस्था का शिकार 26 जून को 12:00 बजे इस 4 वर्षीय मासूम बच्ची को होना पड़ा। घटना के बाद यह छोटा हाथी नामक वाहन फरार बताया जा रहा है।

11000 किलोवाट की विद्युत लाइन के संपर्क में आने से एक महिला विद्युत करेंट से झुलसी

विद्युत करेंट से झुलसी महिला जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोचेवाही में 11000 किलोवाट की विद्युत लाइन के संपर्क में आने से एक महिला झुलस गई। विद्युत करंट से झुलसी महिला गंगा पति अनिल नागेश्वर 27 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगा नागेश्वर घरेलू काम करती है। जिसका पति अनिल नागेश्वर मजदूरी करता है। जिनके दो बच्चे हैं बताया गया है कि गंगा नागेश्वर के घर के पीछे खेत बाड़ी के ऊपर से ही 11000 किलो वाट की विद्युत लाइन गई हुई है। 26 जून को सुबह गंगा नागेश्वर का पति अनिल नागेश्वर मजदूरी करने के लिए गया हुआ था। दोपहर 2:00 बजे करीब गंगा नागेश्वर अपने घर के पीछे खेत बाड़ी में साफ सफाई कर रही थी। तभी गंगा नागेश्वर को ऊपर से गुजरी 11000 किलो वाट की विद्युत लाइन ने खींच ली। नागेश्वर के विद्युत लाइन के संपर्क में आने से गांव में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर में धमाका होने के बाद डी ओ गिरने से विद्युत प्रवाह बंद होने पर गंगा नागेश्वर नीचे गिर गई। विद्युत करंट से गंगा नागेश्वर के दोनों हाथ की कलाई और दोनों पैर जांघ झुलस गए। यह भी बताया गया है कि गंगा नागेश्वर की दोनों हाथ की कलाई की चूड़ियां विद्युत करंट से कलाई में ही पिघल कर जल गई। विद्युत प्रभाव बंद होने के बाद गंगा नागेश्वर नीचे गिर गई और वह नीचे गिरी पड़ी हुई थी। जिसे अन्य लोगों ने उठाकर घर के अंदर ले गये खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और विद्युत करेंट से झुलसी गंगा नागेश्वर को वारासिवनी के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। विद्युत कर्मचारी से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि 11000 किलोवाट की

विद्युत लाइन गांव खेत से जरूर गुजरी हुई है। किंतु उनके नीचे काम करने वाले ग्रामीण कृषक उनके साथ में कभी ऐसी कोई दुर्घटना नहीं हो सकती। विद्युत लाइन से छेड़छाड़ करने पर ही ऐसी घटना हो सकती है। गंगा नागेश्वर को घर की बाड़ी में काम करते समय वहा से गुजरी 11000 किलो वाट की विद्युत लाइन से झुलसना बताया जा रहा है। वास्तविक घटना जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि वास्तव में गंगा नागेश्वर को 11000 किलोवाट की विद्युत लाइन ने ऊपर खींच या फिर विद्युत लाइन से छेड़छाड़ करते समय यह घटना हुई।

चांद के दीदार के साथ मोहर्रम माह की हुई शुरुआत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ईस्लामी साल का पहला महीना मोहर्रम कहलाता है। यह इस्लाम मजहब का वही महीना है जिसमें इंसाफ और इस्लाम धर्म को बचाने के लिए पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हसन हुसैन और उनके 72 जानिसारों ने कर्बला के मैदान में अपनी शहादत पेश की थी। जिन्होंने अपनी जानो को कुर्बान कर इस्लाम धर्म के सच्चे मायनो को पूरी दुनिया में पेश किया था।मैदान-ए-जंग में एहले इस्लाम की हिफाजत के लिए दी गई शहादत के बाद पूरी दुनिया में इस्लाम धर्म तेजी से फैला था।

उसी माहे मोहर्रम की शुरुआत गुरुवार शाम को चांद के दीदार के साथ हो गई। जहां मजहबी कैलेंडर के अनुसार इस्लाम धर्म का पहला महीना शुरू होने पर मुस्लिम धर्मावलम्बीयों द्वारा शहीदाने कर्बला की याद में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। जो उर्दू की 10 तारीख यानी यौमे आशूरा तक रोजाना चलते रहेंगे। वही मस्जिदों में हजरत इमाम हसन हुसैन और उनके 72 जानिसारो शहीदों की तकरीर सुनाई जाएगी। तो वही शाहिदाने कर्बला को याद कर घर-घर खिचड़ा शर्बत बनाकर उनको आम लोगों में तकसीम किया जाएगा। जिसकी शुरुआत गुरुवार शाम से नगर के बैहर रोड़ स्थित रजा नगर चौक में देखी गई। जहां युवाओं द्वारा इस्लामिक झंडा फहराकर राहगीरों को शरबत का वितरण किया गया।

रजा चौक में लहराया गया परचम, रहांगीरों को बांटा शरबत

उधर इस्लामी नया साल शुरू होते ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पर्व विशेष की खासी रौनके देखने को मिल रही है। जहां चांद के दीदार के साथ शुरू हुए इस्लामी नए साल मोहर्रम पर नगर के बैहर रोड स्थित रजा नगर चौक में युवाओं द्वारा धार्मिक झंडा फहराकर शाहिदाने कर्बला को याद किया गया। तो वही उनकी याद में राहगीरों को शरबत तक्सीम किया गया। गुरुवार की शाम से शुरू हुआ शरबत वितरण का यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा।जिसमें नौजवानों ने राह से गुजरने वाले राहगीरों को शरबत पिलाकर इस्लामी नए साल और इस्लाम के लिए दी गई कर्बला की कुर्बानी को याद किया।

यात्रियों की प्यास बुझाने नपा ने रखे पानी के मटके, उन मटको से कुत्ते (श्वान) बुझा रहे अपनी प्यास

नपा के जिम्मेदारो का व्यवस्था पर नहीं है ध्यान, मटको में मुंह डालकर पानी पीते नजर आए कुत्ते, सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ वायरल,लोगो ने जताई आपत्ति , बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।नगर के बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में इन दिनों भारी अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिल रहा है। जहां यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए नगर पालिका द्वारा रखे गए पानी के मटको से यात्रियों के साथ-साथ अब बस स्टैंड परिसर में घूमने वाले आवारा कुत्ते (स्वान) भी अपनी प्यास बुझाते हुए नजर आ रहे हैं। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि इसका एक वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जहां सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में यात्री प्रतीक्षालय के भीतर स्थित सूत्र सेवा बस कार्यालय के बाजू का दृश्य दिखाया गया है।जहां नगर पालिका द्वारा यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए रखे गए मटके में मुंह डालकर पानी पीता हुआ तीन श्वान(कुत्ते) नजर आ रहे है। यात्री प्रतीक्षालय के भीतर यह नजारा देख किसी ने, मटके में मुंह डालकर पानी पीते हुए 3 कुत्तों का वीडियो बना लिया ।जहा अलग अलग समय मे बनाए गए इन 3 वीडियो को सोशल मीडिया के व्हाट्सएप प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया। जहां सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरस होते ही यात्रियों सहित आम नागरिकों ने वायरल हुए इस वीडियो को लेकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं तो वहीं जिम्मेदारों का इस व्यवस्था पर ध्यान नहीं है कहकर व्यवस्थाओं में सुधार किए जाने की मांग की है।

नपा के कर्मचारी यात्रीयों के लिए मटको में भरते है पानी

हालांकि पूरे मामले को लेकर स्थानीय लोग प्रत्यक्षदर्शी के तौर पर कैमरे के सामने कुछ भी बताने के लिए तैयार नहीं है।लेकिन औपचारिक चर्चा के दौरान बताया गया कि नगर के बस स्टैंड स्थित पुराने यात्री प्रतीक्षालय के पास नगर पालिका द्वारा यहां पहुंचने वाले यात्रियों की प्यास बुझाने के लिए पानी के मटके रखे गए थे।ग्रीष्मकालीन मौसम में रखे गए इन मटको में

नगर पालिका के कर्मचारी आए दिन यात्रियों के लिए पानी भरकर रखते हैं। जहां से यात्री पानी पीकर अपनी प्यास बुझाते हैं लेकिन इन्हीं मटको से यात्रियों के साथ-साथ परिसर में घूमने वाले आवारा कुत्ते भी अक्सर अपनी प्यास बुझाते हुए नजर आते हैं। जहां किसी की रोक टोक ना होने के चलते नगर पालिका के यात्री प्रतीक्षालय में अक्सर यहां नजारा देखने को मिलता ही रहता है ।

शराब पीने के लिए ,शराबी भी लेते है यहां का पानी

औपचारिक चर्चा के दौरान स्थानीय जनों ने बताया कि केवल यात्री और आवारा श्वान ही नहीं बल्कि यहां रखे हुए मटको में भरा पानी का उपयोग असामाजिक तत्वों द्वारा शराब सेवन के लिए भी किया जाता है। लोग यहां आते हैं शराब के लिए इन्हीं मटको का पानी उपयोग करते हैं और शराब की बोतल इधर-उधर परिसर में छोड़ जाते हैं। किसी की देखरेख न होने के चलते ऐसे लोगों पर कार्यवाही भी नहीं होती। जिसके चलते यह सिलसिला काफी दिनों से चला आ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भीषण गर्मी खत्म हो चुकी है इसीलिए ज्यादातर यात्री यहां का पानी नहीं पीते हैं,लेकिन गर्मी के दिनों में ज्यादातर यात्री इन्हीं मटको से अपनी प्यास बुझाते हैं।जिनके साथ-साथ आवारा श्वान और शराब के शौकीन भी शराब पीने के लिए यही का पानी इस्तेमाल मिलते हैं।

सीएमओ से नही हो सका सम्पर्क

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो और कहीं जा रही विभिन्न बातों को लेकर जब हमने मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया से संपर्क करने की कोशिश की, तो नगर पालिका में उनसे मुलाकत नहीं हो सकी।वही दूरभाष पर संपर्क करने पर उन्होंने फोन कॉल रिसीव नहीं की।

पाइपलाइन के लिए खोदा गया गड्ढा बैहर रोड पर बन रहा दुर्घटना का कारण

राहगीरों ने कहा कभी भी हो सकती हैं। बड़ी दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय बैहर मार्ग पर अवंतीबाई चौक के आगे नगर पालिका द्वारा पाइपलाइन की मरम्मत के लिए एक गड्ढा खोदा गया था, जो इन दिनों यहां से आवागमन करने वालों के लिए दुर्घटना का कारण बन गया है ।इसको लेकर कांग्रेस जनप्रतिनिधियों ने भी आवाज उठाई है और बताया कि आए दिन यहां पर आवागमन करने वाले लोग इस गड्ढे के कारण दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं । कांग्रेसी नेता अनूपसिंह बैस ने बताया कि वह भी यहां से आवागमन के समय दुर्घटना का शिकार होते-होते बच गए हैं , वह चाहते हैं कि संबंधित विभाग इस पर तत्काल संज्ञान लेते हुए इस बीच रोड में बने गड्ढे को भरे । आपको बता दे कि बीते कुछ महीने पहले नगर पालिका द्वारा अवंतीबाई चौक के सामने बैहर रोड पर पाइपलाइन को ठीक करने के लिए एक बड़ा गड्ढा खोदा गया था, जिससे पाइपलाइन को ठीक करने के बाद पूरी तरह से गड्ढे को नहीं भरा गया , जिस कारण इन दिनों यहां से आवागमन करने वाले वाहन चालक इस गड्ढे के संपर्क में आने से दुर्घटना का शिकार होते जा रहे हैं। इसी विषय को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधि अनूप सिंह बैस ने भी इस गड्ढे की फोटो

सोशल मीडिया पर डाली थी और दूरभाष पर चर्चा के दौरान बताया कि वह भी यहां से आवागमन के समय इस गड्ढे के संपर्क में आ गए थे और दुर्घटना होने से बाल बाल बच गए । उन्होंने यह भी बताया कि उनके सामने ही कुछ राहगीर इस गड्ढे के संपर्क में आने से दुर्घटना के शिकार हुए थे, साथ ही यहां के स्थानीय निवासी बताते हैं कि यह गड्ढा बीते एक महीने से आवागमन करने वालों के लिए मुसीबत बन गया है। बीच रोड में गड्ढा होने से यहां से आवागमन करने वाले राहगीर इसके संपर्क में आ जाते हैं और जैसे ही इस गड्ढे से वह गुजरते हैं तो वाहन असंतुलित हो जाते हैं और लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं सभी यहां से आवागमन करने वाले राहगीर सहित स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि जिस प्रकार से इस गड्ढे को नगर पालिका ने पाइपलाइन ठीक करने के लिए बनाया था अब इस प्रकार इस गड्ढे को पूरी तरह भर देना चाहिये।

रात्रि में होती है दुर्घटनाए

यहां के स्थानीय निवासी बताते हैं कि दिन में तो यह गड्ढा आसानी से वाहन चालकों को दिखाई दे देता है किंतु रात्रि में यहां से आवागमन करने वाले वाहन चालकों को यह गड्ढा स्पष्ट दिखाई नहीं देता और यहां से आवागमन करने वाले दो पहिया और चौपहिया वाहन चालक इस गड्ढे के संपर्क में आ जाते हैं और सीधे इस गड्ढे से वाहन गुजरते ही दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं, इसके पहले भी रात्रि के समय कुछ दुर्घटनाएं यहां हुई है लेकिन अभी कोई बड़ा हादसा इस गड्ढे से नहीं हुआ है वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि ऐसा ही यह गड्ढा लंबे समय तक रहा तो बड़ी दुर्घटना से भी इनकार नहीं किया जा सकता ।

चिकन खाने का निमंत्रण नही देने पर एक व्यक्ति से की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक व्यक्ति ने चिकन खाने का निमंत्रण नहीं देने पर एक व्यक्ति को हाथबुक्के और हाथ में पहने कड़े से मार कर घायल कर दिया और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना 26 जून की रात्रि 9:00 बजे बालाघाट नगर के वार्ड नंबर 24 सुरभि नगर में हुई हुई। कोतवाली पुलिस ने दिलीप पिता महेश बगारे 43 वर्ष वार्ड नंबर 24 सुरभि नगर बालाघाट निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर मनीष पिता दिलीप भोंडे झुग्गी झोपड़ी बालाघाट निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरभि नगर निवासी दिलीप बगारे प्लंबर का काम करता है। दिलीप बगारे ने पूर्व में मनीष भोंडे से 300 रुपये उधार लिए थे। 25 जून की रात्रि 9:00 बजे दिलीप बगारे ने मनीष भोंडे को उसे उधार लिए 300 वापस किया था। मनीष भोंडे ने दिलीप बगारे से रुपये लेने के बाद बोला कि तूने अपने घर में चिकन बनाया है। फिर भी मुझे खाने के लिए निमंत्रण नहीं दे रहा है। तब दिलीप बगारे ने उसे बताया कि मेरे घर में मेहमान आए हैं।। इसलिए चिकन बनाये है। दिलीप बगारे के यह बोलते ही मनीष भोंडे आवेश में आ गया और वह दिलीप बगारे को अश्लील गालियां देने लगा। दिलीप बगारे ने उसे गालियां देने से मना किया तभी मनीष भोंडे ने दिलीप बगारे को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा, मनीष भोंडै ने हाथ में पहने लोहे ठोस कड़े से दिलीप बगारे को मारा जिससे उसके गर्दन में चोट आई और खून निकलने लगा।आवाज सुनकर दिलीप बगारे की पत्नी सरिता बगारे आई और बीच बचाव की तभी मनीष भोंडे ने जाते-जाते दिलीप बगारे को आइंद रुपये मांगे से जान से खत्म करने की धमकी दे दी।मारपीट में घायल दिलीप बगारे अपनी पत्नी सरिता बगारे के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने दिलीप बाग4 का इलाज मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर मनीष पिता दिलीप भोंडे झुग्गी झोपड़ी निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की आप में धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

दादागिरी दिखाने पर दो युवक ने एक व्यक्ति की कर दी पिटाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम अण्डीटोला में ज्यादा दादागिरी दिखाता है कह कर दो युवक ने एक व्यक्ति को हाथ बुक्के से मारपीट किये उसे उठा कर पटक दिए। और उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मंगलवार के 4:00 बजे यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। मलाजखंड पुलिस ने सुंदरसिह पिता चमर सिंह मेरावी 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर दिनेश उइके और समरत धुर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुंदरसिह मेरावी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। 24 जून की शाम 4:00 बजे करीब सुंदरसिह अपने घर के आंगन में खड़ा था ।उसी समय पड़ोस के समरत धुर्वे, दिनेशउइके उसके घर के सामने आए और सुंदर सिंह को रोड पर बुलाये। सुंदरसिह अपने घर के आंगन से सामने रोड पर चला गया था। तब दिनेश उइके और समरत धुर्वे ने सुंदर सिंह बोले बहुत दादागिरी करता है।यह कहकर दोनों उसे अश्लील गालियां देने लगे। सुंदरसिह ने उन्हें गाली देने से मना किया। तब दिनेश उइके और समरत धुर्वे ने मिलकर सुंदर सिंह को हाथ बुक्के से मारपीट किया और उठाकर जमीन पर पटक दिए। चिल्लाने के आवाज सुनकर पड़ोस के रमेश यादव और बबला राउत ने बीच बचाव किये। जिसके बाद समरत धुर्वे और दिनेश उइके सुंदरसिंह को ज्यादा दादागिरी बताने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चले गए। दोनों युवक के द्वारा की गई मारपीट में सुंदरसिह मेरावी के बाई आंख पीठ में चोटें आई। इसके बाद सुंदरसिंह मेरावी भी रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने सुंदरसिह मेरावी का इलाज बिरसा के अस्पताल में करवाया और प्रधान आरक्षक रामदयाल राहंगडाले ने सुंदरसिंह मेरावी द्वारा की गई रिपोर्ट पर दिनेश उइके और समरत धुर्वे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296,115(2), 351(3), 3(5) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

मिरेगांव में नियमों को ताक पर रखकर किया जा रहा डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण

कुएं के समीप ही खोद दिया गया है गड्ढा, कभी भी कुआं हो सकता है धराशायी, बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भू-जल पुनर्भरण के लिए एवं जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश सरकार के द्वारा डगवेल (रिचार्ज पीट) विधि अपना कर कुएं के समीप रिचार्ज पीट का निर्माण किया जा रहा है। जिससे कुएं में स्थाई जल स्त्रोत बना रहे और लोगों को पानी के लिए परेशान ना होना पड़े एवं जल स्तर बेहतर बना रहे हैं। इसी योजना के तहत जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों में डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण किया जा रहा है, जिससे कुएं का जल स्तर बढ़ाया जा सके और लोगों को इसका लाभ मिल सके। जिसके लिए शासन के द्वारा कुछ नियम तय किये गये है और इस योजना में ऐसे कुओं का चयन किया जाना है। जिनमें जल स्तर 10 मीटर से अधिक है और जो बारिश के बाद दिसंबर जनवरी तक जल युक्त रहते हैं। साथ ही मनरेगा अंतर्गत निर्मित कपिल धारा कुएं को भी इस योजना में सम्मिलित किया जाना है। रिचार्ज पीट फिल्टर का निर्माण कुएं से लगभग तीन मीटर की दूरी पर किया जाना है। जिसके लिए विशेष संरचना बनाई जायेगी, विभिन्न आकार के पत्थरों मोटी रेत की परत बिछाई जायेगी ताकि जल शुध्दिकरण हो सके एवं पाइपलाइन के माध्यम से पानी पहुंचाया जा सके। परंतु इस निर्माण कार्य में ग्राम पंचायत के उपयंत्रियों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा भारी लापरवाही बरती जा रही है और बिना मौके स्थल का निरीक्षण किये निर्माण कार्य को स्वीकृति देखकर उपयंत्री एवं सरपंच की मिली भगत से नियमों को ताक पर रखकर डगवेल (रिचार्ज पीट)

का निर्माण किया जा रहा है जो एक तरह से शासन की योजना को पलीता लगा रहा है। इसी तरह नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव में भी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत वार्ड नं. 4 स्थित सरकारी कुएं के समीप डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण पंचायत के द्वारा करवाया जा रहा है। जिसके लिए कुएं के समीप गड्ढा खोद दिया गया है किन्तु डगवेल का निर्माण कार्य प्रारंभ नही किया गया है। जिसके कारण कुएं के समीप खोदे गये गड्ढे में बारिश का पानी जमा हो रहा है। साथ ही कुआं भी कमजोर हो रहा है। जबकि इस सरकारी पुराने कुएं से वार्ड नं. 4 एवं 5 के निवासरत लोग पानी का उपयोग करते है। कुएं से पानी ले जाते समय डगवेल (रिचार्ज पीट) बनाने के लिए खोदे गये गड्ढे में अनियंत्रित होकर गिरते है तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं कुएं के समीप विगत दिवस से पंचायत के द्वारा डगवेल (रिचार्ज पीट) निर्माण के लिए गड्ढा खोद कर रख दिया गया है लेकिन निर्माण नही किया जा रहा है। जिसके कारण वार्डवासी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि डगवेल का निर्माण कुएं से 3 मीटर दुर होना चाहिए किन्तु मिरेगांव में कुएं के समीप ही बनाया जा रहा है जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। मिरेगांव के वार्ड नं. 4 एवं 5 के ग्रामीणजनों ने गड्ढे को भरवाकर कुएं से दुर डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण तीव्र गति से करवाने की मांग की है।

मिरेगांव रोजगार सहायक श्रीमती सुलोचना बिसेन ने बताया कि मिरेगांव के वार्ड नं. 4 में कुएं के समीप डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिसका कार्य जल्द पूर्ण कर दिया जायेगा।

दूरभाष पर चर्चा में जनपद पंचायत के एपीओं रूपेश इवने ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुएं के जल स्त्रोत को बनाये रखने के लिए कुएं से कुछ दुरी पर डगवेल (रिचार्ज पीट) का निर्माण पंचायतों के द्वारा करवाये जा रहे है। आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि मिरेगांव में कुएं से समीप डगवेल का निर्माण हेतु विगत दिवस गड्डा खोदकर रख दिया गया है, जिससे वार्डवासियों को परेशानी हो रही है तो जल्द ही स्थल का निरीक्षण कर स्थान परिवर्तित करवाकर तीव्र गति व गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाया जायेगा।

दूषित हो रहा है कुएं का पानी - इंकार

ग्रामीण इंकार भेलावे ने बताया कि पंचायत के द्वारा पुराने शासकीय कुएं के समीप एक बड़ा सा गड्ढा खोद दिया गया है जिसमें गांव की गंदी नालियों का पानी जमा हो रहा है और इस गंदे का पानी का रिसाव कुएं में होने से पानी दूषित हो रहा है जिसकी वजह से लोगों के द्वारा इस कुएं के पानी का उपयोग नहीं किया जा रहा है। जिससे वार्ड वासियों को

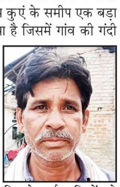

बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि कुएं से सटकर ही बडा सा गड्ढा खोदा गया है जिससे कुएं की पुरानी दीवार पानी जमा होने के कारण कमजोर हो रही है जिसकी वजह से कभी भी कुएं के धसकने का डर भी बना हुआ है। हमारी मांग है कि जो गड्ढा खोदा गया है उसे बंद करके अन्य स्थान पर निर्माण कार्य किया जाये।

ग्रामीणों की सहमति के बिना किया जा रहा है निर्माण कार्य - प्रकाश

पंच प्रकाश बघेल ने बताया कि शासन के द्वारा वार्ड में पानी की समस्या को दूर करने के लिये कई वर्षो पूर्व एक शासकीय कुएं का निर्माण किया गया था जिसके समीप में वर्तमान में पंचायत के द्वारा गड्ढा खोदकर सोखपीट का निर्माण किया जा रहा है जिसमें वार्ड की गंदी नालियों का पानी जमा हो रहा है जिसके चलते कुंए का पानी पूरी तरह से दूषित हो चुका है और वार्डवासियों के द्वारा इसका उपयोग करना पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। साथ ही यह भी बताया कि ग्रामीणों की बिना सहमति के देर रात्रि में यह गड्ढा खोदकर निर्माण कार्य किया जा रहा है जिससे वार्डवासियों में आक्रोश व्याप्त है और इस समस्या से वार्डवासियों को बेहद समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन के द्वारा इस मामला का संज्ञान लेकर कुएं की साफ सफाई करवाकर अन्य स्थान पर इस सोखपीट का निर्माण किया जाना चाहिये।

शासकीय महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत पखवाडा के अन्र्तगत विद्यार्थियों की दिलायी गई शपथ

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय में स्थित शासकीय महाविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत पखवाडा के अन्तर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्र'वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत के निर्देशन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र खंडायत ने कहा कि एक नशा मुक्त समाज का निर्माण, सामाजिक चेतना एवं सामाजिक जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके। जिसके तहत प्राचार्य श्री खंडायत के द्वारा छात्र-छात्राओं को शपथ दिलायी गई। डॉ. संगीता मेश्राम सहायक प्राध्यापक के द्वारा विद्यार्थियों को नशे के प्रति जागरूक रहने की बात कही। तत्पश्चात् एन.एन.एस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे द्वारा नशे के दुष्प्रभाव एवं उससे होने वाली बिमारियों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन संदीप चौरसिया और आभार प्रदर्शन डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या परते, मनीष

शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. क्रांति जैन, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, कु. सोनम हरिनखेड़े, प्रसिक हुमनेकर, निशांत तरवरे, इकबाल खान सहित महाविद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय योगदान रहा।

खबर प्रकाशन के बाद रमपुरी पंचायत में स्थानापन्न सरपंच की प्रक्रिया के लिए जारी हुए आदेश

सरपंच कन्हैयालाल राहंगडाले का इस्तीफा हुआ स्वीकार, स्थानापन्न सरपंच की चयन प्रक्रिया 28 को

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रमपुरी में निर्वाचित सरपंच कन्हैयालाल राहंगडाले की शिक्षा विभाग में नौकरी लगने के बाद उन्होने डेढ माह पूर्व 5 मई 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और सरकरी नौकरी ज्वाइन कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी लालबर्रा को अपना इस्तीफा देकर कार्य से मुक्त हो गये थे। जिसके बाद से रमपुरी पंचायत में सरपंच का पद खाली हो चुका है, लेकिन उनके स्थान पर स्थानापन्न सरपंच के निर्वाचन की प्रक्रिया नही होने के कारण शासन की विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करने में सचिव एवं पंचायत बॉडी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में रमपुरी में सरपंच नही होने से शासन की योजनाओं का नही हो रहा क्रियान्वयन नामक शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जिला प्रशासन ने इस मामले का संज्ञान लेकर तत्परता से कार्यवाही करते हुए 24 जून को सरपंच कन्हैयालाल राहंगडाले का इस्तीफा स्वीकार करने का पत्न जारी किया गया एवं 25 जून को पत्न जारी कर ग्राम पंचायत रमपुरी में स्थानापन्न सरपंच के चयन की के तहत नियमानुसार स्थानापन्न सरपंच चयन की कार्यवाही की जायेगी। इस तरह से अब

कार्यवाही करने जनपद पंचायत लालबर्रा सीईओं को निर्देशित किया गया है। वहीं जनपद पंचायत लालबर्रा के द्वारा पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा (38 (1) (ख) में दिये गये प्रावधानों 28 जून को ग्राम पंचायत रमपुरी में स्थानापन्न सरपंच चयन की कार्यवाही होगी। रमपुरी पंचायत में डेढ़ माह बाद स्थानापन्न सरपंच का चुनाव हो जाने के बाद पंचायत को नया सरपंच मिल जायेगा, जिससे विगत दिवस से सरपंच के अभाव में आ रही समस्या से ग्रामीणजनों को निजात मिल जायेगी और लंबित भुगतान होगे एवं अन्य विकाय कार्य को गति मिलेगी।

दूरभाष पर चर्चा में खण्ड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी ने बताया कि रमपुरी पंचायत के सरपंच कन्हैयालाल राहंगडाले को शिक्षा विभाग में नौकरी लग जाने से उन्होने 5 मई को सरपंच पद से इस्तीफा देकर कार्य मुक्त हो गये थे। जिसके बाद से सरपंच का पद खाली था एवं जनपद पंचायत लालबर्रा के द्वारा जिला पंचायत बालाघाट को रमपुरी पंचायत में सरपंच का पद खाली होने एवं स्थानापन्न सरपंच नियुक्त किये जाने हेतु पत्न प्रेषित कर दिया गया था। श्री सोनवंशी ने बताया कि जिला पंचायत से मिले आदेशानुसार 28 जून को ग्राम पंचायत रमपुरी में पंचों की बैठक आयोजित कर स्थानापन्न सरपंच चयन प्रक्रिया की कार्यवाही की जायेगी।

पंचायत की उदासीनता के चलते मवेशी बाजार चावड़ी का भवन हो रहा खण्डहर

ग्रामीण एवं जागरूक नागरिकों ने जीर्णर्शीर्ण भवन की देख-रेख एवं मरम्मत करवाने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम के शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पीछे, जल शोधन संयंत्र केन्द्र के समीप मोहगांव (जाम) पहुंच मार्ग किनारे विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की लागत से मवेशी बाजार चावड़ी भवन का निर्माण करवाया गया है। लेकिन पंचायत की उदासीनता एवं देख-रेख के अभाव में यह भवन खण्डहर में तब्दील होने लगा है। वहीं यह भवन शराबियों का अड्डा बना चुका है, साथ ही शनिवार के दिन मवेशी बाजार लगने पर मवेशी बाजार में रशीद काटने ठेकेदार एवं अन्य कर्मचारियों को भवन में कूड़ा-करकट वं गंदगी होने के कारण इस भवन में बैठने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समय रहते शासकीय भवन की देख-रेख एवं मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो लाखों रूपयों की लागत से बना भवन जीर्णशीर्ण होने के साथ ही क्षतिग्रस्त हो जायेगा। इस तरह से पंचायत की उदासीनता व देखरेख के अभाव में मवेशी बाजार चावड़ी का भवन खण्डहर होने लगा है और भवन औचित्यहीन साबित हो रहा है। ग्रामीणजन एवं जागरूक नागरिकों ने पंचायत से इस मवेशी बाजार चावड़ी भवन की देख-रेख एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है।

आपको बता दे कि ग्राम पंचायत जाम

मामला - ग्राम पंचायत जाम के मवेशी बाजार चावड़ी भवन का

स्थित जल शोधन संयंत्र केन्द्र के समीप मोहगांव (जाम) पहुंच मार्ग खेल मैदान के समीप विगत वर्ष पूर्व लाखों रूपयों की

लागत से मवेशी बाजार चावड़ी भवन का निर्माण करवाया गया है ताकि मवेशी बाजार लगने पर ठेकेदार व पंचायत के कर्मचारी उक्त भवन में बैठकर रशीद काटने का कार्य कर सके और प्रत्येक शनिवार को मवेशी बाजार भी लगता है। लेकिन देख-रेख के अभाव में लाखों रूपयों की लागत से भवन जीर्णशीर्ण होने लगा है। साथ ही भवन एकांत (सूनसान) स्थान पर होने के कारण शराबियों का अड्डा भी बन चुका है। वहीं भवन की देख-रेख नही होने के कारण खिड़की, दरवाजे टुट-फुट चुके है एवं भवन के अंदर शराब के बाटल सहित अन्य अपशिष्ट सामग्री व कुड़ा-करकट जमा हो चुका है जिसकी लंबे समय से साफ-सफाई भी नही करवाई गई है। जिसके कारण भवन के अंदर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ऐसी स्थिति में शनिवार के दिन मवेशी बाजार लगने पर जब मवेशी ठेकेदार व अन्य कर्मचारी मवेशी विक्रय/क्रय की रशीद काटने बैठते है तो उन्हे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि लंबे समय से ग्रामीणजन एवं राहगीरों के द्वारा पंचायत से मवेशी बाजार चावड़ी भवन की देख-रेख, साफ-सफाई एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग कर रहे लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण लाखों रूपयों की लागत से बना जीर्णशीर्ण होने लगा है। साथ ही यह मवेशी बाजार चावड़ी का भवन सुनसान क्षेत्र में स्थित है जिसके कारण यह शराबियों का अड्डा बन चुका है जिसके अंदर बैठकर शराब पीते है और भवन के अंदर शराब की बोतल, अपशिष्ट पदार्थ पड़ें है और दरवाजा, खिड़की, गेट भी जगह-जगह टूट चुके हैं जिसका मरम्मत कार्य ग्राम पंचायत के द्वारा नहीं करवाया जा रहा है और ना ही इसकी देख-रेख की जा रही है। जिसके कारण यह भवन पूरी तरह से औचित्यहीन दिखाई दे रहा है।

दूरभाष पर चर्चा में जाम सरपंच सुरेन्द्र बनोले ने बताया कि जाम के जल शोधन संयंत्र केन्द्र के समीप मोहगांव जाम पहुंच मार्ग किनारे मवेशी बाजार चावड़ी भवन का निर्माण विगत वर्ष करवाया गया है। लेकिन मवेशी बाजार में मवेशी बेचने के लिए बहुत कम लोग आते है और सूनसान स्थान पर होने के कारण असामाजिक तत्व भवन की खिड़की व दरवाजों में तोड़-फोड़ कर रहे है। जल्द ही भवन की साफ-सफाई करवाकर मरम्मत कार्य करवाया जायेगा।

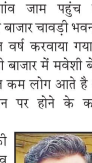

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर

विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर दीप ज्योति नशा मुक्ति एवं पुर्नवास केन्द्र भटेरा चौकी में विधिक साक्षरता एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग से डॉ. भूपेन्द्र सिंह उइके, नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक अंकित ऐड़े एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के सचिव, सतीष शर्मा एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे द्वारा नशा पीड़ितों से चर्चा कर उनकी समस्या सुनी एवं नालसा नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवा योजना 2015 के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही नशे के दुष्परिणामों के संबंध में भी अवगत कराया गया और नशे से दूर रहने का शपथ भी दिलाई गई। आयुष विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें समस्त नशा पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

दो पक्षों के विवाद में समझाइस देना लोकेश को पड़ा भारी

रविंद्र टेंभरे ने लोकेश पारधी के पेट में गोदा चाकू, आरोपी गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरमाड़ी में २५ जून की रात उस समय दो पक्षों के विवाद में लोकेश पारधी को समझाइए देना भारी पड़ गया। जब विवाद कर रहे दो पक्षों में से एक रविंद्र टेंभरे के द्वारा लोकेश पारधी के पेट में चाकू गोद दिया गया। यह घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई घटना की जानकारी लगते ही ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। वहीं पुलिस के भी द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर घायल को तत्काल संजीवनी १०८ पायलेट स्माइल खान, ईएमटी गजेंद्र पंजरे की मदद से सिविल अस्पताल वारासिवनी में रात करीब १०.३० बजे लाया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा उसका प्राथमिक उपचार कर जिला चिकित्सालय बेहतर इलाज के लिए रिफर कर दिया जहाँ से उसे गोंदिया रिफर कर दिया गया। वहीं पुलिस के द्वारा मामले में जांच प्रारंभ कर आरोपी की गिरफ्तारी कर पूछताछ की जा रही हैं।

रविन्द्र और महेश के बीच था विवाद

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मुरमाड़ी निवासी नानू उफ रविन्द्र टेंभरे एवं महेश केकडे दोनों के मध्य किसी विषय को लेकर २५ जून की रात करीब ७ बजे ग्राम के चौक में विवाद प्रारंभ हो गया। जहां पर दोनों एक दूसरे को अश्लील गाली गलौज और अन्य प्रकार से उलाहना दे रहे थे। तभी लोकेश पिता गेन्दलाल पारधी उम्र ४१ वर्ष मुरमाड़ी निवासी के द्वारा यह विवाद देखकर दोनों पक्ष को समझाइए देने के लिए उनके बीच गए। दोनों को शांत रहकर अपने कार्यों पर ध्यान देने की अपील करते हुए विवाद का निपटारा करने का प्रयास किया जाता रहा। परंतु उक्त दोनों व्यक्ति एक दूसरे पर जमकर आक्रोश व्यक्त करते रहे। इसी बीच लोकेश लगातार समझाइए देने का प्रयास कर रहा था। तभी अचानक राजेंद्र टेंभरे के द्वारा धारदार हथियार चाकू से लोकेश पारधी पर हमला कर दिया गया। जिसमें वह धारदार हथियार चाकू लोकेश के पेट के नीचे गोद दिया गया। इसके बाद ग्राम में चारों तरफ चीख पुकार मच गई और घटना की जानकारी लगते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। जिनके द्वारा घटना की जानकारी तत्काल रामपायली पुलिस को दी गई । जिसमें पुलिस के द्वारा संजीवनी १०८ की मदद से तत्काल घायल लोकेश पारधी को सिविल अस्पताल वारासिवनी भेज दिया गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार कर गंभीर चोट होने से उसे तत्काल जिला चिकित्सालय बेहतर उपचार के लिए रिफर किया वहां से उसे गोंदिया महाराष्ट्र भेज दिया गया। इस दौरान घटना में लोगों के द्वारा करीब ३ इंची चाकू पेट के अंदर गोदने की बात कही जा रही है। हालांकि पुलिस के द्वारा मामले में कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। पुलिस ने इस घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद कर फरार आरोपी राजेंद्र टेंभरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिससे मामले में पूछताछ की जा रही है वहीं घायल का का उपचार गोंदिया में जारी है।

मेरा पति दोनो पक्षों को समझाने गया था इसी दौरान चाकू मार दिया-ओमेश्वरी पारधी

घायल की पत्नी ओमेश्वरी पारधी ने बताया कि हम मुरमाड़ी के रहने वाले हैं घायल मेरे पति है। केकडे और टेंभरे का झगड़ा हो रहा था तो मेरे पति उन्हें छुड़ाने गए थे तो इन्हें उन्होंने चाकू मार कर घायल कर दिया और मौके से वह भाग गया। रविंद्र टेंभरे ने चाकू मारा है यह घटना रात करीब ८ बजे की है। उनका झगड़ा किस बात को लेकर हो रहा था इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है। महेश केकड़े के साथ वह लड़ाई कर रहा था इसी बीच उसने चाकू मार दिया।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि घटना के बाद से फरार आरोपी रविंद्र टेंभरे को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी ग्राम के खेतों के तरफ से की गई है जहां वह मोटरसाइकिल से भाग रहा था। जिससे पूछताछ उपरांत उसे न्यायालय पेश किया जाएगा। घटना में घायल व्यक्ति का सुबह ऑपरेशन हुआ है इसके बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुंडेसरा का किया गया वर्चुअल एनक्यूएएस निरीक्षण

एनक्यूएएस सर्टिफाईड के बाद समुदाय को सुलभ, उच्च गुणवत्ता, व्यापक एवं प्राथमिक सेवाएं प्रदान की जाएगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व किरनापुर कार्तिकेय जायसवाल के दिशा निर्देशन में 25 जून को विकासखण्ड किरनापुर अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केंद्र मुंडेसरा का भारत सरकार के केन्द्रीय दल द्वारा नेशनल क्वॉलिटी एश्योरेंशन स्टेण्डर्ड (एन.क्यू.ए.एस) वर्चुअल निरीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.परेश उपलप ने बताया कि केन्द्रीय दल में भारत सरकार के नेशनल असेसर डॉ. भुवन स्वरूप पंकज एवं डॉ सचेन्द्र राज शामिल थे। वर्चुअल निरीक्षण में राष्ट्रीय कार्यक्रम अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं गर्भावस्था एवं प्रसव देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल, बाल्य एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं, संक्रामक रोग प्रबंधन, असंचारी रोगों की रोकथाम नियंत्रण एवं प्रबंधन, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन इत्यादि का परीक्षण किया गया था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि भारत सरकार द्वारा संस्था को एनक्यूएएस सर्टिफाईड किए जाने से समुदाय को सुलभ उच्च गुणवत्ता व्यापक प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान की जा सकेगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपस्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत समुदाय के सभी वर्गों के लिए नि:शुल्क व्यापक गुणवत्ता पूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। एनक्यूएएस क्वालीफाईड होने के पश्चात संस्था को 01 लाख 26 हजार रूपए की राशि प्रतिवर्ष प्राप्त होगी।

जिससे संस्था को एनक्यूएएस करने एवं सहयोग करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन के रूप में 25 प्रतिशत राशि प्रदाय की जाएगी। सीएमएचओ डॉ. उपलप ने बताया कि संस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूनम मानेश्वर, एएनएम श्रीमती नम्रता मेश्राम, आशा कार्यकर्ता ज्योति तिवारी, अन्नु धुवारे, कमलेश्वरी वराडे, पदस्थ है। संस्था के अंतर्गत ग्राम मुडेसरा, बम्हनगांव एवं टीमकीटोला का समावेश है। संस्था का राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार कराने में सीएमएचओ डॉ.परेश उपलप, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, प्रभारी सीपीएचसी सलाहकार राजाराम चक्रवर्ती, बीएमओ डॉ वर्ष चौबे, जिला क्वालिटी नोडल डॉ.पंकज महाजन का आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुंडेसरा के एनक्यूएएस की तैयारी के लिए मार्गदर्शन, जिला क्वालिटी मेंटर विनोद कामडे और सीएचओ मेंटर ज्योति रहांगडाले, वर्षा वल्के, रजनी नागफासे, सिंधेश्वरी पांचे, शांता खरे, महिमा टेम्भरे, सुनिल पांचे, रीमा भगत, सीमा कबीरे, गुरू बम्बुरे, बीसीएम संतोष सोनेकर, चंद्रप्रभा मड़ामे बीईई, होमेन्द्र क्षीरसागर, नितीन मेंढेकर एवं कार्यलयीन कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

खाद के संकट से जूझ रहा किसान

किसान आक्रोशित सोसायटी मरफेट मार्केटिंग के लगा रहे चक्कर

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र में रासायनिक उर्वरक रूपी खाद का संकट उत्पन्न हो गया है। जिसके कारण खेती कार्य बुरी तरह प्रभावित होता नजर आ रहा है वहीं किसानों के द्वारा लगातार हर उस संस्थान का चक्कर लगाया जा रहा है जहां पर उसे खाद उपलब्ध हो सकता है। किंतु सभी जगह से उसे केवल निराशा ही हाथ लग रही है । ऐसे में किसानों के अंदर काफी आक्रोश व्याप्त है कि खरीफ की फसल की रोपाई प्रारंभ होना है । किंतु उनके पास खाद उपलब्ध नहीं है और ना ही किसी संस्था के द्वारा उन्हें उपलब्ध कराया गया है। वहीं खाद प्राप्त होने की संभावना भी नहीं बताई जा रही है जिससे किसान काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। जिनके द्वारा शासन प्रशासन से यथाशीघ्र खाद की व्यवस्था करने की मांग की जा रही है। ताकि वह अपना खेती कार्य बिना किसी रोक टोक के संचालित कर सके।

खाद की किल्लत से किसान चिंतित

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते कुछ दिनों पहले ही बारिश का मौसम प्रारंभ हो गया है। ऐसे में क्षेत्र के किसानों के द्वारा खरीफ की खेती कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। जिनके द्वारा रोपाई की जानी है ताकि अच्छी फसल लगाकर उत्पादन ले सके इसके लिए वर्तमान में किसानों को खाद की अत्यंत जरूरत है। जिसके लिए लगातार किसानों के द्वारा अपनी और आसपास की सभी सोसाइटी के साथ नकद खरीदी करने मरफेट और मार्केटिंग जैसे स्थानों पर भी चक्कर लगाए जा रहे हैं। परंतु सभी जगह से निराशा ही हाथ लग रही है जिससे वह काफी चिंतित नजर आ रहे हैं क्योंकि खरीफ की फसल लगाने का समय आ गया है। समस्त तैयारी हो गई है अब निर्धारित कार्यों के तहत उन्हें कार्य करना है ऐसे में किसी को भी डीएपी खाद या २०२००१३ खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इसमें बताया जा रहा है कि यह खाद पूरे जिले में ही नहीं है जिसकी डिमांड भेज दी गई है। किंतु शासन से कब तक और कितनी मात्र प्राप्त होती है इसकी कोई संभावना नहीं है। ऐसे में किसानो के चेहरे पर मायूसी के साथ उदासी और चिंता की लकीरें स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है कि वह कितने मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान लोगों को दूसरे ब्लॉक में भी पतासाजी करनी पड़ रही है। विदित है कि खरीफ की फसल में लोगों के द्वारा बुवाई और रोपाई का कार्य किया जाना है । जिसके लिए डीएपी खाद या उसके समक्ष खाद की किसानों को नितांत आवश्यकता है। यदि समय रहते और जल्द यह खाद किसानों को प्राप्त नहीं हुई तो फसल पर नुकसान होने या असर पड़ने की बात उनके द्वारा कही जा रही है। ऐसे में वह अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए शासन प्रसाशन से जल्द खाद की किल्लत को खत्म कर उन्हें खाद उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

खाद की समस्या से परेशान है क्षेत्र के किसान-भैयालाल चौधरी

किसान भैयालाल चौधरी ने बताया कि हम वारासिवनी सोसाइटी में खाद लेने के लिए आए हुए थे। यहीं से हमारा काम होता है इसके लिए हम खाद लेने आए थे परंतु यहां पर खाद नहीं है बताया जा रहा है।

इसके अलावा दूसरे स्थान पर भी हमारे द्वारा पता किया गया परंतु वहां भी खाद की व्यवस्था नहीं होना बताया जा रहा है। अभी जब किसान का जरूरी समय है ऐसे में यह खाद का संकट खड़ा हुआ है । हर किसान को डीएपी या उसके समक्ष होने वाली खाद एवं यूरिया की जरूरत है। बाजार में भी यह उपलब्ध नहीं है और किसानों को बहुत जरूरत है १० दिन हुआ है हमने खेती कार्य प्रारंभ किया हैं अब हमें रोपाई करना है जिसमें डालने के लिए खाद चाहिए। जिसके लिए अब हमें इंतजार करना पड़ेगा यदि ज्यादा लेट होते हैं तो समस्या होगी इसलिए खाद मिलना चाहिए और जल्द वितरण की जानी चाहिए।

समय पर खाद नही मिली तो किसानों को होगा भारी नुकसान-मिथनलाल शरणागत

मिथनलाल शरणागत ने बताया कि हम यहां पर सोडा लेने के लिए आए हुए हैं डीएपी और यूरिया की हमें सख्त जरूरत है। परंतु यहां मार्केटिंग सोसाइटी में अभी स्टाक में नहीं होना बताया जा रहा है और यह कब तक उपलब्ध हो पाएगा इसकी संभावना भी नहीं बताई जा रही है। कब तक यह आएगा यह देखने के लिए चक्कर लगाने पड़ेंगे यहां पर यूरिया है डीएपी नहीं है। हमें दोनों चाहिए हम लालबर्रा क्षेत्र के रहने वाले हैं हमारे द्वारा अपने क्षेत्र में भी पता किया गया परंतु वहां भी डीएपी नहीं है और कब आएगा इसकी कोई गारंटी नहीं है। दो दिन से हम विभिन्न स्थानों के चक्कर लगा रहे हैं क्योंकि अभी हमें रोपाई करना है कीचड़ में डालना है यदि १५ दिन से ज्यादा का समय यदि लगता है तो नुकसान होगा। यह एक पद्धति के अनुसार चलने वाला कार्य है जिसमें दो.चार दिन का आगे पीछे चलता है परंतु ज्यादा लेट नहीं होना चाहिए उससे ग्रोथ मार खाती है। हम चाहते हैं कि सभी जगह खाद की पूर्ति की जाए ताकि हमें और हमारे जैसे किसानों को समय रहते खाद उपलब्ध हो सके।

खाद की अफरा तफरी होने के कारण किसानों को नही मिल रही खाद-सुभाष पारधी

किसान मजदूर महासंघ अध्यक्ष सुभाष पारधी ने बताया कि मेरे द्वारा विभिन्न सोसाइटियों का दौरा किया गया तो देखा कि समिति में बहुत कम खाद है। किसानों को खाद नहीं मिल रहा है जबकि किसानों का अभी मुख्य काम खाद का है। क्योंकि बुवाई कुछ स्थानों पर हो गई है उनकी अब रोपाई चालू होना है और यह बीते कुछ महीनो से खाद नहीं आ रहा है। डीएपी नहीं मिलने पर लोग दूसरे खाद डाल रहे हैं जबकि किसानों के लिए खाद की व्यवस्था होनी चाहिए परंतु यहां कोई भी सोसाइटी में खाद नहीं है। हर किसी को डीएपी चाहिए वह जिले में आया था एक रैक लगी थी कुछ लोगों को मिला भी । परंतु ऐसा लग रहा है कि यह खाद की अब अफरा तफरी हो रही है। डीएपी की जगह उसका सब्सीट्यूट दे रहे हैं जिससे लोग ठगा महसूस कर रहे हैं। फसल भी प्रभावित हो रही है मैं खुद किसान हूं करीब २५ एकड़ मेरी जमीन है मैंने फर्क महसूस किया है। अभी तत्काल रोपाई के लिए डीएपी वह अन्य खाद की आपूर्ति शासन प्रशासन को करनी चाहिए।

फॉर्मर रजिस्ट्री बनाने 27 जून को प्रत्येक ग्राम पंचायत में लगेंगे शिविर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ लेने के लिये किसान की फॉर्मर रजिस्ट्री होना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री नहीं होने पर किसान को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। माह जून 2025 की पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये किसान की फॉर्मर आईडी का होना अनिवार्य होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में राजस्व विभाग व कृषि विभाग के निर्देशन के परिपालन में 27 जून को जिले की सभी तहसीलों की प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविरों का आयोजन किया जायेगा। कलेक्टर मृणाल मीणा ने सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि 27 जून को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में किसानों की फॉर्मर आईडी बनाने के लिये शिविर आयोजित करें। इन शिविरों के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये गांवों में मुनादी कराने के निर्देश दिये गए है। प्रत्येक शिविर में पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सहकारी समिति के कर्मचारी, ग्राम कोटवार, सर्वेयर की टीम को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिये गए है। फार्मर आईडी बनाये जाने के लिये शेष सभी हितग्राहियों की जानकारी गूगल शीट के माध्यम से उपलब्ध कराने कहा गया है। जिसमे शतप्रतिशत जानकारी दर्ज करना होगा। 27 जून प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रात: 08 बजे से दोपहर 02 बजे एवं अपरान्ह 4 बजे से शाम 6 बजे तक फॉर्मर रजिस्ट्री, के लिये विशेष कैंप आयोजित किये जाएंगे। जिले के किसानों से अपील की गई है कि यदि उनकी फॉर्मर आईडी अब तक नहीं बन पायी है तो 27 जून को उनके ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में जाकर अपनी फार्मर आईडी अवश्य बनवाए।

कोबरा बटालियन के स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। दिनांक 25 जून 2025 को बड़गाँव, किरनापुर, बालाघाट (मध्यप्रदेश) में तैनात 208 कोबरा बटालियन ने अपना 15 वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया ।इस दौरान श्री प्रमोद कुमार चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी, 208 कोबरा, बटालियन के अन्य अधिकारियों एवं जवानों द्वारा सर्वप्रथम शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बटालियन के उन 08 बहादुर जवानों को याद किया गया जिन्होने नक्सलियों से मुठभेड़ में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इसके पश्चात द्वितीय कमान अधिकारी, 208 कोबरा द्वारा यूनिट गार्ड का निरीक्षण किया गया ।इस अवसर पर प्रमोद कुमार चौधरी, द्वितीय कमान अधिकारी, 208 कोबरा बटालियन द्वारा बटालियन की उपलब्धियों का वर्णन करते हुए बताया कि 208 कोबरा को अपनी शानदार परिचालनिक सफलताओं के फलस्वरूप अब तक कुल 23 वीरता पदक, 35 पराक्रम पदक एवं 302 महानिदेशक डिस्क प्रदान किये गये हैं, जो कि बटालियन के गौरवमयी इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। इसके अतिरिक्त महोदय ने वर्तमान परिपेक्ष्य में घटित होने वाली घटनाओं एवं परिस्थितियों का जिक्र करते हुए जवानों को ड्यूटी के दौरान सक्रिय और अनुशासित रहने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे विश्व के मानसपटल पर बल द्वारा स्थापित कीर्तिमान में दिनोत्तर बढ़ोत्तरी हो सके तथा यह सिलसिला एक नित और नए आयाम के साथ परिभाषित होता रहे। वाहिनी के स्थापना दिवस के अवसर पर वाहिनी मुख्यालय में विशेष सैनिक सम्मेलन एवं विभिन्न प्रकार की खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। शाम को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बड़ा खाना आयोजन किया गया, जिसमें हजारी लाल, द्वितीय कमान अधिकारी, 123 बटालियान के.रि.पु.बल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उक्त आयोजन में बटालियान के अधिकारियों, जवानों, महिलाओं एवं बच्चों द्वारा बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

जल संरक्षण को समर्पित रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जल गंगा जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा में 25 जून 2025 को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक प्रतियोगिता में विद्यालय के 30 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामूहिक एवं एकल रूप से रंगोली बनाकर जल संरक्षण को लेकर सशक्त संदेश देने का प्रयास किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था, बल्कि उन्हें जल संवर्धन के प्रति जागरूक करना भी था। छात्र-छात्राओं ने अपनी रंगोलियों में जल ही जीवन है, पानी बचाओ, भविष्य बचाओ, गंगा को स्वच्छ रखें, बूँद-बूँद से सागर बनता है जैसे प्रभावशाली संदेशों का चित्रों के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षको ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। यह आयोजन जल गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत स्थानीय स्तर पर जनजागरूकता फैलाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ है। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करते रहने का संकल्प लिया।

देश की एकता व अखंडता के लिये खतरनाक है भाषाई विवाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्री बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्राय: अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं ? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये ,यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों,सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका,ब्रिटेन,ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है राष्ट्रवादियों की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं।

संवाद करते हैं। ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी,इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को ? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर

आपातकाल का काला अध्याय - एक त्रासद स्मृति

पचास वर्ष पूर्व, 25 जून 1975 का दिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर देश में आपातकाल की घोषणा की, जिसने देश के संविधान की आत्मा को कुचल कर रख दिया। इसके बाद देश में आपातकाल के 21 महीनों ने भारतवासियों की लोकतंत्र, सरकार और संवैधानिक विरासत की समझ को पूरी तरह से झकझोर कर रख दिया। यह वह क्षण था जब लोकतंत्र की जननी कहे जाने वाले भारत को तत्कालीन तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण और क्रूर निर्णय से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने श्रीमती गांधी को 1971 के लोकसभा चुनाव में गड़बड़ी करने का दोषी ठहराते हुए उनका लोकसभा के लिए निर्वाचन अमान्य घोषित कर दिया था। इसके बाद श्रीमती गांधी के इस्तीफे की मांग बढ़ती गई और इसी बीच इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 की रात तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को एक सादे कागज पर (बिना कैबिनेट की सहमति और आधिकारिक लेटरहेड के) अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति के आधार पर देश में आपातकाल लागू करने की सिफारिश कर दी। यह देश की संवैधानिक शासन व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। अगले दिन 26 जून 1975 को सुबह 6 बजे कैबिनेट की बैठक में यह विषय औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस कदम से देश में कांग्रेस के तानाशाही शासन की शुरुआत हुई। जनता को संविधान से मिली आजादी रातों-रात समाप्त कर दी गई। अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, संगठन बनाने और देश के भीतर आने-जाने की स्वतंत्रता एक झटके में खत्म कर दी गई। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देने वाला अनुच्छेद 21 निरर्थक हो गया। सबसे दुखद यह था कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के जिस अनुच्छेद 32-जो नागरिकों को न्यायालय जाने का अधिकार देता है— को संविधान की आत्मा कहा था, उसे भी निरस्त कर दिया गया। आपातकाल के दमनचक्र के पहले शिकार वे विपक्षी नेता बने जिन्होंने सरकार की नीतियों का विरोध किया था। हजारों लोगों को कठोर मीसा(मेंटिनेंस ऑफ इंटरनल सेक्युरिटी एक्ट) और भारत रक्षा अधिनियम (डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट) के तहत जेल में डाला गया, इसके बाद धीरे-धीरे देश का हर नागरिक देश पर थोपे गए आपातकाल के इस काले अध्याय के घावों का अनुभव करने लगा था। इस कालखंड में देश की लोकतात्रिंक व्यवस्था के तीन स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर अभूतपूर्व हमला हुआ। इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार के अविवेकपूर्ण निर्णयों के दंश आज भी देश की जनता के मानस पटल पर एक भयावह स्मृति के रूप में अंकित हैं। मेरे 90 वर्षीय दादा जी को उसी दौर में अपने रोज़मर्रा के काम के दौरान गायों की देखभाल करते हुए ऊंगली में गहरी चोट लग गई थी जिसके इलाज के लिए उन्हें बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उन्हें पता चला कि नसबंदी लक्ष्यों को पूरा करने के सरकारी दबाव के चलते डॉक्टर उन्हें जबरदस्ती नसबंदी के लिए तैयार कर रहे हैं। इस अमानवीय स्थिति को भांपते हुए मेरे दादा जी अस्पताल से भाग निकले और बिना इलाज के वापस लौट गए। इस प्रकार जनता को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले अस्पताल भयावह कष्ट देने वाले केन्द्र के रूप में बदल गए थे। हालांकि वे बच गए, लेकिन उस भयावह अनुभव ने पूरे समुदाय को गहरे डर और सदमे से भर दिया था। दुर्भाग्यवश 1975 से 1977 के बीच एक करोड़ से अधिक लोगों की जबरन नसबंदी करा दी गई- यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे शर्मनाक अध्याय बन गया। उस काले दौर में प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग केवल एक परिवार के हित में किस हद तक किया गया, इसका सबसे बड़ा उदाहरण 24 मार्च 1976 को संजय गांधी की बीकानेर यात्रा थी। न तो उनके पास कोई संवैधानिक पद था, न ही वे राजकीय अतिथि थे, फिर भी उनके स्वागत में सरकारी संसाधनों की खुलकर बर्बादी की गई। उस समय मैं डाक एवं तार विभाग में टेलीफोन ऑपरेटर था और मुझे यह जानकर घोर आश्चर्य हुआ कि रैली में विशिष्ट लोगों के लिए बनाए गए मंच के नीचे अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन लगाने के आदेश दिए गए—जबकि ऐसी व्यवस्था केवल प्रधानमंत्री के लिए की जाती है। यह घटना सरकारी तंत्र पर संजय गांधी के न केवल अनुचित प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि यह बताती है कि कैसे तत्कालीन सरकारी तंत्र को व्यक्तिगत और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति हेतु काम करने के लिए विवश कर दिया गया था। ऐसे दौर में जबकि सामान्य जनता के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, तब जनता के पैसों से किए गए ऐसे दिखावे संविधान की गरिमा के प्रति घोर उपेक्षा और सरकार के नैतिक पतन को दर्शाते हैं। वह भारत में लोकतंत्र के हनन का सबसे बुरा दौर था। आपातकाल के दौरान संविधान में सरकार के तानाशाही रवैये की पुष्टि करने वाले संशोधन किए गए जिससे लोकतंत्र की आत्मा को गहरी चोट पहुंची और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न अंगों के बीच असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हुई। संविधान में 38वां संशोधन करके आपातकाल की घोषणा की समीक्षा करने में न्यायालय की भूमिका समाप्त कर दी गई तथा अध्यादेश जारी करने के मामले में राष्ट्रपति व राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए गए। इसके तुरंत बाद 10 अगस्त 1975 को लागू किए गए 39वें संविधान संशोधन द्वारा से न्यायालयों को प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं लोकसभा अध्यक्ष जैसे उच्च पदों से जुड़े चुनावी मामलों की न्यायिक समीक्षा करने से रोक दिया गया। यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा प्रधानमंत्री के विरूद्ध दिए गए निर्णय के बाद श्रीमती गांधी को न्यायालय के प्रति जबावदेही से बचाने की एक सोची-समझी चाल थी। ऐसा करके न्यायपालिका की स्वतंत्रता को जानबूझकर कुचला गया। इस संविधान संशोधन के बाद 'ए.डी.एम. जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' के मामले की काफी चर्चा हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित करने के निर्णय को सही ठहराया था। उस मामले में न्यायमूर्ति एच.आर. खन्ना ही अकेले न्यायाधीश थे जिन्होंने उस निर्णय से अपनी असहमति जताई थी और नागरिक स्वतंत्रता का समर्थन किया था। बाद में श्री खन्ना को वरिष्ठतम होने के बावजूद भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बनाया गया और ऐसा करना न्यायपालिका की गरिमा पर सीधा प्रहार था। आपातकाल के दौरान श्रीमती गांधी की सत्तालोलुपता का एक दूसरा उदाहरण 42वें संविधान संशोधन करना था जिसके माध्यम से लोकसभा का कार्यकाल पाँच वर्ष से बढ़ाकर छह वर्ष कर दिया गया। ऐसा करके लोकतंत्र में जनादेश की गरिमा को और अधिक कम किया गया और आम चुनाव कराए बिना सरकार के कार्यकाल को बढ़ा दिया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान की उद्देश्यिका में तीन नए शब्द सामाजिक, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जोड़े गए और ऐसा करके मूल संविधान से छेड़छाड़ की गई। आपातकाल के दौरान सरकार द्वारा 48 अध्यादेश जारी किए गए और इन्हें पारित करने में संसद में चर्चा, विधेयकों की जांच-पड़ताल और संशोधन करने की प्रक्रिया की अनदेखी की गई। आपातकाल के बाद गठित शाह आयोग ने इतिहास के उन काले दिनों के दौरान ढेर सारे लोगों को बेवजह नजरबंद करने, गरीबों की जबरन नसबंदी करने और सत्ता के संस्थागत रूप से दुरूपयोग की भयावह तस्वीर प्रस्तुत की थी। इस तानाशाही शासन के दौरान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ प्रेस का भी गला घोंटा गया। जो पत्रकार सहानुभूतिपूर्वक विपक्षी नेताओं की ख़बरों को प्रकाशित कर रहे थे उन्हें जेल भेजा गया। महात्मा गांधी द्वारा स्थापित सम्मानित नवजीवन प्रेस को जब्त कर लिया गया, यह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत पर सीधा हमला था। चार प्रमुख समाचार एजेंसियों—प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान समाचार और समाचार भारती— को ज़बरदस्ती मिलाकर समाचार नामक एक संस्था बना दी गई।

आज, 50 वर्ष बाद, कांग्रेस की दोहरी मानसिकता उजागर हो चुकी है—एक ओर वे 'संविधान बचाओ यात्रा' के नाम पर भ्रम फैलाते हैं, दूसरी ओर अपने पूर्वजों द्वारा किए गए संविधान के अपमान पर चुप रहते हैं। श्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को लोकसभा में भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के इस भयावह काले अध्याय के बारे में गर्व से कहा, 卐आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं था।卐 यह कथन यह दर्शाता है कि कांग्रेस के लिए परिवार और सत्ता सर्वोच्च है।

-अर्जुन राम मेघवाल

धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी और 'एकात्म मानववाद' को बढ़ावा

पिछले चार दशकों के दौरान भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने और डराने-धमकाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती गई है। बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने के बाद मुंबई में अभूतपूर्व हिंसा हुई जिसमें करीब एक हजार लोगों को जान खोनी पड़ी। सन् 1999 में पॉस्टर ग्राहम स्टेन्स को जिंदा जलाने की भयावह घटना हुई जिसे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ। के। आर। नारायणन ने 'कलुषित घटनाओं की श्रृंखला में सबसे वीभत्स घटना' निरूपित किया था। गुजरात का नरसंहार गोधरा में ट्रेन जलाने के बहाने किया गया, जिसका नतीजा हुआ जबरदस्त धार्मिक ध्रुवीकरण और इसके बाद हुए चुनावों में भाजपा की जीत। इसके कुछ वर्षों बाद, 2008 में माओवादियों द्वारा स्वामी असीमानंद की हत्या के बाद कंधमाल में बहुत हिंसा हुई। चर्च जलाये गए और हत्याएं हुईं। सन् 2013 में मुजफ्फरनगर और 2019 में दिल्ली में हुई घटनाएं भी भीषण हिंसा की श्रेणी में आती हैं जिन्होंने देश को दुखी किया। यही नहीं गौहत्या और लवजिहाद के मुद्दों के कारण अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत और ब ?ी। सीएए से मुस्लिम समुदाय की तकलीफों में और वृद्धि हुई। विभिन्न स्थानों पर ईसाईयों की प्रार्थना सभाओं पर यह आरोप लगाकर हमले किए गए कि इनका उद्धेश्य धर्मपरिवर्तन करवाना है। इन सब घटनाओं के कारण पिछले चार दशकों में अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा लगातार बढती गई। दुनिया धीरे-धीरे एक वैश्विक गांव का रूप लेती जा रही है और दुनिया में कई ऐसी संस्थाएं स्थापित हो गई हैं जो सारे विश्व में चल रहे घटनाक्रम पर नजर रखती हैं। ऐसी ही एक संस्था संयुक्त राज्य अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) है। 'जस्टिस फॉर ऑल' एक अन्य संस्था, जिसे संयुक्त राष्ट्र संघ में सलाहकार का दर्जा हासिल है, ने "यूएससीआईआरएफ की मंगलवार, 25 मार्च 2025 को जारी की गई उस रपट की सराहना की जिसमें यह कहा गया है कि भारत में धार्मिक स्वतंत्रता कम होती जा रही है। रपट में सन् 2024 के आम चुनाव के दौरान की जा गई घृणा फैलाने वाली बातों, मुसलमानों के घरों को ढहाए जाने और सरकार के सीएए को लागू करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों ङ्क जिसके चलते और राष्ट्रीय नागरिकता पंजी (एनआरसी) तैयार किए जाने से दसियों लाख मुसलमानों की नागरिकता खतरे में पड़ सकती है और वे किसी भी तरह के कानूनी संरक्षण से महरूम हो सकते हैं"। भाजपा सरकार और हिन्दुत्व राजनीति की वजह से भारत की यह बुरी छवि बन रही है जिसका दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यह छवि आजादी एवं लोकतंत्र से जुड़े विभिन्न सूचकांकों पर भारत की गिरती स्थिति में भी प्रतिबिंबित हो रही है। सरकार और आरएसएस विचारधारा वाले सत्ताधारी इस नकारात्मक स्थिति का सामना किस तरह कर रहे हैं? सबसे पहले तो आधिकारिक तौर पर भारत मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों की निगरानी करने वाली किसी भी संस्था को मान्यता नहीं देता। सरकार इसे देश के 'आंतरिक मामलों' में दखलअंदाजी बताती है। यही सरकार पड़ोसी देशों में हिंदुओं के उत्पीड़न पर आसमान सिर पर उठा लेती है। उत्पीड़न की इन घटनाओं पर चिंता व्यक्त करना बिल्कुल उचित है परंतु इस मामले में सरकार दुहरा रवैया दिखाती है। भारत में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा की अनदेखी करने की इस रणनीति में नया आयाम जोड़ते हुए आरएसएस-भाजपा नेता राम माधव ने एक लेख में यह तर्क दिया कि धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन का यह नजरिया हालातों को यूरोपीय चश्मे से देखता है। अपने तर्क के समर्थन में वे एक अन्य अमरीकी थिंक टेंक की "चेंजिग द कनवरशेसन एबाउट रिलीजियस फ्रीडम: एन इंट्रीगल ह्यूमन डेवलपमेंट एप्रोच" शीर्षक वाली रपट का जिक्र करते हैं। इस रपट के अनुसार "एकात्म मानववाद पर आधारित मानव विकास ही समग्र समृद्धिशाली और टिकाऊ हो सकता हैं"। वे टिप्पणी करते हैं कि धार्मिक स्वतंत्रता को मात्र मानवाधिकारों से संबद्ध करके नहीं देखा जा सकता (इंडियन एक्सप्रेस जून 14)। माधव के अनुसार आक्रमणकारी मुगल सेनाओं ने हिंदुओं पर जुल्म ढाए। वे देश के विभाजन के लिए पूरी तरह से मुस्लिम लीग को दोषी ठहराते हैं। माधव के नजरिए के विपरीत भारत की आजादी की लड़ाई के नेता गांधी चाहते थे कि भारत में विभिन्न धार्मिक समुदाय सद्भावनापूर्ण माहौल में फले-फूलें। इसी तरह नेहरू मानते थे कि हमारी सभ्यता समन्वयवादी है। उन्होंने लिखा था "भारत माता एक प्राचीन स्लेट की तरह है जिसमें विचारों की परतें एक के ऊपर एक लिखी जाती रहीं और बाद की परत पिछली परत को पूरी तरह से मिटा या छिपा नहीं सकी।"माधव हमें 'एकात्म मानववाद' के बारे में बताते हैं जिसे सर्वप्रथम 1936 में जेकुइस मार्टियन ने प्रस्तुत किया था। वे एक कैथोलिक ईसाई थे और चर्चों के सर्वोच्च पादरी भी उनके प्रशंसक रहे हैं। माधव के मुताबिक उनके एकात्म मानववाद के नजरिये के अनुसार मनुष्यों के न केवल भौतिक बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए धार्मिक बंधनों से ऊपर उठना जरूरी है। कैथोलिक ईसाई धर्म के संदर्भ में संभवत: इसका लक्ष्य उन लोगों का विरोध करना हो सकता था जो ईसाई धर्म के गैर-कैथोलिक पंथों की ओर आकर्षित हो रहे थे। वे उस धार्मिक स्वतंत्रता के पक्ष में जिसे ईसाई प्रजातंत्र बढ़ावा देना चाहता है। भारत में इस विचार को भाजपा नेता दीनदयाल उपाध्याय ने प्रस्तुत किया, जो आरएसएस से भी जुड़े हुए थे। वे एक ऐसे राजनैतिक संगठन का हिस्सा थे जिसका लक्ष्य हिन्दू राष्ट्र स्थापित करना था। इस विचारधारा की मान्यता यह है कि भारत को पहले मुस्लिम राजाओं और फिर अंग्रेजों ने गुलाम बनाया। यह विचारधारा हिंदू समाज की बहुत सी खराबियों के लिए खासतौर से मुस्लिम राजाओं के अत्याचारों को दोषी मानती है। तथ्य यह है कि हिंदू धर्म की बहुत सी कमियां जाति, वर्ण और लिंग आधारित ऊंच-नीच की वजह से हैं जिनका जिक्र हिंदुओं द्वारा पवित्र मानी जाने वाले कई प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। वे इस तथ्य से भी अनजान हैं कि मुस्लिम राजाओं के प्रशासन में विभिन्न स्तरों के पदों पर बहुत से उच्च जाति के हिंदू काबिज थे। उपाध्याय द्वारा सन् 1965 में दिए गए चार प्रमुख व्याख्यानों में एकात्म मानववाद के सिद्धांत को प्रस्तुत किया गया। यह विचारधारा भारत के संघीय ढ़ांचे के खिलाफ है और भारत में 'धर्म राज्य' की स्थापना का आव्हान करती है। उनके अनुसार धर्म का दर्जा संसद से ऊंचा है। वह मनुष्यों की पूर्वनिर्धारित भूमिका का समर्थन करती है, यानि जाति-वर्ण व्यवस्था का समर्थन करती है। वह समाज में यथास्थिति की हामी है। मार्टियन 'ईसाई लोकतंत्र' की वकालत करते हैं वहीं उपाध्याय 'हिंदू राष्ट्र' के एजेंडे से जुड़े हुए थे। भाजपा ने 'एकात्म मानववाद' को सरकार चलाने की अपनी विचारधारा के रूप में अपनाया है। एकात्म मानववाद के धर्म के परे होने का दावा किया जाता है, परंतु व्यावहारिक तौर पर यह ब्राम्हणवादी मूल्यों को ब ?ावा देता है और इसके चलते मंदिर (मस्जिदों को ढहाया जाना), पवित्र गाय (लिंचिंग), लव जिहाद और धर्मपरिवर्तन एजेंडे के मुख्य मुद्दे बन गए हैं।

- राम पुनियानी

अमेरिका के राष्ट्रपति का जुनून-प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कार की रेपुटेशन हाई हुई

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार यदि कोई है तो वहहै,नोबेल पुरस्कार जो भिन्न-भिन्न 6क्षेत्रों भौगोलिक, रसायन विज्ञान,चिकित्सा साहित्य शांति व अर्थशास्त्र में प्रतिवर्ष दिया जाता है। 2025 के लिए नॉमिनेशन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 थी,अब पुरस्कारों की घोषणा 10 अक्टूबर 2025 को होगी। परंतु पिछले कुछ दिनों से अब नोबेल पुरस्कार 2026 की चर्चा प्रिंट इलेक्ट्रानिक सोशल मीडिया पर जोरो से चल रही है, विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार की, वो भी इसलिए की दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह पुरस्कार पाने का जुनून है, हालांकि अपने पिछले टर्म में राष्ट्रपति के दौरान वे नहीं पा सके थे, परंतु अब 2026 का पुरस्कार पाने की चाहत उनके बयानों एक्स: एक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट हो रही है,जिसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रहीहै,जबकि 2026 का ऑफीशियली रजिस्ट्रेशन सितंबर 2025 से शुरू होगा।आज इसकी चर्चा इसलिए भी जोर पकड़ रही है कि, इसके लिए ट्रंप का ऑफीशियली रूप सेनॉमिनेशन पाक द्वारा कर भी दिया गया है जो एक प्रक्रिया के तहत होता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र का मानना है कि, पाक के सेनापति द्वारा ट्रंप को नोबेल पुरस्कार मिलने की मौखिक सिफारिश की फिर उन्हें ट्रंप द्वारा ऑफीशियली रूप से लंच पर आमंत्रित दिया गया,फिर पाक द्वारा ऑफीशियली नॉमिनेशन की घोषणा की गई, जबकि मेरा मानना हैकि अंदरूनी कहानी ईरान-इजरायल युद्ध की भयंकर बढ़ती सिचुएशन से उत्पन्न क्राइसिस से निपटने के लिए रणनीतिके तहत पाक हवाई पट्टीयों का उपयोग करेगा, पाक अमेरिका के बीच यह स्थितियां हो रही है,हालांकि पाक सेनापति व ट्रंप की लंच मुलाकात की एक भी फोटो वीडियो प्रेस में साझा नहीं किया गया है,यह मेरा अनुमान है। तो दूसरी ओर ट्रंप खुले रूप से अपने बयान हुआ एक केंद्र पर कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाक कांगो-रवांडा इसराइल -हमास रूस यूक्रेनमें से दो के युद्ध रोके हैं, बाकी की कोशिश चल रही है। हालांकि 2 दिन पूर्व भारतीय पीएम ने ट्रंप से सीधे 35 मिनट की बातचीत में कहा कि भारत पाक युद्ध विराम का समझौता आपसी द्वपक्षी बातचीत के जरिए हुआथा परंतु ट्रंप इसको शांति पुरस्कार का आधार मानते है,परंतु उन्होंने कहा मुझे मालूम है, मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, हालांकि इन पुरस्कारों की पूरी प्रक्रिया की चर्चा हम नीचे पर में करेंगे। चूँकि वैश्विक स्तरपर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, विभिन्न चरणों में भारी मानदंडों से होना इसकी खूबसूरती है, इसलिए आज हम मीडियम उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जुनून, प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कारों की रेपुटेशन हाई हुई। साथियों बात अगर हम अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नोबेल शांति पुरस्कार को पाने के जुनून की करें तो,आज कल अमेरिका के राष्ट्रपति नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर चर्चा में आ गए।बता दें कि कुछ दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप पाक के आर्मी चीफ से मिले।अब पाक द्वारा नोबल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप को नॉमिनेट किया जाना पा? की चालाकी बताई जा रही है, क्योंकि ट्रंप चाहते हैं कि यह पुरस्कार किसी भी तरह उन्हें मिले। वहीं चर्चाओं के बीच ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा कि सोमवार को व्हाइट हाउस में कांगो और रवांडा शांति समझौते पर दस्तख्त करेंगे। इसके पहले मैंने भारत पाकिस्तान सहित कई युद्ध रुकवाए, लेकिन मुझे कोई इस नेक काम करके लिए नोबल प्राइज नहीं देगा। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लंबी पोस्ट में छह बार इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का उल्लेख किया। पाक ने अमेरिका के राष्ट्रपति को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है। इस कदम ने न केवल भू-राजनीतिक विशेषज्ञों को चौंका दिया है, बल्कि खुद पाक के लोग और नेता भी इससे हैरान हैं। कई पाकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और लेखकों ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रंप ने गाजा में हो रहे नरसंहार और ईरान पर इस्राइल के हमले का समर्थन किया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस फैसले की आलोचना हो रही है।पाक ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इसलिए नामित किया है, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर भारत और पाक के बीच तनाव के दौरान निर्णायक कूटनीतिक दखल दिया। हालांकि,भारत पहले ही कई बार स्पष्ट कर चुका है कि ऑपरेशन सिंदूर के समय जो संघर्षविराम हुआ, वह दोनों देशों के बीच सीधे संवाद से हुआ था- न कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से।दरअसल, भारत ने जब पाक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था. तब दोनों देशोंके बीच 4 दिनतक तनाव रहा,वार-पलटवार का सिलसिला जारी रहा,इसी के बाद पाक ने भारत से इस ऑपरेशन को रोकने का आग्रह किया,हालांकि, ट्रंप ने दावा किया था कि दोनों देशों के बीच उन्होंने सीजफायर कराया,पाक ने ट्रंप के इसी हस्तक्षेप का एहसान चुकाने के लिए अब ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कर दिया है। साथियों बात अगर हम नोबेल शांति पुरस्कार को जानने व इसकी प्रक्रिया को समझने की करेंतो, इस पुरस्कार को हासिल करने की प्रक्रिया कितनी लंबी है, यह जान लेना जरूरी है कि यह पुरस्कार आखिर है क्या,किसको दिया जाता हैजब हम नोबेल पुरस्कार की बात कर रहे हैं तो यह जान लेना जरूरी है कि नोबेल शांति पुरस्कार की शुरुआत अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत से हुई थी,यह अवॉर्ड केमिस्ट्री, फिजिक्स, फिजियोलॉजी या मेडिसिन, शांति और साहित्य,पहली बार यह पुरस्कार साल 1901 में दिया गया था,शांति के कैटेगरी में यह अवॉर्ड उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने राष्ट्रों के बीच भाईचारा बढ़ाने, हथियारों की संख्या को कम करने और शांति सम्मेलन आयोजित करने में खास योगदान दिया,कौन-कौन कर सकता है नॉमिशननॉर्वेजियन नोबेल समिति नोबेल शांति पुरस्कार विजेताओं को चुनती है,इसके लिए कोई भी व्यक्ति, संगठन या आंदोलन को नॉमिनेट किया जासकता है। लेकिन यहां शर्त है उन लोगों की जो नॉमिनेट कर सकते हैं, हर कोई नोबेल पुरस्कार के लिए किसी के नाम को नॉमिनेट नहीं कर सकता है, इसके लिए एक सीमित लोगों की लिस्ट वो ही नामों की सिफारिश कर सकते हैं,जहां अब हम जान चुके हैं कि नोबेल शांति पुरस्कार क्या होता है,वहीं, अब यह जानना जरूरी है कि कौन-कौन नॉमिशन कर सकता है,क्या आम आदमी भी इस में नॉमिशन कर सकता है?(1) किसी देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कैबिन मंत्री, राष्ट्रीय सभाओं और सरकारों के सदस्य,(2) नीदरलैंड के हेग में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और हेग में प्रमानेंट मध्यस्थता न्यायालय के सदस्य,(3) एल'इंस्टीट्यूट डी ड्रोइट इंटरनेशनलके सदस्य (4) शांति और स्वतंत्रता के लिए महिला अंतर्राष्ट्रीय लीग के अंतर्राष्ट्रीय बोर्ड के सदस्य (5) यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, एमेरिटी प्रोफेसर और इतिहास, सामाजिक विज्ञान, कानून, फिलॉसफी, धर्मशास्त्र और धर्म के एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी के रेक्टर और यूनिवर्सिटी डायरेक्टर, शांति अनुसंधान संस्थानों और विदेश नीति संस्थानों के डायरेक्टर (6) वो व्यक्ति जिन्हें पहले ही नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया हो (7) नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित संगठनों के मुख्य डायरेक्टर (8) नॉर्वेजियन नोबेल समिति के वर्तमान और पूर्व सदस्य भी इसमें नॉमिनेट हो सकते हैं,(9)नॉर्वेजियन नोबेल समिति के पूर्व सलाहकार।ट्रंप का नाम साल 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए पाक की तरफ से नॉमिनेट किया गया है, जहां अब हम समझ चुके हैं कि हर आम आदमी नोबेल शांति पुरस्कार के लिए किसी को नॉमिनेट नहीं कर सकता है, लेकीन ऊपर दी हुई लिस्ट के लोग किसी भी शख्स को इस सम्मान के लिए नामित कर सकते हैं। साथियों बात अगर हम नोबेल शांति पुरस्कार के इतिहास की करें तो,नोबेल शांति पुरस्कार 1901 से 2024 के बीच 142 नोबेल पुरस्कार विजेताओं, 111 व्यक्तियों और 31 संगठनों को 105 बार प्रदान किया गया है। चूंकि रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को तीन बार (1917, 1944 और 1963 में) नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, और शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त के कार्यालय को दो बार (1954 और 1981 में) नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, ऐसे 28 व्यक्तिगत संगठन हैं जिन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31जनवरी थी,नॉर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा 10 अक्टूबर 2025 को पुरस्कार की घोषणा की जाएगी और 10 दिसंबर 2025 को प्रदान किया जाएगा,किसी बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से नहीं। नोबेल प्राइज 2026 के लिए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन सितंबर में शुरू किए जाएंगे। हालांकि, अभी अंतिम तारिख का ऐलान नहीं किया गया है। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका के राष्ट्रपति का जुनून-प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार 2026 के लिए दुनियाँ के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति की चाहत से नोबेल पुरस्कार की रेपुटेशन हाई हुई,वैश्विक स्तरपर 6 क्षेत्रों में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, विभिन्न चरणों में भारी मानदंडों से होना इसकी खूबसूरती है।दुनियाँ के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के राष्ट्रपति की नोबेल शांति पुरस्कार पाने की चाहत से पुरस्कार की रेपुटेशन में जबरदस्त उछाल परंतु यह काम को मिलता है व्यक्ति को नहीं सराहनीय है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। सुस्त कामकाज के बीच गुरूवार को किराना बाजार में कालीमिर्च बाजार सुस्ती पर रहे। शक्कर में मजबूती आयी। खाद्य तेलों में भाव सुर्खी पर रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दाल-दलहनों में चना मजबूत देखा गया। मसूर में टिकाव रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार कालीमिर्च में सुस्त मॉंग के बीच भावों में नरमी देखी गयी। शक्कर में बाजार मजबूत देखे गये। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु बाजार मजबूत रहे। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दाल-दलहनों में चना पूछपरख से मजबूत देखा गया। भाव इस प्रकार रहे =

किराना- शक्कर 4125-4150, खोपरा गोला 300-350, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3050-3100, (160) 3750-3800, (200) 4300-4350, (250) 4300-4350

तेल- सींगदाना 1370-1390, मुम्बई 1400, राजकोट तेलिया 2185, सोया साल्वेंट 1100-1105, सोया रिफाइंड 1160-1165, कपास्या 1210, धूलिया 1200, कड़ी 1210,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1190,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5700-5800, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5950-6050, एवरेज 5200-5400, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7100-7200, पाला 7200-7300, चमकी 7200-7300, नायलोन 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार सामान्य ही रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 105200, चॉंदी (99) 105100, टंच 104600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97800,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 37 पैसे बढ़कर 85.71पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे मजबूत होकर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय इकाई में तेज बढ़त को रोक दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला। फिर 85.87 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया बुधवार को तीन पैसे की गिरावट के साथ 86.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ 97.41 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज आपकी सेहत कमजोर रहने वाली है, जिसका असर आपके कामों पर भी पड़ेगा। आप यदि यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे, तो आप कुछ समय के लिए स्थगित कर दें। अपने कामों को लेकर आपको थोड़ा धैर्य रखने की आवश्यकता है। बिजनेस कर रहे लोगों को कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। आपकी परिवार के सदस्यों से चल रही अनबन भी बातचीत के जरिए दूर होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने बिजनेस को लेकर किसी एक्सपर्ट से सलाह-मशवरा ले सकते हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को मन मुताबिक काम मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप किसी की बातों में आकर कोई फैसला लेने से बचें। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों भरा रहने वाला है। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा। आपका धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। परिवार में किसी सदस्य की नौकरी में यदि समस्या आ रही थी, तो उन्हें कोई नई नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए कारोबार में अच्छी सफलता लेकर आने वाला है। किसी भूमि और भवन आदि की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। विद्यार्थी अपने विषयों में कोई बदलाव कर सकते हैं। आप अपने कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छा रहेगा। पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक राहत मिलेगी। आपको अपने सहयोगियों से मन की बात कहने का मौका मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको धैर्य और संयम से अपने कामों को निपटाना होगा। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोले। आप अपने कामों को लेकर आलस्य दिखा सकते हैं, लेकिन बाद में आपको कोई बड़ा नुकसान हो सकता है। आप किसी को धन उधार देने से बचें। धार्मिक कामों में आपकी काफी रुचि रहेगी। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आप अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम रखें।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। यदि कोई समस्या लंबे समय से आपको घेरे हुए थी तो वह भी दूर हो सकती है। आपको किसी गलत निर्णय को लेने के लिए पछतावा हो सकता है। आपका कोई काम पूरा होने में समस्या खड़ी हो सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं को पहचानने की आवश्यकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के योग बनते दिख रहे हैं। जीवनसाथी आपके लिए कोई सरप्राइस प्लान लेकर आ सकते हैं। साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप दूसरों की मदद के लिए आगे आएंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। आपको अपनी माता जी की सेहत पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए संघर्षों से भरा रहने वाला है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। दोस्तों से किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। आप अपने धन और समय दोनों को बचाकर रखें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। बिजनेस में यदि आपका धन डूबा हुआ था, तो आप उसे निकालने की पूरी कोशिश करेंगे। आप अपने घर के कामों में कोई बदलाव कर सकते हैं। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। आपको अपनी पेट संबंधित समस्याओं को नजरअंदाज करने से बचना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेगी। नौकरी में भी आपको मन मुताबिक काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को थोड़ा संभलकर चलना होगा और आप किसी से मांगकर वाहन चलाएं, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खर्च भरा रहने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह ना बोलें। किसी नये घर और दुकान आदि की खरीदारी कर सकते हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है। आपके बॉस आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे और राजनीतिक में आप थोडा़ सोच समझकर हाथ बढ़ाएं, लेकिन विरोधी जहां आपको नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश करेंगे।

मीन- आज आपको आपका फंसा हुआ धन मिल सकता है और आपका कोई अटका हुआ काम पूरा होने की संभावना है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा, लेकिन आप किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता मिलती दिख रही है। संतान के भविष्य को लेकर आप कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की प्लानिंग कर सकते हैं।

शब्दजाल - 7942

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

शब्दजाल में 'क' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

कबूतर,कमजोर,कलयुग,कलंक,कलश,कलाई,करामात,करतूत,कर्म,कमर

शब्दजाल - 7941 का हल

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
त्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	व्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6886

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6885

मु	सा	फि	र		ड	कै	त		गा
क्ति		दा	न	वी	र		क्ष	त्रि	य
	री			र		श्र	क		ब
गु	ना	ह		ता	ल			क	
म		वा	दा		ग	र्व		सू	र्या
ना	ना		मि	ल	न		सु	र	
म		सु	नी	ल		रा	जा		ए
	ने	हा		का	श		ता	क	त
क्रो		ग	द	र		दे			रा
ध	र्मा		म		रा	व	ण	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8410

बाएँ से दाएँ

1. लाचार,बेबस-3
3. प्राण,जान-3
5. दुर्ग,फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात,मुआवजा-3
12. कंठ,गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज,कपटी-3
17. माजरा,घटना-3
19. कहासुनी,झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना,लगाना-3
25. वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1. लता,लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर,अप्सरा-3
4. आकाश,व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य,उपयुक्त-3
8. अदाकार,फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह,मास-3
16. जांघ,जंघा-2
18. धिक्कार,फटकार-3
19. मामूली,तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश,आभास-2

शब्द पहेली -8409 का हल

आ	ह		प	र	दा		क	म
ग		क	ना	त		र	च	ना
	क	ल	ह		ग	ह	रा	
श	र	म		ह	र	म		स
री	म		आ	रा	म		क	म
फ		शी	स	म		न	ह	र
	क	त	रा		अ	म	र	
बा	द	ल		रा	ज	न		त
ज	र		ज	ह	र		द	बा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.44 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	09.01 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.12 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.23 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.38 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.45 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.18 बजे से
		मेष	00.49 बजे से
		वृष	02.29 बजे से
		मिथुन	04.27 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2025 वर्ष का 178 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 11.20 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 07.22 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 21.10 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.20 बजे तदनन्तर तैतिल 22.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 19'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872388
जूलियन दिन 2460853.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 01
विशेष जगन्नाथ रथयात्रा।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: ममता का खिंचाव

नेपोलियन बोनापार्ट के आदेशानुसार फ्रांसीसी तट पर सभी अंग्रेजी जहाजों को पकड़ रखा था. उन्हीं में १७ वर्ष का एक नाविक लेनार्ड भी था. दूसरे दिन इंग्लैण्ड से आया एक और लड़का पकड़ा गया. जब उसे लेनार्ड वाले कटघरे में बंद किया गया तब उसने एक पत्र लेनार्ड को दिया जिसमें लिखा था-'मां बहुत बीमार है. शायद ही बच सकेगी. उसकी आखरी तमन्ना लेनार्ड को देखने की है.' लेनार्ड तड़प उठा. उसी रात वह जेल की सींखचे चौड़े कर भाग निकला पर थोड़ी दूर जा पाया था कि पकड़ा गया. अबकी बार उसके साथ और सख्ती की गई. पांवों में बेड़ियां डाल दी गईं. लेनार्ड को अपनी मां की याद बहुत सताने लगी. उसने इस बार भी अथक परिश्रम करके धीरे-धीरे बेड़ियां काट डालीं. वह फिर भागा और फिर पकड़ा गया. हिम्मत करके लेनार्ड तीसरे बार भी भागा, पर दुर्भाग्यवश पकड़ा गया. अगले ही दिन दौरे पर नेपोलियन आया. जेल अधिकारी ने नेपोलियन से लेनार्ड के भागने का जिक्र किया. नेपोलियन में उत्सुकता जागी. लेनार्ड को पेश किया गया. नेपोलियन ने पूछा-लड़के ऐसी कौन-सी वजह है, जो तुझे बार-बार भागने की हिम्मत बंधाती है....?' लेनार्ड आंखों में आंसू भरकर बोला, 'श्रीमान! मेरी मां मर रही है, मरने से पहले वह मुझे देखना चाहती है...... .'नेपोलियन ने अपनी जेब से सोने का सिक्का निकाल कर लेनार्ड को दिया और फिर जेल के अफसर से बोला-'इसे जाने दो, इसको मां की ममता खींच रही है, मेरे जैसे सौ नेपोलियन भी इसे रोक नहीं पाएंगे.'

सूडोकु नवताल- 7195

मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7194 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1000 अंक उछलकर 83,755.87 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 304 अंक बढ़कर 25,549.00 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर श्रीराम फाइनेंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, जियो फाइनेंशियल, अडाणी पोर्ट्स के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ ओर ये हरे निशान पर बंद हुए। वहीं डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी, एसबीआई के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे और लाल निशान पर बंद हुए। कारोबार के दौरान निजी बैंक, तेल एवं गैस के अलावा धातु सूचकांकों में 1 से 2 फीसदी की बढ़त रही जबकि रियल्टी, मीडिया सूचकांकों में 1-1 फीसदी की गिरावट रही। बीएसई मिडकैप सूचकांक में 0.5 फीसदी की तेजी आई जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में कोई बदलाव नहीं हुआ। भारतीय रुपया गत दिवस के 86.09 के मुकाबले गुरुवार को 39 पैसे बढ़कर 85.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो उसमें बढ़त रही। इजरायल-ईरान के बीच युद्धविराम से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। इससे दुनिया भर के साथ ही भारतीय बाजार में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे पहले आज सुबह बाजार हरे निशान में खुले। बीईएल, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी और एमएंडएम के शेयरों में खरीदारी के कारण बाजार में बढ़त रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंक चढ़कर 82,882.92 पर खुला।

खुलते ही बाजार में खरीदारी देखने को मिली जिससे इंडेक्स में बढ़त और बढ़ गई। यह 242.79 अंक की बढ़त लेकर 82,998.30 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ हरे निशान में खुलकर 95.80 अंक की बढ़त के साथ 25,340.55 पर कारोबार कर रहा था। । जापान का निक्केई इंडेक्स 0.98 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.51 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स.200 0.11 फीसदी फिसल गया। अमेरिकी बाजारों में बुधवार रात हल्की हलचल रही। एसएंडपी 500 मामूली गिरावट के साथ 6,092.16 पर बंद हुआ, जबकि नेशनल कम्पोजिट 0.31 फीसदी की बढ़त के साथ 19,973.55 पर बंद हुआ। वहीं डाओ जोंस 0.25 फीसदी गिरकर 42,982.43 पर बंद हुआ।

देश के प्रमुख सात शहरों में अप्रैल-जून में आवास की कीमतें 11 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। देश के सात महानगरों में अप्रैल-जून तिमाही में आवास की कीमते सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़ गई हैं जिससे बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने भारत के सात प्रमुख आवासीय बाजारों के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में मकानों की बिक्री में 20 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल-जून तिमाही में इस साल 96,285 मकान बेचे गए जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 1,20,335 इकाइयों की बिक्री की गई थी। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में मकानों की बिक्री में गिरावट आई। चेन्नई में मांग में वृद्धि दर्ज की गई। एक रियल एस्टेट के अधिकारी ने कहा, 2025 की दूसरी (अप्रैल-जून) तिमाही भारतीय आवास बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरी रही। देश और विदेश में सैन्य कार्रवाइयां भी इसकी मुख्य वजह रही। युद्ध जैसे माहौल ने मकान खरीदने वालों को स्थिति आंकने और फिर फैसले करने की स्थिति में धकेल दिया, जिससे पिछले दो वर्ष में संपत्ति की कीमतों में उछाल का असर और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अब घरेलू तनाव कम होने और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतिगत दर में कटौती से नए सिरे से उम्मीदें जगी हैं जिससे खरीदारों की धारणा में सुधार हो रहा है। इस साल अप्रैल-जून में शीर्ष सात शहरों में औसत आवासीय कीमतों में सालाना 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत-बनी रही- आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मासिक आर्थिक बुलेटिन के मुताबिक मई 2025 के लिए वैश्विक अनिश्चितता के बीच अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडीकेटर्स भारत में औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कृषि ने 2024-25 में प्रमुख फसलों के उत्पादन में व्यापक आधार पर वृद्धि हुई। घरेलू कीमतों की स्थिति सौम्य बनी हुई है और मई में लगातार चौथे महीने हेडलाइन मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय स्थितियां ऋण बाजार में दरों में कटौती के ट्रांसमिशन की सुविधा के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर स्थिति में है, जो व्यापार नीति अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों में वृद्धि के दोहरे झटकों से जूझ रही है। घरेलू मोर्चे पर मई में जारी अनंतिम अनुमानों ने 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने की पुष्टि की है, जिसमें चौथी तिमाही में महत्वपूर्ण क्रमिक वृद्धि होगी। मई के लिए अलग-अलग हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत आर्थिक गतिविधि के संकेत देते हैं। पीएमआई के लिए सर्वे किए गए देशों में भारत में गतिविधि में समग्र विस्तार सबसे अधिक रहा, जिसमें मई में देखे गए नए निर्यात ऑर्डर में विस्तार अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कॉन्ट्रैक्शन के बीच एक अपवाद था। मई के लिए कुल मांग के हाई-फ्रिक्वेंसी इंडिकेटर्स ने भी ग्रामीण मांग में वृद्धि का सुझाव दिया। कंज्यूमर सेंटीमेंट के दूरदर्शी सर्वेक्षण वर्तमान अवधि के लिए स्थिर उपभोक्ता विश्वास और भविष्य के बारे में बेहतर आशावाद दिखाते हैं। आरबीआई बुलेटिन में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक, व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बावजूद ये सभी भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती दिखाई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अस्थिर और ऊंचे सोने और चांदी की कीमतों के प्रभाव को छोड़कर कुछ नरमी के संकेतों के साथ स्थिर कोर मुद्रास्फीति यह दर्शाती है कि अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव शांत बना हुआ है।

सर्रा में हुई हृदय विदारक घटना के परिजनों से मिले पूर्व विधायक रमेश भटेरे

विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने घटनास्थल पहुंचकर लिया जायजा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत 24 जून को सुबह 7-30 बजे एक क्षेत्र की सबसे हृदय विदारक एवं गंभीर घटना घटित हुई थी जहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों की 11 केव्ही विद्युत तार की चपेट में आने से मृत्यू हो गई थी। घटना में सर्रा निवासी सेवकराम पांचे उम्र 30 वर्ष, पत्नि श्रीमती रेणुका पांचे उम्र 28 वर्ष एवं काका भाई भोजराज पांचे उम्र 27 वर्ष जो अपने घर ग्राम सर्रा से देवलगांव नेवरवाही दुर्गा मंदिर में पूजा करने जा रहे थे, सर्रा से कुछ ही दुरी पर मार्ग पर 11 केव्ही विद्युत लाईन का तार गिरकर रोड़ पर आ गया था जिसकी चपेट इनकी मोटर सायकल आ गई और घटना स्थल पर ही यह हृदय विदारक हादसा घटित हुआ। वहीं घटना स्थल पर प्रत्यक्ष दर्शियों ने इस घटना में विद्युत विभाग की घोर लापरवाही बताई है।

पूर्व विधायक भटेरे ने कहा विद्युत विभाग की घोर लापरवाही, परिजनों से की भेंट

लांजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पार्टी कार्यकर्ताओ के साथ ग्रा सर्रा पंहुचकर सर्वप्रथम मृतको के परिजनो से भेंट की तथा उन्हे सांत्वना प्रदान करते हुये कहा कि इस दुख की घड़ी में और भाजपा सरकार आपके हर कदम पर साथ है। हम पूरी कोशिश करेंगे आपको सरकार की ओर से हर संभव मदद प्रदाय कि जायेगी। वहीं आपने धटना के संबध में मीडिया से चर्चा करते हुये कहा कि इस पूरे मामले में विद्युत विभाग की लापरवाही है। सही तरह से रखरखाव के कार्य नही होते, मेटेंनेस के नाम पर घंटो लाईन बंद कि जाती है फिर इस प्रकार से लापरवाही क्यों। एक छोटी से टहनी ही तार पर गिरी थी, लेकिन तार सही तरीके से खंबे मे लगे नही होने के कारण टहनी से तार टूट गया इस पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच की जानी चाहिये। वहीं आपने यह भी कहा कि स्थानीय लाईनमेन नारनौरे का भी ग्रामीणो के प्रति दुर्व्यव्हार है, ग्रामीणो में लाईनमेन के प्रति आक्रोश है ठिक तरह से बात तक नही करता ऐसा ग्रामीणे ने बताया है। इस मामले में भी लाईन मेन को ध्यान देना चाहिये, विभाग जांच करवाये और आवश्यक कार्यपाही करे। इसी दौरान रमेश भटेरे एवं मुख्य अभियंता के एल वर्मा की भी मुलाकात हई जहां रमेश भटेरे के द्वारा कहा कि इस मामले की जांच करवाये, विद्युत विभाग की लापरवाही है।

मुख्य अभियंता वर्मा के घटना स्थल का जायेगा, दिये आवश्यक निर्देश

26 जून को विद्युत विभाग से मुख्य अभियंता के एल वर्मा अपनी टीम के साथ ग्राम सर्रा पंहुचे इनके साथ दीपक उईके अधीक्षण अभियंता, रवि कुम्भरे कार्यपालन अभियंता, हुकूमचंद यादव सहायक अभियंता तथा जेई लांजी अविनाश देशमुख यह सभी सर्रा घटना स्थल पर पंहुचकर निरीक्षण किया जहां उन्होने लाईन के विषय में जानकारी ली इसके पश्चात श्री वर्मा ग्राम सर्रा पंहुचकर परिजनो से भी भेंट कर कहा कि विद्युत विभाग के द्वारा जो सहायता राशि प्रदान की जाती है वह एक सप्ताह के भीतर आपको प्रदाय की जावेगी साथ ही बच्चो के भविष्य में पढाई लिखाई के लिये भी मदद की जावेगी।

लाईन कार्य के सुधार हेतु निर्देश जारी

उक्त संबध में मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने कहा कि जो घटना घटित हुई है वे अति गंभीर है हम परिजनों के साथ खडे है। वहीं आपने विद्युत लाईन के संबंध में तत्काल ही आदेश जारी किये है कि लाईन के सुधार कार्य किये जाये। संपूर्ण लाईन की जांच करे तथा अतिशिघ्र जो जो खामियॉ उसे तत्काल दुरस्त करे। वहीं आपने क्षेत्र में भी सुधार कार्य के आदेश उपस्थित अधिकारियों को दिये है। तथा यह भी कहा कि आगे इस प्रकार की दुर्घटना ना हो जिसको लेकर भी सजग रहे और संपूर्ण क्षेत्र का आवश्यक रूप से निरीक्षण करे। साथ ही आपने यह भी कहा कि हम परिजनों से भेंट की है उन्हे जल्द ही आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जायेगी इसके अलावा भी जो भी मदद हम कर सके अवश्य करेंगे।

लाईनमेन पर गिर सकती है गाज

उक्त घटना क्रम सहित अन्य विषयो पर जब मुख्य अभियंता के एल वर्मा ने ग्रामीणो से चर्चा की गई तो यह बात सामने आई है कि स्थानीय लाईनमेन नारनौरे का व्यवहार ग्रामीणो के प्रति ठीक नही है। कभी भी विद्युत समस्याओ को लेकर फोन करो तो उल्टा जवाब बाता है। ठीक ढंग से बात तक नही करता। उक्त घटना के अलावा अन्य घटनाओं के संबंध में भी ग्रामीणो ने लाईनमेन के विषय मे चर्चा की जांच घोटी, नेवरवाही आदि स्थानों में घटनाऐं धटित हुई है। ऐसी जानकारी प्राप्त हुई है उक्त संबध में लाईनमेन नारनौरे पर गाज गिर सकती है उन पर निलंबन की कार्यवाही की जा सकती है।

ज्ञात हो कि उक्त घटना में एक ही परिवार के तीन लोगो की मृत्यू हो गई जो कि 11 केव्ही विद्युत लाईन की चपेट मे आने से। इस पूरे मामले की जांच विशेष जांच दल गंठित कर करवानी चाहिये। माना की एक पेड़ की टहनी टूटकर विद्युत तार पर गिरी और तार जमीन पर लटक गया लेकिन क्या तार इतना कमजोर बंधा हुआ था जो कि एक टहनी का वजन नही सह सका, क्या इसके पूर्व इन लाईनो का मेंटनेंस कार्य नही किया, क्या पूर्व से देखा नही गया कि तार जहां बंधा हुआ था वह ठीक तरह से बंधा हुआ है कि नही, विभाग, वर्षा काल, आंधी तूफान के पूर्व मेटनेंस कार्य करता है। घंटो लाईन बंद रहती है जहां उन्हो देखना होता है कहा कहा तार पेड़ा की जद में है, कौनसे स्थान पर पेड की टहनियॉ टूटकर लाईन पर गिर सकती है। यह सभी विभाग को देखना होता है शायद उसे ही मेटेनेस रख रखाव का नाम दिया जाता है यदि उक्त स्थल पर भी पूर्व से देख रेख हो जाती तो निश्चित रूप से घटना को टाला जा सकता था। आज एक ही परिवार के तीन सदस्यो को खोना नही पड़ता और आज इन तीन मासूम बच्चो के सर से माता पिता एवं पिता का साया नही उठा होता। इस संपूर्ण मामले की जांच जहां लांजी पुलिस मर्ग कायम कर रही है वहीं परिजनों ने यह भी मांग की है इस घटना में एक विशेष जांच दल बनाकर संपूर्ण घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये और यदि कोई दोषी है तो उन पर नियमानुसार कार्यवही की जानी चाहिये।

घर में लगी आग, लगभग चार लाख का सामान जलकर हुआ राख

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी-बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम बिसोनी के वार्ड क्रमांक 20 में बीती रात एक दुखद घटना सामने आई है। श्रीमती माला बंसोड़ के घर में 26 जून 2025 की रात करीब 3-30 बजे अचानक आग लग जाने से लगभग चार लाख रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। इस घटना ने न केवल परिवार को आर्थिक रूप से प्रभावित किया, बल्कि उनके व्यवसाय और जीवनयापन के साधनों को भी भारी नुकसान पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, घटना के समय माला बंसोड़ और उनके परिवार के सदस्य घर के सामने बने छप्पर में सो रहे थे। रात करीब 3-30 बजे अचानक घर के अंदर के कमरे में आग की लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार और पड़ोसियों के तमाम प्रयासों के बावजूद इसे नियंत्रित करना संभव नहीं हो सका। आगजनी की इस घटना में माला बंसोड़ के घर का सारा गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट हो गया। परिवार कपड़े का व्यापार करता था, और घर में कपड़े की कई गांठें रखी हुई थीं, जो आग की भेंट चढ़ गईं। इसके अलावा, घर में रखे 60 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल भी पूरी तरह जल गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस घटना में लगभग चार लाख रुपये का नुकसान हुआ है। यह नुकसान माला बंसोड़ के परिवार के लिए एक बड़ा आर्थिक झटका है, क्योंकि उनका कपड़ा व्यवसाय उनकी आजीविका का प्रमुख साधन था। आग लगने की सूचना मिलते ही वार्ड के पंच पवन कश्यप तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। पवन कश्यप ने तत्काल एसडीएम लांजी को घटना की जानकारी दी और प्रभावित परिवार के लिए आर्थिक मुआवजे की मांग की। साथ ही, पटवारी योगेश पटले ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और नुकसान का आकलन किया। उन्होंने बताया कि पंचनामा और अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रशासन को सौंपे जाएंगे। इस घटना ने माला बंसोड़ के परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। परिवार ने अपनी सारी गृहस्थी और व्यवसाय से संबंधित सामान खो दिया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत नाजुक हो गई है। स्थानीय लोगों और वार्ड पंच ने प्रशासन से अनुरोध किया है कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ताकि वे अपने जीवन को फिर से पटरी पर ला सकें।

पुरे सावन मास कोटेश्वर धाम में होगा भव्य आयोजन

30 दिवसीय संगीतमय रामचरितमानस पाठ को लेकर हुई बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। आगामी 11 जूलाई से श्रावण मास प्रारंभ हो रहा एवं श्रावण मास में अखण्ड रामायण पाठ का विशेष महत्व है जिसको देखते हुये धर्म नगरी लांजी में एकल अभियान संच लांजी अंचल बालाघाट महाकौशल मध्यप्रदेश के द्वारा कोटेश्वर धाम लांजी में 30 दिवसीय संगीतमय अखण्ड रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर गुरुवार 26 जून को नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई।बैठक का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों वैभव कश्यप जिला सरसंघ चालक, संतोष मोरघड़े जिला सह प्रचार प्रमुख, झनकार किरनापुरे अध्यक्ष एकल अभियान संच लांजी, एन आर गरदे अध्यक्ष एकल अभियान संच किरनापुर, श्रीमती उषा देवी पशीने अध्यक्ष शारदा महिला मंडल लांजी, श्रीमती रेखा बिसेन अध्यक्ष आदर्श महिला मंडल लांजी श्रीमती श्रद्धा सुनेरी गायत्री शक्तिपीठ किरनापुर की प्रमुख उपस्थिति में भगवान राम दरबार के छायाचित्र के समक्ष पूजन अर्चन कर किया। बैठक में एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे ने सर्वप्रथम कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। जिसमें बताया कि अखण्ड रामचरितमानस पाठ 11 जुलाई से आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत 11 जुलाई को मानस यात्रा प्रात- 9 बजे से गायत्री मंदिर भिलाई रोड़ लांजी से दादा कोटेश्वर धाम लांजी तक, देव आव्हान एवं पीठ पूजन प्रात- 9 बजे व्यास पीठ स्थल दादा कोटेश्वर धाम लांजी, मंचीय कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से, भगवान भोलेनाथ एवं श्रीराम जी की स्तुति पश्चात श्री रामचरित मानस पाठ प्रारंभ दोपहर 2 बजे से, अतिथि गणो के द्वारा बेलवन में 108 बिल्व पत्र पौधारोपण, शानिवार 9 अगस्त 2025 पंच कुण्डीय हवन स्तुति दोपहर 2 बजे से, महा आरती एवं श्रीराम चरित मानस पाठ विश्रांति। 10 अगस्त को प्रात- 6 बजे से 108 पार्थिव शिललिंग महारूद्राभिषेक पूजन एवं महाआरती उद्बोधन एवं मार्गदर्शन प्रात- 11 बजे से एकल अभियान संच के अखिल भारतीय अतिथियों के द्वारा, अंत में दोपहर 2 बजे से महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वैभव कश्यप के द्वारा बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह एक भव्य कार्यक्रम है जिसमें हिन्दू समाज को संगठित होने की प्रेरणा दी, सामाजिक सद्भाव की भावना को जागृत किया, और अधिक से अधिक उपस्थिति दर्ज कराने की आग्रह किया। इस बैठक में बोल बम सेवा समिति के पदाधिकारी, सद्भावना मित्र मंडल के पदाधिकारी, सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी, सादर मित्र मंडल के पदाधिकारी, विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारी, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं लांजी क्षेत्र के सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों सहित गुलाबचंद खोबरागड़े, नीलचंद हरिनखेड़े, दुलीचंद राऊत, टिकेन्द्र बरेले, दिनेश कचवाहे, विजय गोस्वामी, अजय खरगाल, हरि कलपुरे,उपाध्यक्ष विशाल खोगल, मनीष लालू अग्रवाल, राजू गोस्वामी, ताराचंद कालबेले, कपिल अग्रवाल, बी आर गुरदे, ईश्वर मण्डले, माई जी महिश्वरे, संदीप अग्रवाल, प्रकाश बेदरे, टीडी लिल्हारे, सचिन अग्रवाल, रोशन आसटकर, सतीश दुरूगकर, डॉ राजेश रणदिवे, कैलश गोस्वामी, दुर्गा रामटेक्कर, शिखा गोस्वामी, मीना बिलगौर, सुनीता रॉय, एकता अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, मनीषा दुग्गड़, संदीप रामटेक्कर, चन्द्रकांत किरनापुरे, उमाकांत उपराड़े, एकल संच से महिला आचार्य एवं बहनें की विशेष उपस्थिति रही। उपस्थित जनों ने कार्यक्रम में 11 जुलाई को होने वाले मानस यात्रा में अपने अपने क्षेत्र से अधिकतम संख्या में उपस्थिति दर्ज कराने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का सफल संचालन योगेन्द्र दहीकर के द्वारा एवं आभार प्रदर्शन परमेश्वर कुथे के द्वारा किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत में हुआ दो दिवसीय प्रशिक्षण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान में कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीणा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ जिला पंचायत बालाघाट के मार्गदर्शन में माय भारत पोर्टल पर वॉलिंटियर्स (जलदूत) का रजिस्ट्रेशन किया गया है। जिसके तहत रजिस्टर्ड वालेंटियर्स (जलदूत)का जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 25/6/25 से 26/06/2025 तक जनपद पंचायत लांजी के सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी ग्राम पंचायत के रजिस्टर्ड वॉलिंटियर्स (जलदूत) उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में राम गोपाल यादव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत लांजी, मुकेश खाडेकर अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा, टी पी परते सहायक यत्री मनरेगा,नरेश शिवणकर उपयंत्री ,दिपेश खाण्डेकर,श्रीमती तरुणा वासनिक बी सी स्वच्छ भारत मिशन, द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया । उपस्थित वालंटियर से जल संवाद के माध्यम से सुझाव लिए गये तथा शपथ दिलाई गई । प्रशिक्षण के समापन में अजय अवसर उपाध्यक्ष जप लांजी,रेवाजी कराहटकरें सभापति दिनेश लाड़े सभापति उपस्थित हुए एवं जल संवर्धन अभियान के संबंध में अपने उद्बोधन दिए गए,एवं जनप्रतिनिधियों व मुख्य कार्यपालन अधिकारी लांजी के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। जल संवर्धन अभियान अंतर्गत फीडबैक हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर वॉलिंटियर्स के फीडबैक रजिस्टर्ड जनपद पंचायत से अनिल गेडाम, बीसी सुरेश कुहाने , एडीएम मनरेगा एवं महेश मेश्राम, डीओ मनरेगा द्वारा कराया गया ।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कागजों पर बना और बंटा पोषण आहार

भोपाल। टेक होम राशन घोटाले में कांग्रेस के पूर्व विधायक पारस सक्लेचा की शिकायत पर लोकायुक्त ने प्राथमिकी दर्ज कर पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस की भूमिका की जांच शुरू कर दी है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की रिपोर्ट में मप्र में साल 2018-19 से 2021-22 के बीच 858 करोड़ का टेक होम राशन घोटाला सामने आया था। इस मामले में विधायक ने पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और आजीविका मिशन के पूर्व सीईओ ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ शिकायत की थी। इस घोटाले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कागजों पर ही पोषण आहार बना और बांटा गया।

गौरतलब है कि टेक होम राशन (टीएचआर) कार्यक्रम 6 से 36 महीने के बच्चों और गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए घर पर उपयोग के लिए फोर्टिफाइड राशन प्रदान करता है। पोषण आहार मामले में सीएजी ने 8 जिलों की जांच में ही 858 करोड़ से ज्यादा का घोटाला चार सालों के दौरान पाया है। यदि यह जांच प्रदेश स्तर पर कराई जाए, तो यह घोटाला कई गुना बड़ा निकलकर आएगा। क्योंकि कैग ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। कैग की रिपोर्ट कहती है कि 858 करोड़ रुपए का टीएचआर (टेक होम राशन) काल्पनिक रूप से बन गया। इसे बनाने में जितना

कच्चा माल लगना चाहिए या बिजली की खपत होनी थी, वो नहीं हुई। इतना ही नहीं, पोषाहार का वितरण जितने लोगों के बीच होना दिखाया गया है, उतने लोग ही 8 जिलों में नहीं मिले। लोकायुक्त अब इसी की जांच करेगा। पूर्व विधायक पारस सकलेचा की शिकायत पर लोकायुक्त ने इसे पंजीबद्ध किया है।

कैग रिपोर्ट में बड़ी अनियमितता के संकेत

टेक होम राशन को लेकर जिस कैग रिपोर्ट की गड़बड़ी का हवाला दिया गया है, वह रिपोर्ट मार्च 2025 में विधानसभा में पेश हुई। रिपोर्ट में बड़ी अनियमितता की ओर इशारा किया है। कैग ने मप्र के 8 जिलों में टेक होम राशन (2018 से 2021 तक) की जांच की है। जिन जिलों में जांच की गई, उनमें धार, रीवा, झाबुआ, सागर, छिंदवाड़ा, सतना, भोपाल और शिवपुरी शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा है कि केंद्र के बार-बार याद दिलाने के बाद भी राज्य के विभाग ने न सर्वे कराया, न ही टीएचआर की खरीद व वितरण की पड़ताल की। यह सब दुर्भावना के इरादे से किया गया। इतना ही नहीं, अप्रैल 2018 में प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) के अनुसार 36.08 लाख रजिस्टर्ड लाभार्थी थे। मप्र के महिला बाल विकास आयुक्त ने 5.5 लाख लाभार्थियों के लिए 122.99 करोड़ के 20291.585 टन पोषाहार की आपूर्ति का आदेश आजीविका मिशन को जारी किया। यहां मुद्दा यह है कि जब 36.08 लाख पंजीकृत लाभार्थी हैं तो आयुक्त ने केवल 5.5 लाख लाभार्थियों की गणना किस आधार पर की।

डेटा के घोर हेरफेर

कैग ने स्कूल शिक्षा विभाग के डेटा के साथ उपरोक्त डेटा की क्रॉस-चेकिंग की और पाया है कि शिक्षा विभाग के अनुसार केवल 0.45 लाख पंजीकृत लाभार्थी थे। कैग ने नोट किया कि अगस्त 2018 में आयुक्त डेटा के घोर हेरफेर से अवगत थे। डेटा की प्रामाणिकता और लाभार्थियों की वास्तविक संख्या का आंकलन किए बिना फर्मों को टीएचआर के वितरण के लिए आपूर्ति आदेश दे दिए गए। कैग ने अपनी जांच-पड़ताल में 8 बड़ी-बड़ी गड़बड़ी पकड़ी है। कैग ने पाया कि 2018-21 के दौरान 6 संयंत्रों ने 534 दिनों तक क्षमता से ज्यादा टीएचआर उत्पादन दिखाया, जबकि 114 दिनों में बिजली उपयोग जरूरत से कम था। रिपोर्ट के मुताबिक, 2018-21 के बीच बाड़ी, रीवा, धार, मंडला, सागर व शिवपुरी संयंत्रों ने 4.95 करोड़ के 822 टन टीएचआर की आपूर्ति की। बिना स्टॉक के 278 चालानों से 178 परियोजनाओं को टीएचआर भेजा। कैग ने खुलासा किया कि 2.96 करोड़ का पोषाहार ऐसे ट्रकों से भेजा गया, जो अस्तित्व में ही नहीं थे। चालानों में दर्ज वाहन नंबर बाइक, कार, ऑटो आदि के निकले, कई ट्रक परिवहन विभाग की वेबसाइट पर दर्ज भी नहीं थे। परियोजना गोदामों में 97,656 टन टीएचआर दर्ज किया गया। आंगनवाड़ी केंद्रों तक सिर्फ 86,377 टन ही पहुंचाया गया। देवास, होशंगाबाद, मंडला और सागर संयंत्रों के टीएचआर में प्रोटीन व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भारी कमी मिली, फिर भी सरकार ने कार्रवाई नहीं की और कमजोर गुणवत्ता का पोषाहार बांटा। संचालनालय ने 236.82 करोड़ के 13 आदेशों से 38,304 टन पोषाहार मंगाया, पर कैग ने सभी टीएचआर को घटिया पाया। केंद्र के निर्देशों के विपरीत गुणवत्ता होने पर भी न आपूर्ति रोकी गई, न कंपनी ब्लैकलिस्ट हुई और न ही अफसरों पर कार्रवाई हुई।साल 2018-2021 के बीच अफसरों ने कोई निरीक्षण नहीं किया, जिससे गोदामों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनियमितताएं और डेटा हेराफेरी हुई। सागर-शिवपुरी में वितरित बताए गए टीएचआर पैकेट स्टॉक में ही मिले, जबकि सतना के आंगनबाड़ी केंद्रों में पैकेट कीड़ों से संक्रमित और भोपाल में फटे हुए पाए गए। महिला स्व सहायता समूहों को संयंत्रों के संचालन का जिम्मा दिया, पर प्रबंधकीय पद नहीं दिए गए।

ई-अटेंडेंस को लेकर शिक्षकों में नाराजगी

शिक्षक कांग्रेस ने की सिस्टम बंद करने की मांग

भोपाल। मप्र में स्कूल शिक्षकों की अनिवार्य ई-अटेंडेंस प्रणाली को लेकर शिक्षकों में असंतोष है। मप्र शिक्षक कांग्रेस ने लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र लिखकर ई-अटेंडेंस प्रणाली को तत्काल बंद करने की मांग की है।

संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सतीश शर्मा ने जारी एक पत्र में कहा है कि ई-अटेंडेंस प्रणाली शिक्षकों के लिए व्यवहारिक रूप से अनुचित और समस्या पूर्ण साबित हो रही है। खासकर ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों में जहां नेटवर्क और संसाधनों की भारी कमी है।

पत्र में उठाई यह समस्याएं

60 प्रतिशत से अधिक स्कूलों में नेटवर्क की गंभीर समस्या है, जिससे ई-अटेंडेंस रोजाना एक चुनौती बन जाती है। वर्षा और बाढ़ के मौसम में रास्ते बंद हो जाते हैं, जिससे स्कूल पहुंचना ही मुश्किल हो जाता है। शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभाग भी शिक्षकों को विभिन्न गैर-शैक्षणिक कार्यों (सर्वेक्षण, बीएलओ ड्यूटी, चुनाव, जनगणना, आपदा राहत) में लगाते हैं। इसके अलावा शिक्षकों को प्रशिक्षण, बैठकें, समीक्षा आदि कार्यों के लिए बाहर भेजा जाता है, जिससे स्कूल पहुंच कर समय पर अटेंडेंस देना संभव नहीं होता। बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन, पूर्व-प्रवेश परीक्षाएं, विभिन्न योजनाओं का संचालन जैसे कार्य भी शिक्षकों पर थोपे जाते हैं।

क्या है मांग

ई-अटेंडेंस व्यवस्था को वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए तत्काल बंद किया जाए। यदि प्रणाली को चालू रखना हो, तो ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्र के लिए ऑप्शनल और लचीली व्यवस्था बनाई जाए।

बिना किताबों के लग रहीं पांचवी-आठवीं की कक्षाएं

भोपाल। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन फिर से शुरू हो गया है। सभी निजी एवं सरकारी स्कूलों में नियमित कक्षाएं शुरू हो गई हैं। लेकिन पांचवी और आठवीं कक्षाओं का संचालन बिना सिलेबस के हो रहा है। क्योंकि एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित किताबें अभी आई ही नहीं हैं। जबकि ग्रीष्मकालीन अवकाश से पहले भी स्कूलों में एक महीने अध्यापन का कार्य हो चुका है। किताबों के अभाव में पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

दरअसल, शिक्षा नीति 2020 के तहत इस बार पांचवी एवं आठवीं कक्षा का पाठ्यक्रम बदला गया है। पाठ्यक्रम बदलने का फैसला साल के शुरू में हो गया था। लेकिन 6 महीने बीतने के बाद भी किताबें नहीं आई हैं। जबकि दोनों कक्षाओं का संचालन अप्रैल महीने में भी चुका है। दोनों कक्षाओां के लाखों छात्रों ने बिना किताबों के एक महीने तक अध्ययन किया। चूंकि स्कूलों के पास किसी तरह का पाठ्यक्रम नहीं आया है। इस वजह से किसी भी विषय की पढ़ाई नहीं हुई है। दरअसल, नई शिक्षा नीति 2020 के तहत मप्र शिक्षा मंडल और सीबीएसई से मान्यता प्राप्त स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबों से ही अध्यापन कार्य कराया जाना है। प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में जो किताबें वितरित की गई हैं, वे एनसीईआरटी की हैं। हालांकि शिक्षा विभाग का दावा है कि सरकारी स्कूलों में किताबों का वितरण हो चुका है।

इन स्कूलों में बिना किताबों के पढ़ाई

केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, सभी जवाहर नवोदय विद्यालय। अन्य सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूल, सीबीएसई से मान्यता प्राप्त सभी निजी स्कूल। अन्य स्कूल जो एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम से अध्यापन कराते हैं। उन सभी स्कूलों में पांचवी और आठवीं की अंग्रेजी माध्यम की किताबें नहीं है। किताबें कब तक आएंगी, इसकी कोई समय सीमा तय नहीं है।

अधिकारियों-कर्मचारियों के पदोन्नति की तैयारी शुरू

- प्रशासनिक दक्षता के आधार पर निर्धारित होगा आरक्षण

भोपाल। कैबिनेट से पदोन्नति नियम 2025 को मंजूरी मिलने से नौ वर्ष बाद अब अधिकारियों-कर्मचारियों के पदोन्नति की तैयारी प्रारंभ हो गई है। सबसे पहले मंत्रालय में अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नत किए जाएंगे। इसके लिए सामान्य प्रशासन विभाग वरिष्ठता के हिसाब से सूची तैयार कर रहा है। जानकारी के अनुसार प्रत्येक संवर्ग में प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता के आधार पर इसका निर्धारण होगा। यदि किसी संवर्ग में प्रतिनिधित्व आरक्षण की तय सीमा से अधिक है तो यह कम भी हो सकता है।

गौरतलब है कि पदोन्नति नियम-2025 में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग को आरक्षण तो दिया गया है पर यह स्थायी नहीं रहेगा। प्रत्येक संवर्ग में प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता के आधार पर इसका निर्धारण पांच साल के लिए होगा। यदि किसी संवर्ग में प्रतिनिधित्व आरक्षण की तय सीमा से अधिक है तो यह कम भी हो सकता है। इसका निर्धारण मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति करेगी। पदोन्नति नियम में एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित रखे जाने वाले पदों की गणना के साथ ही प्रत्येक संवर्ग में प्रतिनिधित्व प्रशासनिक दक्षता के आधार पर निर्धारित करने का प्रविधान रखा गया है। एससी के लिए 16 और एसटी के लिए 20 प्रतिशत पदोन्नति के पद आरक्षित रखे जाएंगे। पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए संवर्ग में आरक्षित वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों के पदों की गणना विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक से पहले होगी। इसके लिए संख्या का निर्धारण विभागीय मंत्री, विभागाध्यक्ष और सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव स्तर के अधिकारी की समिति करेगी। इसमें एक सदस्य एससी-एसटी वर्ग से अनिवार्य रूप से होगा। यदि किसी संवर्ग में विशेष परिस्थिति नहीं है तो आरक्षण एससी-एसटी के लिए 36 प्रतिशत रहेगा।

पांच साल के लिए होगा आरक्षण

जानकारी के अनुसार यदि प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता के आधार पर कोई विभाग किसी संवर्ग में आरक्षण कम करने का निर्णय लेता है तो ऐसा मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति के अनुमोदन से ही किया जा सकेगा। एक बार जो आरक्षण निर्धारित हो गया, वो पांच साल तक रहेगा। इसके बाद फिर आकलन करके इसे परिवर्तित किया जा सकेगा। यह प्रविधान इसलिए किया गया है क्योंकि हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के हवाले से कहा था कि आरक्षण के लिए प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता को देखा जाए। सूत्रों के अनुसार, 2002 के पदोन्नति नियम से जो पदोन्नतियां हुईं, उसके कारण कई संवर्गों में एससी-एसटी वर्ग के अधिकारी-कर्मचारी तीन-चार पद आगे पहुंच गए। इससे सामान्य वर्ग के अधिकारी-कर्मचारी पिछड़ गए। चूंकि, नए नियम में पदोन्नति एक जनवरी 2025 की स्थिति में होनी है और जो अधिकारी-कर्मचारी पदोन्नत हो चुके हैं, उन्हें पदावनत भी नहीं किया गया है इसलिए जब तक वे सेवानिवृत्त नहीं होते, तब तक आगे ही रहेंगे। मंत्रालय में अवर सचिव, उप सचिव के पद पर पहुंचने में सामान्य वर्ग को सालों लग जाएंगे।

मैनिट भोपाल का हुआ दिल्ली में सम्मान

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल का दिल्ली में सम्मान हुआ है। संस्थान को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित गवर्नमेंट अचीवमेंट एक्सपो 2025 में उत्कृष्ट उच्च शिक्षा देने के मामले में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

भारत सरकार के इस एक्सपो में अलग-अलग केंद्रीय सरकार के वित्तपोषित तकनीकी और गैर-तकनीकी संस्थानों के साथ अन्य सरकारी एजेंसियों ने भाग लिया था। इस दौरान सभी संस्थानों ने अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों का प्रदर्शन भी किया था। मैनिट भोपाल का प्रतिनिधित्व निदेशक प्रो. के के शुक्ला के मार्गदर्शन में डॉ. राजीव परमार (सहायक प्रोफेसर, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग) और डॉ. जयत्रिलोक चौधरी (एसोसिएट डीन, आई.डी. एवं आई.आर.) ने किया।

पीएचक्यू ने सभी पुलिस अधिकारियों को एयरटेल में सिम पोर्ट करने का दिया निर्देश : बदलेगा सालों पुराना कम्युनिकेशन सिस्टम

मप्र पुलिस को बीएसएनएल पर नहीं रहा अब भरोसा

भोपाल। अपनी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे बीएसएनल (भारत संचार निगम लिमिटेड) को जोर का धक्का धीरे से लगा है। मध्यप्रदेश पुलिस को बीएसएनएल की सेवाओं में अब भरोसा नहीं रहा। यही वजह है कि उसने मध्यप्रदेश के सभी मैदानी कर्मचारियों को मोबाइल नंबर एयरटेल में पोर्ट कराने का फरमान सुना दिया है। इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। मप्र पुलिस बीएसएनएल से करीब चार दशक से सेवाएं ले रही हैं। उसकी तरफ से ही पुलिस विभाग को कई बार सिम जारी की गई है। कई वीआईपी नंबरों के साथ अधिकारियों और थानों के अनुसार नंबर भी बीएसएनएल ने मुहैया कराएं हैं। लेकिन, कई दिनों से आम आदमियों की ही तरह पुलिस विभाग भी खराब नेटवर्क के कारण कई तरह की तकनीकी समस्याओं से जूझ रहा था। इस समस्या को देखते हुए एसएसपी वॉयरलैस विजय कुमार खत्री के आदेश पर एक सर्कुलर जारी किया गया है। इसमें पुलिस विभाग की बटालियन, जिला पुलिस बल, फायर सर्विस, ट्रेनिंग स्कूल से लेकर सभी यूनिटों के प्रमुखों को आदेश दिया है। दूरसंचार मुख्यालय ने कहा है कि सेवा प्रदाता के लिए इस बार बीएसएनएल की बजाय एयरटेल का चयन किया गया है।

एमपी-यूपी के बीच हुआ पर्यटन समझौता, डिप्टी सीएम शुक्ल बोलें-

टूरिज्म की क्रांति से बढ़ेगी दोनों प्रदेशों की अर्थव्यवस्था

भोपाल। श्रीराम पथ गमन, श्रीकृष्ण पाथेय और बुद्ध सर्किट के रिसर्च और विकास की दृष्टि से मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच एमओयू हुआ है। यूपी के लखनऊ में हुए कार्यक्रम में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल की मौजूदगी में यह एमओयू किया गया। डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाओं से उन्नति के नए द्वार खुलेंगे। लखनऊ के होटल ताज महल में पर्यटन रोड शो में पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स और होटल व्यवसाय से जुड़े लोग शामिल हुए। डिप्टी सीएम शुक्ल ने कहा कि किसी क्षेत्र में तीव्र गति से विकास 3 क्रांतियों के होने से होता है।

औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति। इन तीनों क्रांतियों से स्व-रोजगार और रोजगार के अवसर बनते हैं। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश दोनों प्रदेश इन तीनों क्रांति के लिए सबसे उपयुक्त प्रदेश हैं। यूपी के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश का सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव रहा है। हमारे रीति-रिवाज, त्योहार, खान-पान, रिश्ते-नाते एक जैसे हैं। मां गंगा से मां नर्मदा तक की यह यात्रा न केवल पर्यटकों को सुखद अनुभूति देगी बल्कि दोनों प्रदेश के संबंधों को भी प्रगाढ़ करेगी।

पर्यटन आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़

एमपी के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि पर्यटन किसी भी राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ है। वर्तमान में पर्यटन उद्योग वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पर्यटन अधोसंरचनाओं के निर्माण और

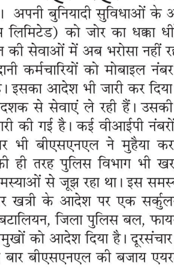

पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, सांस्कृतिक और धार्मिक संपदा के लिए प्रसिद्ध है। मंत्री लोधी ने मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति और निवेश के अवसरों पर चर्चा करते हुए सभी को आने और प्रदेश में पर्यटन व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

गंगा-नर्मदा कॉरिडोर से

खुलेगी पर्यटन की नई राह

पर्यटन एवं संस्कृति प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश भारत का एक समृद्ध और विविधतापूर्ण राज्य है। उत्तरप्रदेश और मप्र के पर्यटन में काफी समानता है। बाबा महाकाल और बाबा काशी विश्वनाथ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। दोनों ही ज्योर्तिलिंग को जोडने् के लिए काशी विश्वनाथ महाकाल एक्सप्रेस संचालित होती है। गंगा और नर्मदा पर्यटन कॉरिडोर प्रस्तावित परियोजना के तहत मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ा जाएगा। प्रयागराज, अयोध्या, वाराणसी, ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर से गुजरने वाले इस गलियारे में दोनों राज्यों के बीच पर्यटन सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

सेवा शर्तें शिक्षा विभाग की, तबादला जनजातीय कार्य विभाग में

- अधिकारियों की लापरवाही से शिक्षक बने फुटबाल

भोपाल । मप्र में हाल ही में हुए तबादले विवाद की वजह बन गए हैं। एक तरफ जहां अधिकारियों ने मंत्रियों की दरकिनार कर तबादले किए हैं, वहीं शिक्षा विभाग में तो तबादले विवाद की वजह बन गए हैं। अधिकारियों की लापरवाही का आलम यह है कि सेवा शर्तें शिक्षा विभाग की होने के बाद भी कुछ शिक्षकों का तबादला जनजातीय कार्य विभाग में कर दिया गया है। तबादला आदेश लेकर शिक्षक फुटबाल बने हुए हैं।

गौरतलब है की शिक्षा विभाग का तबादला शुरू से ही विवादों में रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग में अधिकारियों ने तबादला प्रक्रिया में बड़ी लापरवाही कर डाली है। सेवा शर्तें एज्यूकेशन डिपार्टमेंट की और ट्रांसफर जनजातीय कार्य विभाग में कर दिए गए हैं। ट्रायबल के जिन विद्यालयों में इनका स्थानान्तरण किया गया वहां यह आदेश लेकर गुहार लगा रहे हैं, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारियों ने इन्हें वापस लौटा दिया है। इस मामले में विभाग के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। एक भी अफसर इस विषय पर बोलने को तैयार नहीं है।

जॉइनिंग के लिए भटक रहे शिक्षक

अधिकारियों ने शिक्षकों के तबादले में जो लापरवाही की है उसके बाद अब वे जॉइनिंग के लिए परेशान हो रहे हैं। प्राथमिक शिक्षक विनोद कुमार बचले प्राथमिक शाला रामगढ़ विकासखंड ग्यारसपुर जिला विदिशा में पदस्थ थे। इनका तबादला जीपीएस आश्रम शाला खेड़ला जिला बैतूल में कर दिया गया है। डीईओ विदिशा ने इन्हें बैतूल के लिए कार्यमुक्त भी कर दिया। इस शिक्षक ने लोक शिक्षण संचालनालय की आयुक्त को जो आवेदन दिया, उससे वह भी अचरज में पड़ गई। शिक्षक ने मौके पर बताया कि जब स्थानान्तरित शाला में जॉइन करने गये तो वहां वरिष्ठ कार्यालय द्वारा बताया गया कि यह जनजातीय विभाग की शाला है। यहां स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक का स्थानान्तरण कैसे किया जा सकता है। यहां जॉइनिंग कराई जाना संभव नहीं है। सागर जिले के मालथौन विकासखंड अंतर्गत जीपीएस शाला नौधाना से प्राथमिक शिक्षक भुवनेश्वरी देवी बिसेन का स्थानान्तरण जीपीएस हरदुआमाल छिंदवाड़ा कर दिया गया। जब यह महिला शिक्षक छिंदवाड़ा पहुंची तो जिला शिक्षा अधिकारी ने यहां कार्यभार कराने से यह तर्क देकर इंकार किया कि यह जनजातीय कार्य विभाग की शाला है। यहां जॉइनिंग संभव नहीं है। वहां के जिला शिक्षा अधिकारी ने लोक शिक्षण संचालनाल आयुक्त को भी पत्र लिखकर अवगत कराया है। तबादलों की गड़बडियां भोपाल में भी देखने को मिली हैं। नेहरू नगर हायर सेकंडरी स्कूल में नीलंजना वशिष्ठ प्राचार्य हैं। यहां दूसरे प्राचार्य को पदस्थ करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। मॉडल स्कूल से यहां टीचर को वरिष्ठता के आधार पर प्राचार्य बनाकर भेजा गया था। जब विवाद बढ़ा तो यह आदेश निरस्त किया, लेकिन कुछ घंटे बाद फिर आदेश संशोधित कर मॉडल स्कूल टीचर को वहां भेज दिया गया। बागमुफ्ती में प्राचार्य की यथावत पदस्थापना है। यहां सीहोर से एक और प्राचार्य को लाकर पदस्थ कर दिया गया है।

स्थानानतरण शर्तों का उल्लंघन

स्थानानतरण शर्तों में लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त ने जो शर्त रखी उनका उल्लंघन भी होता दिख रहा है। शर्तों के अनुसार संबंधित लोक सेवक को तत्काल कार्यमुक्त करना होगा। कार्यभार ग्रहण करने के पूर्व कोई अवकाश स्वीकृत नहीं होगा। स्थानीय लोक सेवक को अपना कार्यभार तत्काल सौंपना अनिवार्य होगा। संबंधित सेवक को पूर्व पदस्थी संस्था से बगैर सूचना के लंबी अवधि से अनुपस्थित है तो जिला शिक्षा अधिकारी तीन दिवस में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। संबंधित का पद जिला संभाग संवर्ग का होने पर स्थानान्तरित नवीन जिले संभाग में कार्यभार ग्रहण दिनांक से वरिष्ठता निर्धारित होगी। स्थानान्तरित जिले में संबंधित कार्यरत उसी संवर्ग के लोक सेवक में अंतिम लोक सेवक से नीचे वरिष्ठता निर्धारित होगी। ऐसे शिक्षक को तबादला नीति 2022 के अनुसार गंभीर बीमारी विकलांगता पति-पत्नी का अन्यत्र पदस्थ होने के आधार पर वरीयता प्राप्त कर स्थानान्तण प्राप्त किया गया है। कार्यभार ग्रहण कराने वाले प्राचार्य द्वारा वरिष्ठता संबंधी दस्तावेजों की पुष्टि की जाएगी। जानकारी त्रुटिपूर्ण होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी। तबादला आदेश भी निरस्त किया जाएगा। तबादला प्रक्रिया में भारी त्रुटियां और गड़बडियां होने से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बनाई गई टीएमसी (ट्रांसफर मैनेजमेंट सेल) सवालों के घेरे में आ गई है। इस कमेटी की जवाबदारी थी कि वह सभी आवेदनों का परीक्षण कर आदेश जारी करवाए। सेल में करीब आधा दर्जन अधिकारी और कर्मचारियों को रखा गया है। सेल का प्रभार लोक शिक्षण संचालनालय में उप संचालक पीके सिंह को दिया गया। इनके साथ सहायक संचालक आईटी कोआर्डिनेटर शौर्य मल्होत्रा, बाबू यमुनेश तिवारी, प्रदीप नरवरिया और रिचा श्रीवास्तव शामिल हैं। इसके बाद भी इतनी बड़ी लापरवाही होना कहीं न कहीं बड़ी जांच की ओर इशारा कर रहा है। कारण है कि पोर्टल में सुधार किए बिना कैसे आदेश जारी किए गए।

नए पदोन्नति नियमों को लेकर स्पीक ने किया प्रदर्शन

भोपाल। नए पदोन्नति नियमों को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने गुरूवार को सभी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और पदोन्नति के नए नियम बताए। बैठक में शामिल अधिकारियों के सवालों के जबाव भी जीएडी के अफसरों ने दिए। साथ ही विभागीय पदोन्नति समिति का गठन कर जल्द बैठक बुलाने को कहा। उधर, सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक कर्मचारियों ने मंत्रालय में प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ ने मंगलवार को बैठक की थी। जिसमें सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (स्पीक) के अध्यक्ष डॉ. केएस तोमर भी मौजूद थे।

आईसीसी ने क्रिकेट में बदले ये नियम

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट (आईसीसी) ने क्रिकेट में कई बदलाव करते हुए नये नियम लागू कर दिये हैं। इसमें स्टॉप क्लॉक से डीआरएस और नो बॉल से शॉर्ट रन तक के नियम हैं। आईसीसीस ने ये बदलाव इसलिए किये हैं जिससे कि खेल का रोमांच लौटे। वहीं बाउंड्री लॉ और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35वें ओवर के बाद एक ही गेंद से गेंदबाजी करना शामिल है। कुछ नियम 17 जून से शुरू हुई नई डब्ल्यूटीसी साइकल में लागू हो गए हैं। वहीं इसके अलावा 2 जुलाई से कुछ और नियम लागू होने वाले हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक, लार पर प्रतिबंद रहेगा और गेंद नहीं बदली जाएगी। इसके अलावा डीआरएस से जुड़े कुछ नियम बदलने वाले हैं। नई खेल नियमों का खाका भी आईसीसी ने हाल ही में अपने सदस्य देशों को भेजा है।

टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक रूल

सफेद गेंद प्रारुप में स्टॉप क्लॉक शुरू हुए एक साल का समय हो चुका है। आईसीसी ने इस नियम को टेस्ट क्रिकेट में भी शुरू करने का फैसला किया है, क्योंकि इस फॉर्मेट में धीमी ओवर गति लंबे समय से एक समस्या बना हुआ है। नियम के अनुसार, गेंदबाजी करने वाली टीम को पिछले ओवर के खत्म होने के एक मिनट के भीतर ओवर शुरू करने के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसा ना करने पर उन्हें अंपायरों से दो वॉर्निंग मिलेंगी। तीसरी बार मे अंपायर गेंदबाजी करने वाली टीम पर पांच रनों की पेनल्टी लगाएंगे। 80 ओवर के प्रत्येक ब्लॉक के बाद वॉर्निंग फिर से शुरू होगी। ओवर की आखिरी गेंद के प्ले से बाहर जाते ही स्कीन पर उल्टी गिनती 60,59,58...3,2,1 शुरू होगी। यह नियम 2025-27 विश्व टेस्ट चैम्पियनपशिप चक्र से लागू हो गया है ।

लार पर प्रतिबंध

गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी है, लेकिन आईसीसी ने कहा है कि अब अंपायरों के लिए गेंद पर लार पाए जाने पर गेंद को बदलना अनिवार्य नहीं है। यह बदलाव ऐसी स्थिति से बचने के लिए किया गया है, जहां गेंद को बदलने की कोशिश करने वाली टीमें जानबूझकर उस पर लार लगाती हैं। इसलिए आगे चलकर, अंपायर केवल तभी गेंद को बदलेंगे, जब उसकी कंडीशन में बहुत ज्यादा बदलाव हुआ हो - जैसे कि अगर वह बहुत गीली दिखाई दे या उसमें ज्यादा चमक हो। यह पूरी तरह से अंपायरों के विवेक पर छोड़ दिया गया है। साथ ही, अगर अंपायरों के यह कहने के बाद भी कि लार के इस्तेमाल से गेंद की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है, गेंद में कुछ बदलाव होने लगे, तो उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि, बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन दिए जाएंगे।

कंबाइंड रिव्यू

आइईसीसी ने अंपायर और खिलाड़ी दोनों के रेफरल को शामिल करते हुए कंबाइड रिव्यू के दौरान निर्णय की प्रक्रिया को संशोधित करने का भी निर्णय लिया है। आईसीसी ने फैसला किया है कि एक के बाद एक यानी क्रॉनोलॉजिकल ऑर्डर में रिव्यू होगा। अब तक, संयुक्त समीक्षा के दौरान टीवी अंपायर खिलाड़ी की समीक्षा पर जाने से पहले अंपायर रिव्यू लेता था। संशोधित आईसीसी खेल शर्तों में नियम 3.9 कहता है, यदि पहली घटना से यह निष्कर्ष निकलता है कि बल्लेबाज आउट हो गया है, तो उस समय गेंद को डेड माना जाएगा, जिससे दूसरी घटना की जांच अनावश्यक हो जाएगी। इसलिए यदि एलबीडब्लू के साथ-साथ रन आउट की अपील होती है, तो टीवी अंपायर अब पहले लेग-बिफोर का रिव्यू लेगा, क्योंकि वह पहले हुई थी। यदि बल्लेबाज आउट हो जाता है, तो गेंद को डेड घोषित कर दिया जाएगा।

डीआरएस प्रोटोकॉल

उदाहरण के तौर पर - एक बल्लेबाज को कैच आउट करार दिया गया है और वह रिव्यू के लिए कहता है। अल्ट्राएज दिखाता है कि गेंद वास्तव में बल्ले से नहीं लगी और सीधी पैड से टकराई है। इस केस में बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो टीवी अंपायर अब तक आउट होने के दूसरे तरीके की जांच करता है और बॉल-ट्रैकिंग के माध्यम से यह सत्यापित करने की कोशिश करता है कि बल्लेबाज एलबीडब्ल्यू है या नहीं। अब तक इस तरह के रिव्यू के दौरान प्रोटोकॉल यह था कि एक बार यह निर्धारित हो जाने के बाद कि बल्लेबाज कैच आउट नहीं है तो आउट होने के दूसरे तरीके यानी एलबीडब्ल्यू के लिए डिफॉल्ट निर्णय नॉट आउट होता था। इसका मतलब है कि अगर बॉल-ट्रैकिंग से अंपायर्स कॉल आता है, तो बल्लेबाज नॉट आउट ही रहेगा, लेकिन अपडेट किए गए नियमों के तहत जब एलबीडब्ल्यू के लिए बॉल-ट्रैकिंग ग्राफिक प्रदर्शित किया जाता है, तो उस पर ऑरिजनल डिसिजन लेबल आउट लिखा होगा और अगर समीक्षा में अंपायर का फैसला आता है, तो बल्लेबाज आउट हो जाएगा।

नो बॉल पर फेयर कैच होगा रिव्यू

मान लीजिए कि ऐसा कोई मामला है, जिसमें दोनों ऑन-फील्ड अंपायर इस बात को लेकर निश्चित नहीं हैं कि कैच क्लीन पकड़ा गया है या नहीं, लेकिन जब वे विचार-विमर्श कर रहे होते हैं, तो टीवी अंपायर उन्हें बताता है कि यह नो-बॉल थी। प्लेइंग कंडीशन्स के पिछले संस्करण में, नो-बॉल का संकेत दिए जाने के बाद टीवी अंपायर को कैच की निष्पक्षता पर निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती थी, लेकिन अपडेट की गई प्लेइंग कंडीशन्स में, तीसरा अंपायर अब कैच की समीक्षा करेगा और अगर यह एक फेयर कैच है तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को नो-बॉल के लिए केवल एक अतिरिक्त रन मिलेगा। हालांकि, अगर कैच फेयर नहीं है, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को बल्लेबाजों द्वारा लिए गए रन भी मिलेंगे।

जानबूझकर शॉर्ट रन

अभी तक, अगर कोई बल्लेबाज जानबूझकर शॉर्ट रन लेते हुए पकड़ा जाता था, तो बल्लेबाजी करने वाली टीम को पांच रन की पेनल्टी भुगतनी पड़ती थी, लेकिन अपडेट किए गए नियमों में अगर कोई बल्लेबाज अतिरिक्त रन चुराने के लिए जानबूझकर मैदान पर नहीं जाता है, तो अंपायर फील्डिंग टीम से पूछेंगे कि वे किस बल्लेबाज को स्ट्राइक पर रखना चाहते हैं। साथ ही, पांच रन की पेनल्टी भी सजा का हिस्सा बनी रहेगी। खेल की शर्तों के नियम 18.5.1 में कहा गया है, जानबूझकर लिया गया शॉर्ट रन बल्लेबाजों द्वारा एक से अधिक रन बनाने का प्रयास है, जबकि कम से कम एक बल्लेबाज जानबूझकर एक छोर पर दूर तक ना जाए। बल्लेबाज रन ना लेने का विकल्प चुन सकते हैं, बशर्ते अंपायर को लगे कि संबंधित बल्लेबाज का अंपायरों को धोखा देने या ऐसा रन बनाने का कोई इरादा नहीं था, जिसमें उन्होंने क्रीज को नहीं बदला।

घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूर्णकालिक स्थानापन्न खिलाड़ी

गंभीर बाहरी चोट से पीड़ित खिलाड़ी के नुकसान की भरपाई के लिए आईसीसी ने बोर्ड से अपने घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक पूर्णकालिक स्थानापत्र खिलाड़ी को मैदान में उतारने का परीक्षण करने के लिए कहा है, जो आकर टीम के प्रतिभागी की भूमिका निभा सकता है। रिप्लेसमेंट प्लेयर को एक जैसा होना होगा, जैसा कि एक कनकशन सब के मामले में होता है। चोट स्पष्ट होनी चाहिए और मैच अधिकारियों को दिखाई देनी चाहिए, तभी वे फुलटाइम रिप्लेसमेंट की अनुमति देंगे। यह उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो हैमस्ट्रिंग खिंचाव या छोटी-मोटी चोटों से पीड़ित हैं। यह नियम परीक्षण के आधार पर होगा और इसे पूरी तरह से सदस्य देशों पर निर्भर करता है कि वे अपने घरेलू प्रथम श्रेणी सर्किट में इसे लागू करें।

ऋषभ 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लीड्स टेस्ट की दोनो पारियों में शतक लगाने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इससे ऋषभ अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 800 रेटिंग अंक हासिल करने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बन गये हैं। आईसीसी की ताजा रैंकिंग के अनुसार ऋषभ 800 रेटिंग अंक के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इस आक्रामक बल्लेबाज ने पहली पारी में 178 गेंदों पर 12 चौकों और 6 छक्कों की सहायता से 134 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 15 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में इस बल्लेबाज का स्ट्राइक रेट 75.28 था जबकि दूसरी पारी में यह बढ़कर 84.29 पहुंच गया।

वहीं पहले टेस्ट में एक शतक और अर्धशतक लगाने वाले इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को भी रैंकिंग में लाभ हुआ है। वह पांच स्थान ऊपर आकर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल और अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग भी बेहतर हुई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 889 रेटिंग अंक हासिल कर नंबर एक पर हैं। वहीं हैरी ब्रूक 874 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जासवाल 851 रेटिंग अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के ओली पोप तीन स्थान ऊपर आकर 19वें स्थान पर और जेमी स्मिथ 27वें स्थान पर है, दोनों की रैंकिंग बेहतर हुई है। शुभमन मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद पांच स्थान के लाभ के साथ ही 20वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं श्रीलंका और बंगलादेश के बीच ड्रॉ हुए पहले टेस्ट में कई खिलाड़ियों की बल्लेबाजी रैंकिंग बेहतर हुई है। वहीं गाले में 163 रन की पारी खेलने वाले बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम बल्लेबाजों की सूची में 11 पायदान ऊपर आकर 28वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि बांग्लादेश के ही नजमुल हुसैन शांतो इसी मैच में दो शतक लगाने के बाद 21 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। खेली। रहीम टेस्ट

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हेडिंग्ले टेस्ट में एक बार फिर पांच विकेट लेने के कारण नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीन स्थान के लाभ से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं स्कॉटलैंड, नेपाल और नीदरलैंड के बीच त्रिकोणीय सीरीज में प्रदर्शन के बाद नीदरलैंड के तेज गेंदबाज माइकल लेविट 16 स्थान ऊपर आकर 14वें स्थान पर और स्कॉटलैंड के ऑलराउंडर ब्रैंडन मैकमुलेन 20 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा दूसरा टेस्ट

लीड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा क्रिकेट टेस्ट मैच अब अगले माह 2 जुलाई से एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में पहला टेस्ट जीतने के साथ ही मेजबान इंग्लैंड टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। ऐसे में अब बराबरी के लिए भारतीय टीम को दूसरा मैच जीतना होगा। अभी इस मैच में एक सप्ताह का समय है। इससे टीमों को तरोताजा होने के लिए भी पर्याप्त समय मिल जाएगा। भारतीय समय के अनुसार दूसरा टेस्ट दोपहर 3ः30 बजे से खेला जाएगा। वहीं तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 10-14 जुलाई के बीच खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर 23-27 जुलाई के बीच खेला जाएगा जबकि सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट में उतरते ही दोनो टीमें अपना 138वां टेस्ट खेलेंगी। दोनों टीमों के बीच अब तक 137 टेस्ट हुए हैं।

मांजरेकर और पनेसर बोले, शार्दुल की जगह कुलदीप को शामिल करें

लीड्स। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर के साथ ही इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि भारतीय टीम को बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की जगह चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये। मांजरेकर का मानना है कि शार्दुल का प्रदर्शन पहले टेस्ट में अच्छा नहीं रहा। वहीं कुलदीप दूसरे मैच में उपयोग साबित हो सकते हैं क्योंकि उनकी गेंदबाजी में विविधता है। लीड्स में जसप्रीत बुमराह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाये। मांजरेकर ने कहा, 卐मुझे लगता है कि कुलदीप को टीम में जगह मिलनी चाहिये। मुझे यह कहते हुए दुख है पर शार्दुल को बाहर जाना होगा। यह एक बदलाव है जो भारत को करना होगा। नितीश कुमार रेड्डी ऑस्ट्रेलिया में उनके प्रदर्शन के आधार पर पहले टेस्ट के लिए रखा गया था पर अंत में शार्दुल को जगह मिल गयी।卐 वहीं इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने भी टीम में बदलाव की जरुरत बतायी। पनेसर ने कहा, "एजबेस्टन में भारत रविंद्र जडेजा के साथ अंतिम एकादश में कुलदीप यादव को एक्स फैक्टर के रूप में टीम में शामिल कर सकता है। इसका कारण ये है कि एजबेस्टन का विकेट थोड़ा टर्न लेता है। ऐसे में मुझे लगता है कि कुलदीप को रखना अच्छा रहेगा। हमने आईपीएल के दौरान देखा कि विकेट से खास टर्न नहीं मिलने के बाद भी उसने बल्लेबाजों को परेशानी में डाला था।"

पनेसर ने साथ ही कहा, "अगर शार्दुल ठाकुर केवल छह से आठ ओवर ही गेंदबाजी करेंगे और पूरे दिन में 15 ओवर भी नहीं कर पाएंगे तो उन्हें टीम में रखने का कोई मतलब नहीं है। मुझे लगता है कि उन्हें कुलदीप को टीम में रखने की जरूरत है, क्योंकि उनमें एक्स फैक्टर ज्यादा है। उनमें कुछ खास बात है। वहीं अगर आपको टीम में एक ही स्पिनर रखना है तो फिर जडेजा की जगह कुलदीप को अंतिम एकादश में रखना चाहिए।"

रिंकू को मिलेगी सरकारी नौकरी, बेसिक शिक्षा अधिकारी बनाया जाएगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार क्रिकेटर रिंकू सिंह को सरकारी नौकरी देने जा रही है। रिंकू को बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) का पद दिया जाएगा। यह नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 के तहत की जाएगी। इस नीयम के तहतर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ियों को सरकारी पद दिया जाता है। रिंकू की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरु हो गयी है और बेसिक शिक्षा निदेशक कार्यालय से इसके लिए आदेश भी जारी हो गया है। रिंकू की हाल ही में समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सगाई हुई है। इसको लेकर राजनीति भी शुरु हो गयी है। राज्य सरकार इसे प्रतिभा का सम्मान बता रही है और कह रही है कि इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को इसी नीति के तहत नौकरियां दी गई हैं। वहीं विरोधी दलों का कहना है कि ये नियुक्ति राजनीतिक हित साधने के लिए है।

शास्त्री बोले, बुमराह को दूसरे टेस्ट के लिए आराम देना सही नहीं

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम नहीं दिया जाना चाहिये। शास्त्री के अनुसार भारतीय टीम पहला टेस्ट मैच हारने से सीरीज में पिछड़ गयी है। पहले टेस्ट में बुमराह को छोड़कर अन्य गेंदबाज विरोधी टीम पर दबाव बनाने में विफल रहे। ऐसे में अगर वह नहीं उतरे तो दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत पहला मैच हार चुका है और इस सीरीज से पहले ही तय हो गया था कि बुमराह को केवल तीन मैचों में ही उतारा जाएगा ताकि उनपर अधिक बोझ नहीं पड़े। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का भी कहना है कि बुमारह को वह अधिक मैच खेलने को नहीं करेंगे। वह पहले की तरह ही पांच में से तीन मैच खेलेंगे। ऐसे में दूसरे टेस्ट से बुमराह बाहर बैठ सकते हैं पर शास्त्री इस रणनीति को सही नहीं मानते। उनका कहना है कि ऐसे में टीम 2-0 से पीछे हो जाएगी।

शास्त्री ने कहा, बुमराह ने कहा कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे। अब, वह तीनों में से कौन सा खेलेंगे, यह एक और सवाल है जिसे पूछा जाना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर वह दूसरे मैच में आराम करते हैं तो वह निश्चित रूप से लॉर्ड्स में उतरेंगे। इसके बाद वह अगले मैच में आराम करेंगे और फिर मैनचेस्टर में उतरेंगे। इसी दौरान टीम के 2-0 से पीछे होने का खतरा है। इसी को देखते हुए उन्हें खेलना होगा।

शास्त्री ने यह भी कहा कि भारतीय टीम को दूसरा टेस्ट जीतकर वापसी करनी होगी क्योंकि इससे पहले टीम न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली दो टेस्ट सीरीज हारी है। स्त्री ने कहा, यह काम कठिन होगा क्योंकि मैं अभी कमेंट्री बॉक्स में उसे बता रहा था कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से हारे थे, ऑस्ट्रेलिया में भी सीरीज हार गए और ऐसे में अब यह एक कठिन सीरीज रहेगी। इसमें आपके पास एक कदम आगे जाने का अवसर था क्योंकि अनुभवी खिलाड़ियों के बाहर होने से मेजबानों की गेंदबाजी कमजोर है इस अवसर का भारतीय टीम को लाभ उठाना चाहिये।

बुमराह को लेकर हमारी नीति नहीं बदली - गंभीर

लीड्स। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लेकर उनकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और तय कार्यक्रम के अनुसार उन्हें आराम दिया जाएगा। गंभीर ने कहा पहले टेस्ट में टीम की हार को देखते हुए बुमराह को अधिक मैच खेलने को नहीं कहा जाएगा। इस सीरीज से पहले कहा गया था कि वह तीन टेस्ट खेलेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। बुमराह ही पहले टेस्ट में पांच विकेट लेकर प्रभावी रहे थे, ऐसे में अटकलें लगायी जा रहीं थीं कि अब उन्हें लगातार खेलने को कहा जा सकता है ।

गौरतलब है कि बुमराह अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे हैं और यही वजह है कि उनके कार्यभार प्रबंधन के तहत टीम प्रबंधन ने उन्हें पांच में से तीन टेस्ट मैचों में खिलाने का फैसला किया था। गंभीर ने कहा कि अब भी ये योजना नहीं बदली है। साथ ही कहा कि हमारे लिए बुमराह का फिट रहना ज्यादा जरुरी है क्योंकि आगे काफी क्रिकेट खेलना है और हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं। सीरीज शुरू होने से पहले ही यह तय कर दिया गया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे और यही होगा। दूसरा टेस्ट मैच बर्मिंघम में दो जुलाई से शुरू होगा लेकिन गंभीर ने कहा कि टीम ने अभी तक यह फैसला नहीं किया है कि पांच मैचों की सीरीज में बुमराह अब किन दो मैचों में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'हमने अभी तय नहीं किया है कि वह कौन से दो अन्य टेस्ट मैच खेलेंगे। उनके बिना भी हमारे पास काफी अच्छे गेंदबाज हैं जिनकी क्षमताओं पर भी हमें भरोसा है।

सूर्यकुमार की सर्जरी हुई

म्यूनिख। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की स्पोर्ट्स हर्निया के लिए जर्मनी के म्यूनिख शहर में सर्जरी हुई है। सूर्यकुमार पिछले कुछ समय से इसके कारण दर्द से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने टी20 क्रिकेट के नये अंतरराष्ट्रीय सत्र से पहले सर्जरी कराना ही सही समझा। सूर्यकुमार का इलाज जर्मनी के म्यूनिख में हुआ। स्पोर्ट्स हर्निया से वे परेशान थे, इसी लिए आईपीएल 2025 समाप्त होने के बाद वह सर्जरी के लिए वहां गये। इसकी सर्जरी सफल रही जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की एक तस्वीर जारी करते हुए कहा कि वह अब सर्जरी से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

सूर्यकुमार ने सोशल मीडिया में अस्पताल की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लाइफ अपडेट, पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी सफल रही जिसके बाद अब मैं ठीक हो रहा हूं और बेसब्री से

वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। सूर्यकुमार ने अभी अपनी वापसी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है पर उम्मीद है कि वह अगस्त तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे और पेशेवर क्रिकेट में लौट जाएंगे।

स्टोक्स बोले, हमारे गेंदबाजों ने मैच का रुख पलटा

लीड्स। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स भारतीय टीम के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीतने के बाद से ही बेहद उत्साहित हैं। स्टोक्स का कहना है कि जब उनके गेंदबाजों ने दूसरी पारी में भारतीय टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोका था तभी मैच उनके हाथ में आ गया था। इस मैच में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रनों का लक्ष्य दिया था जो बेन डकेट के शतक और जैक क्रॉली के अर्धशतक से इंग्लैंड ने आसानी से हासिल कर लिया था। इस दोनो ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के लिए जीत का आधार तय किया। स्टोक्स के अनुसार बल्लेबाजी के अनुकूल विकेट पर उनके गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए मेहमान टीम को दो बार आउट किया। इसी कारण भारतीय टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। मैच में हमारी टीम ने दो बार भारतीय टीम के निचले क्रम को पेवेलियन भेजा। इसी कारण भारतीय टीम पांच शतक के बाद भी बड़े स्कोर नहीं बना पायी। हमने उन्हें 450 रनों से आगे नहीं जाने दिया जबकि एक समय वह काफी आगे जाते दिख रहे थे। भारतीय टीम ने पहली पारी में अपने अंतिम छह विकेट 41 रनों के अंदर जबकि दूसरी पारी में 34 रन के अंदर खो दिये।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लगाए गंभीर आरोप, बोले...

मेरी सरकार गिराने की रची गई थी साजिश

शाह-शेखावत-प्रधान ने हमारी पार्टी में पैसे बांटे थे, मेरे पास इसके सबूत हैं, मेरी सरकार गिराने की साजिश रची थी

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार में अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत ने मिलकर राजस्थान सरकार को गिराने का षड्यंत्र किया था, जिसे विफल कर दिया गया। हिंदुस्तान में एकमात्र हमारी सरकार थी, जिसे नहीं गिरा पाए। गहलोत ने गुरुवार को जोधपुर में मीडिया से ये बात कही। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने बताया कि मध्यप्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र में सरकारें बदल दीं, लेकिन राजस्थान में नाकाम रहे। इन लोगों ने हमारी पार्टी के अंदर पैसे बांटे। इसके प्रूफ मेरे पास हैं। जिस प्रकार के हालात उन्होंने बनाए, क्या वह संविधान के अनुरूप है? आज यही लोग संविधान दिवस मना रहे हैं।

हॉर्स ट्रेडिंग का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा- महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्यप्रदेश में विधायकों को खरीदने के लिए कितना पैसा बांटा होगा, आप कल्पना नहीं कर सकते। कोई 25 करोड़ कह रहा है, कोई 35 करोड़ और कोई 50 करोड़ की बात कर रहा है। महाराष्ट्र के मामले में तो कोई सोच भी नहीं सकता। देश कहां जा रहा है? ऐसे लोकतंत्र कैसे बचेगा?

सरकारें गिरा रहे हैं, डेमोक्रेसी कैसे बचेगी

गहलोत ने कहा हर नागरिक का कर्तव्य है, हमारे बोलने से काम नहीं चलेगा। खाली हिंदू-हिंदू की बात करके राजनीति करोगे तो देश बर्बाद हो जाएगा। गहलोत ने कहा कि इमरजेंसी लगाई, कुछ गलतियां हुईं माफी मांग ली कांग्रेस ने। सजा मिल गई हम लोगों को, हमारी पार्टी सरकार नहीं बना पाई, हार गई, इंदिरा गांधी खुद चुनाव हार गई, दो साल में उनकी आंधी चली, वापस कुछ तो कारण होगा। मैं खुद भी हार गया था 1977 में चुनाव। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि ठीक है, आंधी चलना दो साल के अंदर इतनी भयंकर कि भारी बहुमत से हम जीत कर वापस आए, मैं भी एमपी बना उसके बाद में, पचास साल हो गए, आप मुझे बताइए आंधी क्यों चली वापस, इमरजेंसी की गलती हुई, सॉरी फील कर लिया, खेद प्रकट कर लिया। कुछ गलती हुई होगी, पर उसमें लोग तारीफ भी करते हैं, इतना अनुशासन आ गया टाइम पर लोग ऑफिस जाते थे।

इमरजेंसी में हुए सकारात्मक काम

गहलोत ने कहा कि संजय गांधी, इंदिरा गांधी का ट्वेंटी फाइव प्रोग्राम आ गया। लोग उनकी तारीफ भी करते हैं, पर फिर भी क्योंकि इमरजेंसी लग गई थी, उस वक्त तो घोषित इमरजेंसी थी, अब अघोषित इमरजेंसी है। अभी पत्रकारों, साहित्यकारों,लेखकों, कितने लोग तो जेल में बंद हैं, आपको हमको मालूम ही नहीं है, ये तो आंकड़े छिपाते हैं।

जनता दुखी, प्रशासन बेलगाम

गहलोत ने कहा कि जनता दुखी है, ये बात मुख्यमंत्री नहीं समझ पा रहे हैं। उनको कंट्रोल करना चाहिए, जो ऑथोरिटी है मुख्यमंत्री की, उसको पूरी तरह पकड़ करनी चाहिए, जिससे की ये जो नीचे हो रहा है, वो बंद हो जाए। पब्लिक को राहत मिले। पूर्व सीएम गहलोत ने कहा कि एमएलए को अधिकारी ने कह दिया, ऐसे ही चलेगा, आप मेरा ट्रांसफर करवा दीजिए, इतनी हिम्मत होना बहुत बड़ी बात है। पहले अफसरों में इतना भय था कि अगर ढंग से बात नहीं की, तो ये रात को ट्रेन में बैठेगा, जाएगा और 8 सिविल लाइंस में मेरी शिकायत कर देगा। अब किसके पास जाए? जयपुर में तो सबके दरवाजे बंद हैं। मुख्यमंत्री की बात छोड़ो, मंत्री तक नहीं मिलते, स्थितियां बहुत नाजुक हो गई, मैं मानता हूं।

राहुल गांधी का चुनाव आयोग से सवाल पूछना कुछ लोगों को नहीं हो रहा हजम

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को कहा कि जिस अंदाज में राहुल गांधी चुनाव आयोग से सवाल पूछ रहे हैं वह कुछ लोगों को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र चुनाव में मैच फिक्सिंग हुई है और राहुल गांधी ने इस मुद्दे की ओर पूरे देश का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चुनाव आयोग की भूमिका हमेशा से ही संदेह के घेरे में रही है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे को हमेशा उठाते रहे हैं।

कांग्रेस नेता भगत ने दावा किया कि महाराष्ट्र में मैच फिक्सिंग हुई है, जिसमें चुनाव आयोग की भी भूमिका रही है, और इसी मुद्दे को राहुल गांधी उठा रहे हैं, जिसे कुछ लोग हजम नहीं कर पा रहे हैं। हम इस मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी हुई। इसे लेकर हमने आयोग से कई साक्ष्य मांगे थे, लेकिन आयोग ने हमारी मांग नहीं मानी। हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता बरकरार रहे और उसकी गरिमा पर किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं लगे। अगर ऐसा हुआ, तो हम इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेंगे।

वहीं भारत-पाक सीजफायर को लेकर उन्होंने इसे सही नहीं बताया। भगत ने कहा कि आतंकवाद को एक सभ्य समाज में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद को वैश्विक मोर्चे पर हम सभी को परास्त करने के लिए एकजुट होना ही होगा, तभी जाकर हम सभी को इसमें अपेक्षित सफलता मिल पाएगी और इस दिशा में हमें सफलता मिली भी है। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि चाहे वो इजराइल और ईरान के बीच युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन, भारत ने दोनों ही स्थिति में अहम भूमिका निभाई। भारत बढ़त की स्थिति में रहा, लेकिन पाकिस्तान के साथ स्थिति बिल्कुल उलट रही। पहले हम पाकिस्तान पर हावी हुए, लेकिन जब मसला सीजफायर का आया, तो कहीं ना कहीं हमारी भूमिका कमतर साबित हुई, जिसे लेकर आज भी केंद्र की मोदी सरकार से देश की जनता सवाल पूछ रही है, लेकिन केंद्र सरकार इस सवाल का जवाब देने से बच रही है।

अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क से जुड़े तार, पुलिस ने किया भंडाफोड़

ठाणे निवासी दो आरोपियों के पास से 1,700 सिम कार्ड बरामद

नई दिल्ली। साइबर ठगी के मामलों की जांच में जुटी एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। पन्ना पुलिस ने 14 लाख की ठगी के एक मामले में अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस नेटवर्क का संचालन थाईलैंड से हो रहा था, जबकि इसका तकनीकी सेटअप महाराष्ट्र के ठाणे से संचालित था। पुलिस ने कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 27 वर्षीय ऋषिकेश उर्फ ऋषभ हरसुरकर (निवासी कोल्हापुर) और 31 वर्षीय सुरेश गुडिमनी (निवासी चिकोडी)। दोनों को ठाणे स्थित उरबानो अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया, जहां उन्होंने तीन फ्लैट किराए पर ले रखे थे। इसमें से दो फ्लैट साइबर ठगी के तकनीकी संचालन केंद्र के रूप में इस्तेमाल हो रहे थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने शेल कंपनियों के नाम पर हजारों सिम कार्ड हासिल किए। उनके पास से 1,700 सिम कार्ड बरामद हुए हैं, जिन्हें हर महीने थाईलैंड और कंबोडिया भेजा जाता था। यह सिम कार्ड वहां बैठकर भारतीय नागरिकों से ठगी करने के लिए इस्तेमाल होते थे। फर्जी कॉल्स वीओआईपी (वीओआईपी) के द्वारा थाईलैंड से शुरू होती थीं, और भारत में मौजूद सिम बॉक्स के ज़रिए उन्हें जीएसएम कॉल में बदला जाता था, इससे लोगों को लगता था कि कॉल भारत से ही आ रही है। अब तक की जांच में आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के नाम पर छह से अधिक फर्जी कंपनियों का पता चला है, जिनके द्वारा यह सिम कार्ड खरीदे गए थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी टेलीग्राम के माध्यम से अपने विदेशी संपर्कों से जुड़े थे, जिन्हें वे बॉस कहकर पुकारते थे। यह पूरा मामला तब खुला जब पन्ना जिले के अंशु शर्मा से एक अज्ञात कॉलर ने डिजिटल गिरफ्तारी का डर दिखाकर 14 लाख रुपये ठगे।

तिरुवनंतपुरम में खड़ा एफ-15बी, अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट को करना होगा किराया भुगतान

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 14 जून की रात से खड़े अमेरिका में बने एफ-35बी लड़ाकू विमान पर अब हवाई अड्डा पार्किंग शुल्क लगाएगा। ब्रिटिश रॉयल नेवी का यह अत्याधुनिक स्टील्थ फाइटर जेट हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी की वजह से उड़ नहीं पा रहा है। इस फाइटर जेट को ठीक करने की ब्रिटिश और अमेरिकी इंजीनियरों की अबतक की सारी कोशिशें फेल हो चुकी हैं।

एयरपोर्ट ने विदेशी सेना के इस लड़ाकू विमान को फिलहाल बे-4 में रखा है, जो कि वीआईपी विमानों के लिए पार्किंग की जगह है। तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अभी तक यह नहीं तय कर पाया है कि उससे पार्किंग फीस और अन्य संबंधित शुल्कों के रूप में कितना वसूला जाएगा। इसका निर्धारण एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से निर्धारित शुल्कों के हिसाब से ही होगा, जिसमें पिछले मार्च में ही बदलाव किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि वे अभी तक यह नहीं तय कर पाए हैं कि जेट पर कितना शुल्क लगाया जाए। आमतौर पर, हवाई अड्डा संचालक विमान के वजन के आधार पर पार्किंग शुल्क लेता है। इस एफ-15बी स्टील्थ फाइटर जेट को 14 जून की रात पहले ईंधन की कमी की शिकायत के बाद इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी गई थी।

जानकारी के मुताबिक अमेरिका और ब्रिटेन के एक्सपर्ट इंजीनियरों की एक और टीम जल्द तिरुवनंतपुरम आएगी। अगर अमेरिका में बने इस अत्याधुनिक फाइटर जेट एफ-35बी को

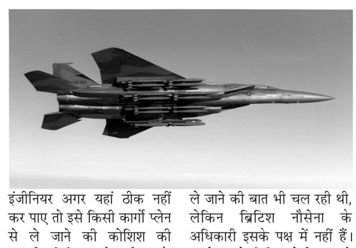

इंजीनियर अगर यहां ठीक नहीं कर पाए तो इसे किसी कार्गो प्लेन से ले जाने की कोशिश की जाएगी। ब्रिटिश हाई कमीशन के प्रवक्ता ने कहा कि हम तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यूके के एफ-35बी को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। हम भारतीय अधिकारियों को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं।

इस बीच विमान की उड़ान में अनिश्चितता देखते हुए इसे हैंगर में ले जाने की बात भी चल रही थी, लेकिन ब्रिटिश नौसेना के अधिकारी इसके पक्ष में नहीं हैं। इससे पहले ब्रिटिश नेवी का जो पायलट लेकर इसे यहां लेकर आया था, वह भी इस विमान को अपनी नजरों से तबतक ओझल होने देने को तैयार नहीं हुआ, जबतक एक ब्रिटिश नेवी के हेलीकॉप्टर से इसके कुछ और स्टाफ और तकनीशियन नहीं आ गए। अमेरिका में बने इस स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35बी का वजन 14,700 किलोग्राम बताया जाता है। अगर तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा पर एक अंतरराष्ट्रीय विमान पर 2015-16 के एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से निर्धारित पार्किंग शुल्क के हिसाब से देखें तो 100 मीट्रिक टन से कम वजन के कारण इस प्रति घंटे प्रति मीट्रिक टन के लिए 4.10 रुपये की दर से भुगतान करना पड़ता है। इस हिसाब से अगर इस विमान को 15 मीट्रिक टन का भी मानें तो 13 दिनों में गुरुवार तक 19,188 रुपये ही बैठते हैं लेकिन, इसी साल मार्च में मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एयर पोर्ट पर जो अंतरराष्ट्रीय विमानों के पार्किंग चार्ज बढ़ाए गए थे, उसके हिसाब से दूर-दराज के स्टैंड में भी पार्किंग के लिए 18 रुपये प्रति मीट्रिक टन प्रति घंटे के हिसाब से भुगतान करना होता है।

उत्तराखंड के वरिष्ठ पीसीएस अफसर के आवास पर ईडी का छापा

बरेली। पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के डोईवाला चीनी मिल के अधिशासी निदेशक वरिष्ठ पीसीएस अफसर दिनेश प्रताप सिंह के बरेली इंटरनेशनल सिटी स्थित आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का छापा पड़ा है। उत्तराखंड में भूमि अधिग्रहण घोटाले मामले में इनकी जांच चल रही है। इनकी पत्नी अलका सिंह कांग्रेस के टिकट पर बिथरी चौनपुर सीट से विधायक प्रत्याशी रही हैं। बृहस्पतिवार दोपहर छापा पड़ने की सूचना से अफसर समेत राजनीतिक खेमे में हलचल मच गई।

सुबह करीब नौ बजे ईडी की टीम पांच गाड़ियों से उनके आवास पर पहुंची। घर पर कोई मौजूद नहीं था। टीम ने गेट का ताला तोड़कर प्रवेश किया और मुख्य द्वार का कुंडा भी निकाल दिया। फिर क्रमवार लॉकर को तोड़कर जांच शुरू की। दोपहर तीन बजे तक टीम की जांच जारी रही। अभी तक क्या रहा, इसपर मीडिया से कोई जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। बताते हैं कि मौके से टीम प्राप्त दस्तावेज को साथ लेकर जाएगी।

जानकारी के मुताबिक दिनेश प्रताप सिंह राष्ट्रीय राजमार्ग-74 भूमि अधिग्रहण घोटाले में मुख्य आरोपी रहे हैं। वर्ष 2011 से 2016 के बीच गदरपुर और आसपास की कृषि भूमि को गैर-कृषि दिखाकर करोड़ों के मुआवजे का 240 करोड़ रुपये से अधिक का खेल किया। नवंबर 2017 में एसआईटी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा और 15 माह बाद हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हुए। दिनेश प्रताप की पत्नी अलका सिंह ने वर्ष 2022 में बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। इससे पूर्व अलका सिंह भाजपा में भी रहीं। भाजपा से टिकट न मिलने पर कांग्रेस में गईं थीं। इधर, चुनाव खर्च के बजट में भी काली कमाई खपाने का अंदेशा है।

बिहार में 90 सीटों पर लड़ने की तैयारी में कांग्रेस, तेजस्वी के लिए बनी परेशानी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर महागठबंधन में सीट बंटवारे पर खींचतान तेज हो गई है। एक ओर भाकपा ने 24 से अधिक सीटों पर दावेदारी कर तेजस्वी यादव के लिए परेशानी खड़ी कर रही है। वहीं अब फिर कांग्रेस ने 90 सीटों पर दावेदारी पेश की है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने बिहार में 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार की है। कांग्रेस ने इन सीटों को तीन श्रेणियों में बांटा है। जिसके आधार पर श्रेणी 'ए' में 50 सीटें, श्रेणी 'बी' और 'सी' में 18-18 सीटें शामिल हैं। इसके अलावा, चार अन्य सीटों पर भी विचार हो रहा है। हालांकि माना जा रहा है कि कांग्रेस को महागठबंधन में 50 से 55 सीटें दी जा सकती है।

बिहार में सितंबर-अक्टूबर 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी दल अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। कांग्रेस, जो 2020 के विधानसभा चुनाव में 70 सीटों पर लड़ी थी और 19 सीटें जीती थी, इस बार अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती है। श्रेणी 'ए' में शामिल 50 सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस का मजबूत जनाधार है और जीत की संभावना अधिक है। श्रेणी 'बी' में 18 सीटें हैं, जहां पार्टी ने बीते चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था। लेकिन इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं, श्रेणी 'सी' की 18 सीटें हैं, जहां जीत की संभावना कम है, लेकिन पार्टी रणनीतिक रूप से उपस्थिति दर्ज कराना चाहती है। दरअसल कांग्रेस की रणनीति महागठबंधन में उसकी स्थिति को मजबूत करने की कोशिश का हिस्सा है। 2020 में महागठबंधन की हार का ठीकरा कांग्रेस पर फूटा था, क्योंकि कांग्रेस को कई ऐसी सीटें दी गई थीं, जहां गठबंधन पहले से कमजोर था। इस बार पार्टी ऐसी सीटों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जहां वह जीत हासिल कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस ने इन 90 सीटों के लिए सर्वे कराया है और जीत की संभावना के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करेगी। हालांकि, महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) 150 से अधिक सीटों पर दावा कर रहा है, जबकि भाकपा (माले) ने 40-45 और भाकपा ने 24 से अधिक सीटों की मांग की है। इसतरह कांग्रेस की 50-55 सीटों की उम्मीद गठबंधन के भीतर जटिल समीकरण पैदा कर सकती है।

फिनटेक के साथ फास्टैग इकोसिस्टम का किया जाएगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं- गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग इकोसिस्टम में न केवल टोलिंग के लिए है बल्कि पूरे देश में निर्बाध डिजिटल यात्रा अनुभवों के आधार के रूप में अपार संभावनाएं भी इसमें मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि फिनटेक और अन्य हितधारकों के साथ सहयोग के जरिए हमारा लक्ष्य फास्टैग की उपयोगिता को एक मजबूत मंच देना है, जो उपयोगकर्ता की सुविधा को बढ़ाएगा।

उन्होंने कहा कि 98.5 फीसदी टोल पेमेंट के साथ, नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग प्रोग्राम 1,728 टोल प्लाजा पर संचालित होता है। इसके अलावा, 38 से ज्यादा बैंकों ने डिजिटल भुगतान का समर्थन करते हुए 11.04 करोड़ फास्टैग जारी किए हैं। केंद्र सरकार ने पिछले सप्ताह कारों के लिए 3,000 रुपए की कीमत वाले फास्टैग वार्षिक पास की शुरुआत की घोषणा की है, जो इस साल 15 अगस्त से प्रभावी होंगे।

फास्टैग सिस्टम के इनोवेटिव एप्लीकेशन का पता लगाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा प्रमोटेड कंपनी इंडियन हाईवेज एंड मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) द्वारा दिल्ली में फिनटेक कंपनियों के साथ एक वर्कशॉप आयोजित की गई थी। वर्कशॉप का उद्देश्य विकास के अगले चरण का समर्थन करने के लिए नियामक अनुपालन, शिकायत निवारण, सुरक्षा और फास्टैग के गैर-टोल एप्लीकेशन जैसे पहलुओं पर अग्रणी फिनटेक प्लेयर्स से जानकारी जुटाना था।

पारिवारिक कलह के कारण सबसे ज्यादा युवा कर रहे आत्महत्या

नई दिल्ली। भारत में सड़क दुर्घटनाओं के बाद सुसाइड सबसे ज्यादा युवाओं की मौत का कारण है। यह खुलासा हाल ही में पेश किए गए सरकारी आंकड़ों से हुआ है। वहीं भारत में सुसाइड की सबसे बड़ी वजह पारिवारिक कलह, प्रेम संबंध और विवाह से जुड़ी समस्याएं हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के डेटा के मुताबिक करीब 50 प्रतिशत यानी 48 फीसदी युवा तीन वजहों से ही आत्महत्या कर रहे हैं। इसमें सबसे बड़ा कारण पारिवारिक कलह का है। करीब 32.4 फीसदी युवा घर की अंदरूनी कलह से परेशान होकर अपनी जान देते हैं। वहीं 8 फीसदी युवा प्रेम संबंधों की वजह से आत्महत्या कर रहे हैं।

महिला ने रेलवे ट्रैक पर दौड़ाई कार, वीडियो हुआ वायरल

-रंगा रेड्डी जिले के शंकरपल्ली स्टेशन के पास का मामला

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में तब अफरा-तफरी मच गई जब उत्तर प्रदेश की 34 साल की महिला ने अपनी कार को रेलवे ट्रैक पर दौड़ दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह चौंकाने वाली घटना शंकरपल्ली स्टेशन के पास हुई। वायरल वीडियो में महिला की कार रेलवे ट्रैक पर तेजी से चलते हुए दिख रही है। रेलवे कर्मचारी, लोग और पुलिस महिला को कार से निकालने की कोशिश करते हुए वीडियो में दिख रहे हैं।

एक चश्मदीद ने बताया, करीब 20 लोगों की मदद से महिला को कार से बाहर निकाला। वह बिल्कुल सहयोग नहीं कर रही थी और काफी आक्रामक थी। रेलवे पुलिस ने बताया कि महिला मानसिक रूप से असंतुलित लग रही थी। उन्होंने कहा, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि वह हाल ही में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करती थी और उत्तर प्रदेश निवासी है। हम यह जांच कर रहे हैं कि क्या यह आत्महत्या का प्रयास था जिसे वह हत्या का रूप देना चाहती थी।

महिला की इस हरकत के कारण 10 से 15 ट्रेनों पर इसका असर पड़ा है। इनके रूट बदलने पड़े हैं। उसमें बेंगलुरु-हैदराबाद एक्सप्रेस भी शामिल है। इन ट्रेनों को सुरक्षा के चलते डायवर्ट किया गया। रेलवे ट्रैक को कुछ समय के लिए पूरी तरह से बंद करना पड़ा। महिला की कार से ड्राइविंग लाइसेंस और पैन कार्ड बरामद हुए हैं, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हुई है। फिलहाल महिला को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

आईआईटी बॉम्बे में सुरक्षा में गंभीर चूक, बिलाल अहमद नाम का युवक 20 दिनों तक कैंपस में रहा

इस दौरान 21 ईमेल आईडी और कई फोन नंबरों का किया इस्तेमाल

मुंबई,। मुंबई स्थित प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में एक गंभीर सुरक्षा चूक का मामला प्रकाश में आया है। 22 वर्षीय बिलाल अहमद तेली नाम के युवक को पुलिस ने अवैध रूप से कैंपस में जाने और 20 दिनों तक वहां रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस दौरान बिलाल कक्षा में जाकर लेक्चर भी अटेंड करता था। पुलिस के अनुसार, बिलाल ने अपनी पहचान छिपाने के लिए 21 ईमेल आईडी और कई फोन नंबरों का इस्तेमाल किया, इसकारण उसका डिजिटल रिकॉर्ड पूरी तरह साफ रहा। इस मामले की गंभीरता को देखकर जांच मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है।

पुलिस ने बताया कि बिलाल ने खुद को कैंपस के अंदर छात्र बताया। वह दिन में क्लास अटेंड करता था और रात में ग्राउंड फ्लोर पर लगे सोफों पर सोता था। आईआईटी प्रशासन ने 21 जून को पवई पुलिस में शिकायत दी थी, इसके बाद बिलाल के खिलाफ अतिक्रमण, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसी धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। पहले पुलिस ने पूछताछ कर नोटिस देकर बिलाल को जाने दिया था, लेकिन अब दो हफ्तों की पुलिस कस्टडी में भेज कर केस को मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। पुलिस को उसकी यह 'क्लीन डिजिटल हिस्ट्री' संदिग्ध लगी।

कैसे आया पकड़ में

दरअसल बिलाल ने 27 मई को आईआईटी बॉम्बे में एक दिवसीय कोर्स में भाग लेने के बहाने कैंपस में प्रवेश किया। इसके बाद, 2 से 7 जून तक और फिर 10 जून से कैंपस में अवैध रूप से रहा। 4 जून को आईआईटी के क्रेडिट डिपार्टमेंट की एक कर्मचारी ने देखा कि एक अनजान युवक उनके ऑफिस में बिना अनुमति घुसा है। जब छात्र से पहचान पत्र मांगा गया वह भाग गया। उसकी तलाश जारी रही। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी तलाश शुरू की गई। 17 जून को वहीं युवक लेक्चर हॉल में क्लास अटेंड करते हुए दोबारा देखा गया। इसके बाद 21 जून को एक आईआईटी कर्मचारी ने बिलाल को ऑफिस में देखा और संदेह होने पर सुरक्षा अधिकारियों को सूचित किया। इस बार आईआईटी की क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) ने बिलाल को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया।

बिलाल अहमद कर्नाटक के मंगलुरु निवासी है। बिलाल ने पुलिस को बताया कि उसने सिर्फ 10वीं तक पढ़ाई की है जिसमें 48 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। आगे की पढ़ाई को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। वह कुछ साल सूरत में काम कर फिर मंगलुरु लौट आया। तकनीक में गहरी रुचि होने के कारण वह आईआईटी आने की योजना बना 27 मई को एक दिन के कोर्स के बहाने परिसर में घुस गया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

सरेखा बन्दरझिरिया रेलवे ट्रैक पर हुआ हादसा, ग्रामीण थाना पुलिस कर रही मामले की जांच

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। गुरुवार की सुबहा गोंदिया से चलकर कटंगी की ओर जाने वाली एक यात्री ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा ग्रामीण थाना नवेगांव क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमी बन्दरझिरिया रेलवे ट्रैक का बताया गया है।मृतक का नाम ग्रामीण थाना नवेगांव ग्राम कोसमी निवासी 26 वर्षीय विशाल पिता गजानंद यादव बताया गया है जिसके शव को बरामद कर नवेगांव पुलिस ने जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। तो वही इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

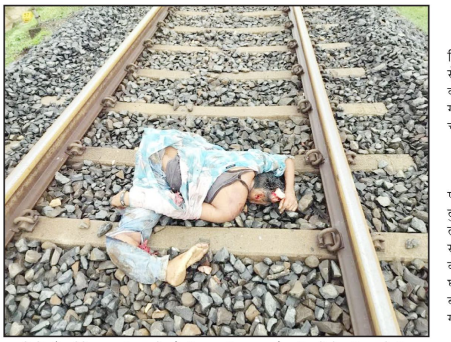

मृतक युवक के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की कही जा रही बात

प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ था। जो रेलवे ट्रैक पार करके कहीं जा रहा था। तभी सुबह करीब 7:30 बजे गोंदिया से चलकर बालाघाट कटंगी की ओर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन बन्दरझिरिया रेलवे ट्रैक पर पहुंची जहां ट्रैक पार करते समय युवक विशाल उस यात्री ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।उधर युवक की ट्रेन हादसे में मौत होने पर वहां कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। स्थानीय जनों द्वारा मामले की सूचना तत्काल रेलवे पुलिस और ग्रामीण थाना नवेगांव चौकी पुलिस को दी गई। जहां कार्यक्षेत्र के बाहर का मामला होने के चलते रेलवे पुलिस ने इस मामले से अपने आपको दूर रखा। उधर ग्रामीण थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पुरी कर शव को बरामद किया। वहीं स्थानीय जनों से परिजनों का पता लगाया गया। जहां की गई पूछताछ में मृतक युवक की पहचान कोसमी निवासी 26 वर्षीय विशाल के रूप में की गई।बताया गया कि मृतक के परिजनों ने पुलिस को विशाल के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की जानकारी दी थी।

पीएम के बाद सौपा गया शव

उधर रेलवे ट्रेक से शव बरामद कर मृतक युवक के शव को जिला अस्पताल लाया गया। जहां परिजनों के बयान दर्ज कर, पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही मामले की जांच ग्रामीण थाना पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है ।

परिजनों ने दी जानकारी

पुलिस द्वारा पूछताछ में परिजनों ने बताया कि विशाल पिछले कुछ वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ था। उन्होंने यह भी बताया कि वह काफी समय पहले घर की छत से भी गिर गया था और संभवत: वह रेलवे ट्रैक की ओर चला गया होगा।

ग्रामीणों में शोक का माहौल

पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह दुर्घटना कैसे हुई।जिसके लिए आसपास के लोगों और चश्मदीदों से जानकारी जुटाई जा रही है।उधर घटना के बाद बंदरझिरिया कोसमी में शोक का माहौल है।ग्रामीणों ने इस घटना को अत्यंत दुखद और पीड़ादायक बताया।विशाल के असमय निधन से गांव में मातम छा गया है।

मामले की जांच जारी है- छत्रपाल सिंह बैस

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नवेगांव थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह बैस ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम कोसमी बंदरझिरिया निवासी विशाल पिता गजानंद यादव के रूप में की गई है। परिजनों से जानकारी लेने पर परिजनों ने बताया कि विशाल मानसिक रूप से थोड़ा कमजोर था। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलू से गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व विभाग में किये गए स्थानांतरण को लेकर उच्च न्यायालय में केवीयट दायर

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी स्थानांतरण नीति 2025 के अनुपालन में बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री के अनुमोदन पश्चात जिला स्तर पर राजस्व विभाग के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के शासकीय सेवकों का प्रशासकीय व स्वयं के व्यय के आधार पर स्थानांतरण किया गया है। 09 जून 2025 को जारी स्थानांतरण आदेश के विरूद्ध कर्मचारियों द्वारा उच्च न्यायालय जबलपुर में याचिका दायर किये जाने की संभावना को देखते हुए शासन की ओर से उच्च न्यायालय में 13 जून 2025 को कैवियट प्रस्तुत की गई है। स्थानांतरित किये गए सभी शासकीय सेवकों को इस संबंध में सुचित कर दिया गया है।

श्रीमती शकुंतला डामोर ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग का कार्यभार संभाला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भोपाल से स्थानांतरित होकर आयी श्रीमती शकुंतला डामोर ने 26 जून को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्रीमती डामोर ने बताया कि जिले के आदिवासी विकासखंडों में शिक्षा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। छात्रावासों की व्यवस्था को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जायेगा।

ग्रेसियस
कॉलेज ऑफ फार्मेसी
आर.टी.ओ. आफिस के सामने, बरबसपुर रोड, कायदी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)
73820-53000, 73820-54000
बी.फार्मा
4 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
Enroll Now
PCI APPROVED
डी.फार्मा
2 Years
Eligibility - 12th(Bio/Maths)
मान्यता एवं संबद्धता
• फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई, नई दिल्ली)
• राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल
• तकनीकी शिक्षा विभाग म.प्र. शासन
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

सांप के काटने से एक युवक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के बिरसा थाने की मछुरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम मातला में इसी ग्राम के एक युवक फगन पिता बजारू मरकाम 20 वर्ष की सांप के काटने से मौत हो गई। 24 एवं 25 जून की दरमियानी रात यह घटना उस समय हुई जब यह युवक अपने घर की छप्पर में सो रहा था। मछुरदा पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फगन मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। 24 जून की रात्रि फगन मरकाम अपने परिवार के साथ खाना खाकर अपने घर के छप्पर में सो गया था। 25 जून की सुबह उसकी मां सुकमत बाई मरकाम उठी देखी उसका बेटा फगन मरकाम नहीं उठा था। सुकमत बाई ने अपने बेटे फगन मरकाम को हिला डुलाकर के देखी किंतु वह नहीं उठा। इस संबंध में सकमत बाई ने मोहल्ले और पड़ोस के लोगों को बताई। उन्होंने आकर देखें फगन मरकाम की मौत हो चुकी थी और उसके दाएं हाथ के अंगूठे में सांप के कांटे जैसा निशान था। आसपास देखने तो फगन मरकाम के घर छप्पर के कोने में एक सांप दिखाई दिया। जिसे मोहल्ले वालों ने मारे। इस घटना की रिपोर्ट नोहरू पिता भागेला मरकाम 50 वर्ष ग्राम मातला निवासी ने मछुरदा पुलिस चौकी में की थी।प्रधान आरक्षक शिवदयाल मेश्राम ने ग्राम मातला पहुंचकर मृतक फगन मरकाम का शव बरामद किया और बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौप

सरकारी चबूतरे में बकरी बाँधने का विवाद
दो पड़ोसी आपस में भिड़े, मारपीट में दो घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम धापेवाड़ा में सरकारी चबूतरे पर बकरी बांधने के विवाद को लेकर दो पड़ोसी आपस में भीड़ गए और हुई मारपीट में एक दोनो पड़ोसी घायल हो गए। यह घटना 26 जून को सुबह हुई। कोतवाली पुलिस ने महबुदा खान पति रियाज खान 45 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर फिरोज खान और फिरोज खान पिता शाहबाज खान 55 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर फय्याज खान और नियाज खान के विरूद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जान शुरू की है। रात जानकारी के अनुसार महबुदा खान घरेलू काम करती है। जिसके परिवार में तीन बच्चे और पति रियाज खान है। रियाज खान बकरी चराने का काम करते हैं।। जिनके पड़ोस में फिरोज खान रहते हैं। वे भी बकरी चराने का काम करते हैं। 25 जून को सुबह 10:00 बजे महबुदा खान अपनी बकरी को चबूतरे में ले जाकर बंधी थी। उसी समय फिरोज खान की पत्नी समिदा खान ने आकर बोली कि तुम यहां बकरी नहीं बांधोंगी। दोनों महिला की बातचीत हुई रही थी। कि इतने में समिदा खान का पति फिरोज खान आया और महबूदा खान को अश्लील गांडिया गाली देने लगा और वह महबुदा खान को मारने के लिए दौड़ा। तभी बीच बचाव करने के लिए महबुदा खान का लड़का रियाज खान आया। जिसे फिरोज खान ने डंडे से मारपीट कर दिया और चबूतरे में बकरी बांधने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस घटना के बाद 12:00 बजे जब फिरोज खान की पत्नी शबीना ने सरकारी चबूतरे में बकरी बांधी थी और खुटे गड़ा रही थी। तभी फय्याज खान अपने भाई नियाज खान के साथ आया और शबीना खान को बोले कि तुम यहां बकरी क्यों बांधे हो, यहां पर हम बकरी बांधेंगे और दोनों भाई शबीना खान को अश्लील गालियां देने लगे। आवाज सुनकर शबीना खान का पति फिरोज खान आया और उन्हें गाली देने से मना किया। तभी नियाज खान और फय्याज खान ने फिरोज खान को हाथ बुक्के और लकड़ी से मारपीट कर दिए दोनों भाई ने फिरोज खान को उठाकर हमने पटक दिए जिसके बाद दोनों भाई ने फिरोज खान को लातघूंसों से मारपीट कर दिए। और जाते-जाते दोबारा चबूतरे में बकरी बांधने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। इस घटना के बाद दोनों पक्ष रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचे कोतवाली पुलिस ने मारपीट में चोटिल हुए लोगों का इलाज और मुलाहिजा जिला अस्पताल में करवा और महबुदा खान पति रियाज खान 45 द्वारा की गई रिपोर्ट पर फिरोज खान और फिरोज खान पिता शहबाज खान 55 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर फय्याज खान और नियाज खान के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

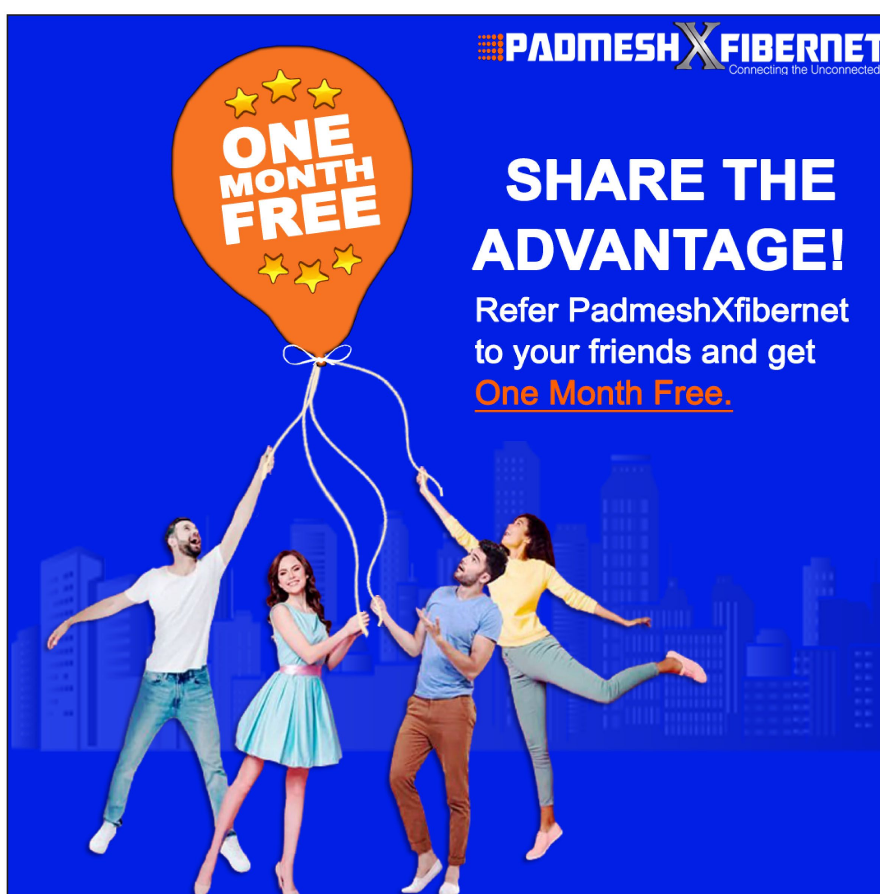

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट